SINCE 2016

UPPCS ONE

"संकल्प से सिद्धि"

Quick Revision Series

UPPCS & RO/ARO प्रीलिम्स के लिए महत्वपूर्ण

प्रीलिम्स एग्जाम में 50-60 प्रश्न सीधे इसी सीरीज से

हमसे जुड़ने के लिए टेलीग्राम पर सर्च करे UPPCS ONE

हमारे संचालित कोर्स
UPPCS 2024 प्री + मेंस
RO/ARO Re-Exam प्री+मेंस

1 भारत के स्थानांतरण कृषि के स्थानीय नामों की सूची

- झूम - उत्तर-पूर्वी भारत
- वेवर और दहियार - बुंदेलखंड क्षेत्र (मध्य प्रदेश)
- दीपा - बस्तर
- जरा और एरका - दक्षिणी राज्य
- बत्रा - दक्षिण-पूर्वी राजस्थान
- पोडू - आंध्र प्रदेश
- कुमारी - केरल के पश्चिमी घाट के पहाड़ी क्षेत्र
- कमन, वींगा और धावी - ओडिशा

2 विश्व में स्थानांतरण कृषि के स्थानीय नाम क्षेत्र

- रे - वियतनाम
- मसोले - कांगो (ज़ैर नदी घाटी)
- फंग - भूमध्यरेखीय अफ्रीकी देश
- लोगन - पश्चिमी अफ्रीका
- मिल्पा - मेक्सिको और मध्य अमेरिका
- कोनुको - वेनेजुएला
- रोका - ब्राज़िल
- चेतेमिनी - युगांडा, ज़ाम्बिया और जिम्बाब्वे
- लादांग - जावा और इंडोनेशिया

3 ऑस्ट्रेलिया की पांच सबसे बड़ी लौह अयस्क खदानें

1. माउंट न्यूमैन संयुक्त उद्यम
2. जिम्बलबार हब
3. एरिया सी माइन
4. साउथ फ्लैंक परियोजना
5. ग्रेटर टॉम प्राइस माइन

4 अफ्रीका के पांच बड़े पर्वत अवरोही क्रम में

1. माउंट किलिमंजारो, तंजानिया - 5895 मीटर
2. माउंट केन्या, केन्या - 5199 मीटर
3. माउंट स्टेनली, युगांडा और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य - 5109 मीटर
4. माउंट स्पीके, युगांडा - 4890 मीटर
5. माउंट बेकर, युगांडा - 4844 मीटर

5 उत्तरी अमेरिका महाद्वीप की प्रमुख नदियां व उनकी स्थिति

- मिसीसिपी-मिसौरी नदी
  मिसिसिपी और मिसौरी दो अलग-अलग नदियां है, किंतु यह एक साथ मिलकर विश्व का चौथा सबसे बड़ा नदी तंत्र बनाती है। इस नदी का डेल्टा 'पक्षी के पंजे' के समान बनता है। यह उत्तरी अमेरिका में बहती है

- रियो ग्रांडे नदी
  यह नदी सयक्त राज्य अमरिका और मक्सिको क बीच सीमा बनाती है। यह उत्तरी अमेरिका महाद्वीप की नदी है

- सेंट लॉरेंस नदी
  सेंट लॉरेंस नदी उत्तर अमेरिका महाद्वीप में बहती है। इस नदी की खास बात यह है कि यह विश्व का व्यस्ततम आंतरिक जल परिवहन मार्ग बनाती है। विश्व प्रसिद्ध 'नियाग्रा जलप्रपात' सेंट लॉरेंस नदी पर ही स्थित है।

- कोलोरेडो नदी
  कोलोरेडो नदी उत्तर अमेरिका महाद्वीप के पश्चिमी हिस्से में बहती है। विश्व विख्यात 'ग्रैंड कैनयन' तथा 'हूबर बांध' कोलोरेडो नदी पर ही स्थित है।

6 भारत के प्रमुख कोयला क्षेत्र

- पश्चिम बंगाल - रानीगंज (भारत का सबसे पुराना कोयला क्षेत्र)
- झारखंड - झरिया (सबसे बड़ा), बोकारो,धनबाद गिरिडीह, करणपुरा, रामगढ़, डाल्टनगंज
- ओडिशा - तालचेर, हिमगिरि, रामपुर
- आंध्र प्रदेश - कांतापल्ली
- तेलंगाना - सिंगरेनी
- छत्तीसगढ़ - कोरबा, बिश्रामपुर, सोनहत, झिलमिल

UPPCS ONE

7 अफ्रीका महाद्वीप की महत्वपूर्ण नदियां

- नाइजर नदी
  नाइजर नदी अफ्रीका में बहती है। यह नदी गिनी की खाड़ी में गिरती है, तथा 'तेल नदी' के नाम से विख्यात है।

- जांबेजी नदी
  जांबेजी नदी अफ्रीकी नदी है, विक्टोरिया जलप्रपात और करीबा बांध इसी नदी पर स्थित है।

- कांगो अथवा जायरे नदी
  यह नदी अफ्रीका में बहती है। इस नदी की खास बात यह है कि यह 'विषुवत रेखा को दो बार पार' करती है। विश्व प्रसिद्ध स्टैनले तथा लिविंगस्टोन जलप्रपात इसी नदी पर स्थित है।

- लिंपोपो नदी
  लिंपोपो नदी दक्षिण अफ्रीका के हाइवेल्ड से निकलती है। यह नदी मकर रेखा को दो बार पार करती है।

8 विश्व के प्रमुख महासागरीय गर्त

- मेरियाना गर्त:
  प्रशान्त महासागर में पूर्वी तथा पश्चिमी किनारों पर इनकी लगभग एक निरन्तर श्रंखला मिलती हैं, जिसमें मेरियाना गर्त सर्वाधिक गहरा हैं।
  यह विश्व का सबसे गहरा गर्त हैं। यह फिलीपीन्स के पूर्व में स्थित हैं। इसकी गहराई 11034 मीटर है।

- टोंगा गर्त:
  यह टोंगा दीप समूह के पूर्व में दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित हैं।

- सुण्डा गर्त:
  जो पहले जावा गर्त कहलाता था, इंडोनेशिया के जावा दीप के दक्षिण में स्थित हिन्द महासागर का सबसे गहरा बिंदु है। इस गर्त की सर्वाधिक गहराई 7,725 मीटर (25,344 फ़ुट) है।

- प्यूर्टोरिका गर्त:
  यह कैरेबियन और अटलांटिक महासागर की सीमा पर स्थित है।

9 भारत की प्रमुख महत्वपूर्ण मिट्टियाँ

- लाल और पीली मिट्टी
  - वे मुख्य रूप से कम वर्षा वाले क्षेत्रों में क्रिस्टलीय आग्नेय चट्टानों पर विकसित होते हैं, दक्कन पठार के पूर्वी और दक्षिणी भाग में
  - वे भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 10.6% हिस्सा कवर करते हैं
  - ये मिट्टियाँ पोटाश से समृद्ध हैं, लेकिन फॉस्फोरस, ह्यूमस, नाइट्रोजन और मैग्नेशिया की कमी ह।

- काली मिट्टी
  - काली मिट्टी में स्वयं जुताई करने का गुण होता है, इसे रेगुर ,कपासी ,उष्णकटिबंधीय चेर्नोज़म भी कहते हैं
  - कपास की खेती के लिए काली मिट्टी की गहन खेती की जाती है।
  - यह मुख्यतः महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान ,मध्य प्रदेश ,छत्तीसगढ़ ,उड़ीसा ,तमिलनाडु राज्य में पाई जाती है
  - सामान्यतः इनमें फॉस्फेट, नाइट्रोजन और ह्यूमस की कमी होती है ,लेकिन चूना, लोहा, मैग्नेशिया अल्युमिनियम प्रचुर मात्रा में होते हैं।

- लेटराइट मिट्टी
  - यह मिट्टी 200 सेमी से अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में चूना व सिलिका के निश्चलन से उत्पन्न होती है
  - इस मिट्टी में लौह ऑक्साइड व अल्युमिनियम ऑक्साइड की प्रचुरता होती है ,परंतु नाइट्रोजन फास्फोरस अम्ल पोटाश, चूना और कार्बनिक तत्वों की कमी मिलती है
  - यह मिट्टी मुख्य तौर पर पूर्वी घाट राजमहल पहाड़ियां सतपुड़ा व मेघालय की पहाड़ियों में पाई जाती है

10 यूरोप की प्रमुख नदियां व उनकी विशेषताएं

- वोल्गा नदी
  - रूस की वल्दाई पहाड़ियों से निकलती है और कैस्पियन सागर में गिरती है, यूरोप की सबसे लंबी नदी है।
  - वोल्गा नदी, जो बाल्टिक सागर को कैस्पियन सागर से जोड़ती है, ऐतिहासिक रूप से रूसी संस्कृति, व्यापार और नौवहन के लिए आवश्यक रही है।

- डानुबे नदी
  - डेन्यूब नदी, जो जर्मनी के ब्लैक फॉरेस्ट से निकलती है और काला सागर में गिरती है, यूरोप की दूसरी सबसे लंबी नदी है।
  - यह व्यापार और पारगमन के लिए एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है, जो अपनी लगभग 2,850 किलोमीटर लंबाई में दस देशों से होकर गुजरता है।
  - डेन्यूब डेल्टा, एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल

- राइन नदी
  - राइन नदी स्विस आल्प्स में अपने उद्गम से उत्तरी सागर में बहकर जर्मनी को नीदरलैंड से अलग करती है।
  - यह यूरोप के सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण जलमार्गों में से एक है, जो 1,233 किलोमीटर तक फैला हुआ है।

- लोयर नदी
  - फ्रांसीसी सेवेनेस पर्वतमाला लोयर नदी का स्रोत है, जो अटलांटिक महासागर में गिरती है।
  - यह फ्रांस की सबसे लंबी नदी है,

- पो नदी
  - इतालवी कोट्टियन आल्प्स पो नदी का स्रोत है, जो एड्रियाटिक सागर में गिरती है।
  - यह इटली की सबसे लंबी नदी है और इसकी लंबाई 652 किलोमीटर से अधिक है।

11 विश्व के प्रमुख जलप्रपात

- नियाग्रा फॉल्स
  कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है और न्यूयॉर्क राज्य और ओन्टारियो प्रांत में स्थित है। यह तीन झरनों का सामूहिक नाम है ।

- विक्टोरिया फॉल्स
  सीएनएन द्वारा दुनिया के सात प्राकृतिक आश्चर्यों में से एक। यह दक्षिणी अफ्रीका में ज़ाम्बेज़ी नदी पर है और ज़िम्बाब्वे और ज़ाम्बिया की सीमा साझा करता है।

- एंजेल फॉल्स
  वेनेजुएला में कारोनी नदी की सहायक चुरुण नदी पर यह दुनिया का सबसे ऊंचा जलप्रपात है

- इगुआज़ू फॉल्स
  अर्जेंटीना और ब्राज़ील के बीच की सीमा बनाता है। यह दुनिया का सबसे बड़ा झरना सिस्टम है।

- ग्वाइरा जलप्रपात (गुएरा फॉल्स)
  पैराग्वे और ब्राजील की सीमा पर पराना नदी पर विशाल झरनों की एक श्रृंखला

जैवनिम्नीकरणीय प्रदूषक

जिन्हें प्रकृति में सरल, हानिरहित पदार्थों में तोड़ा जा सकता है

उदाहरण-

- घरेलू अपशिष्ट (कूड़ा), मूत्र, मल पदार्थ, सीवेज,
- कृषि अवशेष, कागज, लकड़ी, कपड़ा, मवेशियों का गोबर,
- जानवरों की हड्डियाँ, चमड़ा, ऊन, वनस्पति

12 संविधान के महत्वपूर्ण संशोधन

- 24वां संशोधन अधिनियम,1971
  संसद को मौलिक अधिकार में संशोधन करने की शक्ति दी गई।
- 61वां संशोधन अधिनियम,1989
  लोकसभा और विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की उम्र 21 साल से घटाकर 18 साल की गई।
- 65वां संशोधन अधिनियम,1990
  अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातिके लिए एक राष्ट्रीय आयोग को शामिल करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 338 में संशोधन किया।
- 69वां संशोधन अधिनियम,1991
  70 सदस्यीय विधानसभा और दिल्ली के लिए 7 सदस्यीय मंत्रिपरिषद के प्रावधान के साथ दिल्ली को 'राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली' बनाया।

13 भारतीय संविधान के महत्वपूर्ण अनुच्छेद

- अनुच्छेद 25- धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
- अनुच्छेद 26-व्यक्ति को अपने धर्म का पालन, प्रचार, और उसका अनुसरण करने की स्वतंत्रता होती है।
- अनुच्छेद 27-किसी को ऐसा कर देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है, जो किसी धर्म या धार्मिक संस्था के प्रचार और रख-रखाव के लिए हो
- अनुच्छेद 28- किसी राज्य द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित शैक्षिक संस्थान में धार्मिक शिक्षा नहीं दी जा सकती
- अनुच्छेद 29- अल्पसंख्यक वर्ग के हितों का संरक्षण
- अनुच्छेद 30- अल्पसंख्यक वर्ग के शिक्षा संस्थान की स्थापना और प्रशासन करने के अधिकार

14 संविधान की अनुसूचियां

- पहली अनुसूची – देश और 28 राज्यों का उल्लेख
- दूसरी अनुसूची –वेतन, भत्ते और पेंशन
- तीसरी अनुसूची– शपथ संबंधित उल्लेख
- चौथी अनुसूची –राज्यसभा की सीटों का उल्लेख
- पांचवी अनुसूची –अनुसूचित जाति और जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन का उल्लेख
- छठी अनुसूची –असम, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम का जनजातीय प्रशासन
- सातवीं अनसची –कद्र और राज्यो क बीच शक्ति का बंटवारा
- आठवीं अनुसूची– 22 भाषाओं का उल्लेख
- नौवीं अनुसूची –भूमि सुधार संबंधित(1st संविधान संशोधन 1951)
- दसवीं अनुसूची –दल बदल संबंधित प्रावधान। (52वां संशोधन–1985)
- ग्यारहवीं अनुसूची– पंचायतों का प्रावधान(73वां संशोधन–1992)
- बारहवीं अनुसूची– नगर निकायों का प्रावधान (74वां संशोधन–1992)

15 नागरिकता (भाग-2) से संबंधित अनुच्छेद

- अनुच्छेद 5 -संविधान के प्रारंभ होने पर नागरिकता
- अनुच्छेद 6 -पाकिस्तान से भारत आने वाले व्यक्ति की भारतीय नागरिकता
- अनुच्छेद 7-पाकिस्तान जाने वाले व्यक्ति की भारतीय नागरिकता
- अनुच्छेद 8- विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के व्यक्तियों के नागरिकता
- अनुच्छेद 9- भारतीय नागरिकता की समाप्ति
- अनुच्छेद 10 -नागरिकता का बना रहना
- अनुच्छेद 11 -नागरिकता संबंधी विधि नियम एवं कानून

16 संविधान के भाग

- भाग I – संघ और उसका क्षेत्र (1 – 4)
- भाग II – नागरिकता (5 -11)
- भाग III – मूल अधिकार (12 – 35)
- भाग IV – नीति निदेशक तत्व (DPSP) 36 – 51
- भाग IV A – मूल कर्तव्य (51A)
- भाग V – संघ (52 – 151)
- भाग VI – राज्य(152 – 237)
- भाग VII – राज्य (भाग B) 238 (निरसित)
- भाग VIII – संघ- रा य क्षेत्र (UT)239 – 242
- भाग IX – पंचायत (243 – 243O)
- भाग IXA – नगरपालिकाएं (243P – 243ZG)
- भाग IXB – सहकारी समिति (243ZH – 243ZT)
- भाग X – अनुसूचित एवं जनजातीय क्षेत्र (244–244A)
- भाग XI – संघ- रा य सम्बन्ध (245 – 263)
- भाग XII – वित्त, संपत्ति इत्यादि उपबंध(264–300A)
- भाग XIII – व्यापार- वाणि य (301 – 307)
- भाग XIV – संघ- रा य के अधीन सेवाएँ (308–323)
- भाग XIVA – ट्रिब्यूनल(323A – 323B)
- भाग XV – चुनाव (324 – 329A)
- भाग XVI – विशेष उपबंध (330 – 342)
- भाग XVII – भाषा (343 – 351)
- भाग XVIII – आपात उपबंध (352 – 360)
- भाग XIX – विविध (361 – 367)
- भाग XX – संविधान संशोधन (368)
- भाग XXI – अ ायी, सं मण कालीन और विशेष उपबंध (369 – 392)
- भाग XXII – संक्षिप्त नाम , प्रारंभ आदि (393 – 395)

17 पर्यावरण शब्दावली से संबंधित वैज्ञानिक

- जैव विविधता - डब्लू. जी. रोसेन
- इकोसिस्टम - ए.जी. टैंसले
- इकोलॉजी - अर्नेस्ट हैकल
- मोनो क्लाइमैक्स थ्योरी - एफ. ई. फैक्लमेंट्स
- हॉटस्पॉट - नॉर्मन मार्यस

18 भारत के प्राकृतिक विश्व धरोहर स्थल

- काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान - असम
- मानस वन्यजीव अभयारण्य - असम
- केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान - भरतपुर, राजस्थान
- सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान - पश्चिम बंगाल
- नंदा देवी और फूलों की घाटी - उत्तराखंड
- पश्चिमी घाट - केरल ,तमिलनाडु ,कर्नाटक,गोवा, महाराष्ट्र और गुजरात
- ग्रेट हिमलयन राष्ट्रीय उद्यान - हिमांचल प्रदेश

19 17 सतत विकास लक्ष्य 2030

- लक्ष्य 1: गरीबी उन्मूलन
- लक्ष्य 2: शून्य भूखमरी
- लक्ष्य 3: अच्छा स्वास्थ्य और खुशहाली
- लक्ष्य 4: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
- लक्ष्य 5: लैंगिक समानता
- लक्ष्य 6: स्वच्छ जल और स्वच्छता
- लक्ष्य 7: सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा
- लक्ष्य 8: अच्छा कार्य और आर्थिक विकास
- लक्ष्य 9: उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढाँचा
- लक्ष्य 10: असमानता कम करना
- लक्ष्य 11: टिकाऊ शहर और समुदाय
- लक्ष्य 12: जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन
- लक्ष्य 13: जलवायु कार्रवाई
- लक्ष्य 14: जल के नीचे जीवन
- लक्ष्य 15: भूमि पर जीवन
- लक्ष्य 16: शांति और न्याय मजबूत संस्थाएँ
- लक्ष्य 17: लक्ष्य प्राप्त करने के लिए साझेदारी

20 अकबर के कुछ महत्वपूर्ण कार्य

- 1562 - दास प्रथा का अंत
- 1562 - अकबर की 'हरमदल' से मुक्ति
- 1563 - तीर्थयात्रा कर समाप्त
- 1564 - जजिया कर समाप्त
- 1571 - फतेहपुर सीकरी की स्थापना एवं राजधानी का आगरा से फतेहपुर स्थानान्तरण
- 1575 - इबादत खाने की स्थापना
- 1579 - महजर की घोषणा
- 1580 - 'दहसाला प्रणाली (टोडरमल द्वारा) लागू।
- 1582 - दीन-ए-इलाही की घोषणा

21 महत्वपूर्ण अभिलेख

- हाथीगुम्फा अभिलेख - कलिंग राजा खारवेल
- जूनागढ़ (गिरनार) अभिलेख - रुद्रदामन
- नासिक अभिलेख - गौतमी बलश्री
- प्रयाग स्तम्भ लेख - समुद्रगुप्त
- ऐहोल अभिलेख - पुलकेशिन-II
- मन्दसौर अभिलेख - मालवा नरेश यशोवर्मन
- ग्वालियर अभिलेख - प्रतिहार नरेश भोज
- भितरी एवं जूनागढ़ अभिलेख - स्कन्दगुप्त
- देवपाड़ा अभिलेख - बंगाल शासक विजयसेन

22 पेशवाओं के काल में मराठा

- बालाजी विश्वनाथ (1713-20 ई.)
- बाजीराव प्रथम (1720-40 ई.)
- बालाजी बाजीराव (1740-61 ई.) (नाना साहब)पानीपत का तीसरा युद्ध (14 जनवरी, 1761 ई.)
- माधवराव प्रथम (1761-72 ई.)
- नारायण राव (1772-73 ई.)
- माधव नारायण राव (1774-95 ई.)
- बाजीराव द्वितीय (1795 ई.-1818 ई.

23 उत्तरवर्ती मुगल शासक

- बहादुरशाह - 1207-1712 ई० (शाह -ए -बेखबर)
- जहाँदार शाह - 1712-1713 ई० (लंपट मूर्ख)
- फर्रुखसियर - 1713-1719 ई० (घृणित कायर)
- मुहम्मदशाह - 1719-1748 ई० (रंगीला)
- अहमदशाह - 1748-1754 ई०
- आलमगीर-II - 1754-1759 ई०
- शाहआलम-II - 1759-1806 ई०
- अकबर-II - 1806-1837 ई०
- बहादुर शाह जफर - 1837-1857 ई०

24 आंग्ल- मैसूर युद्ध

- प्रथम आंग्ल मैसूर युद्ध (1767-69 ई.)
  - मद्रास की संधि
  - हैदर अली और अंग्रेज गवर्नर बैरलस्ट के बीच, जिसमे अंग्रेजो की हार हुई।
- द्वितीय आंग्ल मैसूर युद्ध (1780-84 ई.)
  - मंगलोर की संधि
  - हैदर अली और अंग्रेज वारेन हेस्टिंग्स के बीच,
- तृतीय आंग्ल मैसूर युद्ध(1790-92 ई.)
  - श्रीरंगपट्टनम की संधि
  - टीपू सुल्तान और अंग्रेज लार्ड कार्नवालिस के बीच लड़ाई संधि के द्वारा समाप्त हुई।
- चतुर्थ आंग्ल मैसूर युद्ध (1797-99 ई.)
  - टीपू सुल्तान और अंग्रेजो लार्ड वेलेजली के बीच, टीपू की हार हुई वह युद्ध के मध्य दिवंगत हुआ
  - मैसूर शक्ति का पतन हुआ

25 बौद्ध संगीतियां

- प्रथम बौद्ध संगीति-राजगृह (483 ई पू)
  - शासक- (हर्यंक वंश)अजातशत्रु के संरक्षण में
  - अध्यक्ष- महाकश्यप
  - इसमें आनंद ने सुत्तपिटक की रचना की जिसमें बुद्ध की शिक्षाओं का समावेश है।
- द्वितीय बौद्ध संगीति-वैशाली (383 ईपू)
  - शासक (शिशुनाग वंश) कालाशोक
  - अध्यक्ष- सबकामी
  - इसमें बौद्ध व्यव ा ाविरवादियो और महासांघिकों में विभाजित हो गई
- तृतीय बौद्ध संगीति-पाटलिपुत्र (250 ई पू)
  - शासक(मौर्य वंश) अशोक
  - अध्यक्ष- मोगलीपुत्त तिस्स
  - अभिधम्म पिटक का संकलन इसी परिषद में किया गया था।
  - बौद्ध धर्म प्रचारको को विभिन्न देशों में भेजा गया
- चतुर्थ बौद्ध संगीति कश्मीर में (72 ई)
  - शासक- (कुषाण वंश)कनिष्क
  - अध्यक्ष- वसुमित्र और अश्वघोष
  - इसमें बौद्धधर्म अंततः हीनयान और महायान में विभाजित हो गया

26 मौर्यकालीन प्रशासन

- समाहर्ता - आय का सं हकर्ता
- सन्नीधाता - राजकीय कोष का अध्यक्ष
- प्रशास्ता - कारागार का अध्यक्ष
- नायक - नगर रक्षा का अध्यक्ष
- सीताअध्यक्ष - राजकीय भूमि का संरक्षक
- पण्याअध्यक्ष - वाणि य विभाग का प्रमुख

27 वैदिक कालीन प्रशासन

- कुलपति - परिवार का मुखिया
- ग्रामणी – ग्राम का मुखिया
- स्पास - जासूस / संदेशवाहक
- व्रजपति - चारागाहों का अधिकारी
- भागुदह - राजस्व संग्राहक।
- जीवगृह – पुलिस अधिकारी
- अक्षवपा – लेखपाल
- अथापति - मख्य न्यायाधीश
- संगृहीत्री – कोषाध्यक्ष
- तक्षण – बढ़ई
- पलागला - संदेशवाहक
- गोविंकार्टना - वनों और खेलों के रक्षक

28 उत्तर प्रदेश में स्थित आठ महाजनपद क्षेत्र और उनकी राजधानी

1. मल्ल (देवरिया, बस्ती, गोरखपुर और सिद्धार्थनगर के जिले) राजधानी - कुशीनारा और पावा
2. काशी (वाराणसी)
3. कोशल (फैजाबाद, गोंडा, बहराइच के जिले) - राजधानी - अयोध्या और श्रावस्ती
4. वत्स (इलाहाबाद और मिर्जापुर के जिले) - राजधानी- कौशाम्बी
5. चेदि (बुंदेलखंड क्षेत्र) - राजधानी - शक्तिमती
6. पांचाल (रुहेलखंड, पश्चिमी यूपी) - राजधानी - अहिछत्र और कांपिल्य
7. शूरसेन (ब्रजमंडल) - राजधानी - मथुरा
8. कुरु - मेरठ और दक्षिण-पूर्वी हरियाणा, राजधानी - इंद्रप्रस्थ

29 गुप्त कालीन प्रशसनिक ईकाई आरोही क्रम में

देश या राष्ट्र भुक्ति ▶ विषय ▶ बीथि ▶ पेठ ▶ ग्राम

30 सैयद वंश के शासक

- खिज्र खान (1414-1421 ई.) 'रैयत- ए-आला'
- मुबारक शाह (1421-1434 ई.)
- मुहम्मद शाह (1434-1445 ई.)
- अलाउद्दीन आलम शाह (1445-1451 ई.)

31 मध्यकालीन इतिहास की अत्यधिक महत्वपूर्ण पुस्तक और उनके लेखक

- ताज-उल-मसिर - हसन निजामी
- तबकात-ए-नासिरी - मिनहाजुद्दिन सिराज
- फवाद-उल-फवाद - अमीर हसन देहलवी
- तारीख़-ए-फिरोजशाही - जियाउद्दीन बरनी
- फुतुहात-ए-फिरोजशाही - फिरोज शाह तुगलक
- फुतुह-उस- सलातिन - अब्दुल मलिक इसामी

32 अमीर खुसरो की रचनाएं

- किरान -उस-सादेन - इसमें बुगरा खां और उसके बेटे कैकुवाद के मिलन का वर्णन है
- मिफ्ताह-उल-फतह - जलालुद्दीन खिलजी के सैन्य अभियानों आदि का वर्णन
- खजाइन-उल-फुतूह - अलाउद्दीन खिलजी के शासन का वर्णन
- नूह-सिपेहर - मुबारक खिलजी का चाटुकारिता पूर्ण वर्णन
- आशिका - गुजरात के राजकरण की पुत्री देवल रानी और अलाउद्दीन के पुत्र खिजर खान की प्रेम कथा का वर्णन
- तुगलकनामा - गयासुद्दीन तुगलक की विजय का चित्रण तथा खुसरो शाह के साथ उनके संघर्ष का वर्णन

33 अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण /शासक

- देवगिरी पर पहली बार आक्रमण(1296) - रामचंद्र
- गुजरात (1299) - रायकर्ण
- रणथम्भौर (1301) - हम्मीर देव
- चित्तौड़ (1303) - रतन सेन
- मालवा (1305) - महलक देव
- देव गिरि (1306) - रामचंद्र
- वारंगल (1309) - रुद्रदेव
- द्वारसमुद्र (1311) - होयसल वश

34 औरंगजेब के शासनकाल के युद्ध

- बनारस के पास शुजा की हार (फरवरी 1658)
- धरमत की लड़ाई (अप्रैल 1658)
- सामुगढ़ की लड़ाई (मई 1658)
- खजवा का युद्ध(जनवरी 1659)
- देवराई की लड़ाई (अप्रैल 1659)

35 महत्वपूर्ण जनजाति विद्रोह क्रम

- सन्यासी विद्रोह-1763
- पाइक विद्रोह -1817
- भील विद्रोह -1818
- छोटा नागपुर का विद्रोह-1820
- रामोशी विद्रोह -1822
- अहोम विद्रोह-1828
- बहावी आंदोलन -1830
- कोल विद्रोह1831
- कुका विद्रोह-1840
- संथाल विद्रोह-1855
- मुंडा विद्रोह-1895
- ताना भगत आंदोलन -1914
- एका विद्रोह-1921
- मोपला विद्रोह-1921
- रम्पा विद्रोह-1922

36 कांग्रेस पूर्व स्थापित संस्थाएं

- ईस्ट इंडिया एसोसिएशन: 1866 : लन्दन
  संस्थापक : दादाभाई नौरोजी
- इंडियन सोसाइटी: 1872 : लन्दन
  संस्थापक : आनंद मोहन बो
- इंडियन एसोसिएशन: 1876 : कोलकाता
  संस्थापक: आनंद मोहन बोस और एस एन बनर्जी
- पूना सार्वजनिक सभा: 1870 : पूना
  संस्थापक : एस एच चिपलुणकर, जी वी जोशी और एम् जी राणाडे
- मद्रास महाजन सभा: 1884 : चेन्नई
  संस्थापक : जी एस अय्यर, एम् विरंघवाचारी और आनंद चारलु
- बॉम्बे प्रेसीडेंसी एसोसिएशन : 1885 : मुंबई (पूर्व नाम: बम्बाई)
  संस्थापक : फिरोजशाह मेहता, के टी तेलांग और बदरुद्दीन तैयबजी

37 1857 विद्रोह प्रारंभ तिथि

- बैरकपुर - 29 मार्च 1857 (मंगल पांडे)
- लखनऊ - 4 जून 1857 (बेगम हजरत महल)
- झांसी - जून 1857(रानी लक्ष्मी बाई)
- मेरठ - 10 मई 1857(कदम सिंह)
- कानपुर - 5 जून 1857 (नाना साहेब)

38 राजा राममोहन राय से संबंधित तथ्य

- 1809 - एकेश्वरवाद का उपहार पुस्तक लिखी
- 1815 - आत्मीय सभा की स्थापना
- 1817 - डेविड हेयर के साथ हिंदू कॉलेज की स्थापना
- 1820 - प्रिंसेप्स ऑफ़ जीसस पुस्तक लिखी
- 1825 - वेदांत कॉलेज की स्थापना
- 1828 - ब्रह्म सभा(ब्रह्म समाज)की स्थापना
- 1829 - लॉर्ड विलियम बेंटिक के साथ सती प्रथा उन्मूलन

39 किसान सभा आंदोलन

- अवध किसान सभा(1920) : प्रतापगढ़
  - स्थापना - बाबा रामचंद्र व जवाहरलाल नेहरू
- संयुक्त प्रांत (उ.प्र.)किसान सभा (1918)- लखनऊ
  - इन्द्र नारायण द्विवेदी, मदन मोहन मालवीय और गौरी शंकर मिश्र इसके संस्थापक थे
- अखिल भारतीय किसान सभा (1936): लखनऊ,
  - सहजानंद सरस्वती द्वारा गठित
  - एनजी रंगा, ईएमएस नंबूदरीपाद, पंडित नरेंद्र देव जैसे प्रमुख नेता शामिल थे।

40 महत्वपूर्ण हार्मोन और उनके कार्य

- एस्ट्रोजेन : यह प्रजनन, मासिक धर्म चक्र और रजोनिवृत्ति (menopause) के लिए ज़िम्मेदार है
- प्रोजेस्टेरोन : यह गर्भावस्था बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है
- प्रोलैक्टिन : बच्चे के जन्म के बाद, स्तनपान कराने के लिए यह हार्मोन महिला में पिट्यूटरी ग्रंथि द्वारा रिलीज़ होता है,
- टेस्टोस्टेरोन : पुरुषों में यह पुरुष प्रजनन ऊतकों टेस्टिस (testes) और प्रोस्ट्रेट (prostrate) के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है
- इंसुलिन : यह ब्लड शुगर के लेवल को कंट्रोल करता है.

41 कीटभक्षी पौधे

- कीटभक्षी पौधों में नाइट्रोजन की अनुपस्थित होती है अपनी नाइट्रोजन की कमी पूर्ण करने के लिए ये कीटों को अपनी सुगंध से आकर्षित कर उनका भक्षण करते है। जैसे:
  - पिचर प्लांट(नेपिन्थिस)
  - ड्रोसैरा (सनड्यूज़)
  - डायोनिया
  - सेरोसेनिया
  - यूट्रीकुलेरिया(ब्लैडरवर्ट)

42 पादप हार्मोन और उनके कार्य

- ऑक्सिन - कोशिकाओं की लम्बाई में वृद्धि, कोशिका विभाजन में सहयोग, पौधों की गतियों पर नियन्त्रण, पत्तियों को गिरने से रोकना, बीज रहित फलों के उत्पादन में सहायता करना।
- जिबरेलिन - बीजों के शीघ्र अंकुरण में सहायक, बौने पौधों की लम्बाई में वृद्धि, पौधों की पत्तियों को चौड़ी करने में सहायता करना।
- साइटोकाइनिन - प्रोटीन के संश्लेषण में सहायक, कोशिकाओं एवं तने की लम्बाई में वदि पार्श्व कलिकाओं में वृद्धि, जड़ों एवं पत्तियों की वृद्धि रोकने में सहायक एवं अंकुरण के समय उत्प्रेरक उत्पन्न करना
- एब्सिसिक अम्ल (ABC) वृद्धि रोधक - पत्तियों के एवं फूलों के खुलने एवं बन्द करने की क्रियाओं का नियन्त्रण, पतझड़ की क्रिया को प्रोत्साहित करना तथा पौधों की वृद्धि दर को कम करना।

43 महत्वपूर्ण विटामिन और उनकी कमी से होने वाले रोग

- विटामिन ए (रेटिनॉल)- रतौंधी व जीरफ्थेल्मिया, संक्रमण के प्रति प्रभाव्यता
- विटामिन बी1(थायमिन) -- वृद्धि का रुकना, भूख और वजन का घटना, बेरी-बेरी, थकान का होना, पेट की खराबी
- विटामिन बी2 (राइबोफ्लेविन) -जीभ पर छाले का पड़ जाना, असमय बुढ़ापा आना, प्रकाश न सह पाना,चीलोसिस
- विटामिन बी3 (निआसिन) - जीभ का चिकनापन, त्वचा पर फोड़े फुंसी होना, पाचन क्रिया में गड़बड़ी
- विटामिन बी5 (पैंटोथेनिक एसिड) - पेशियों में लकवा, पैरों में जलन आदि।
- विटामिन बी6 (पाईरिडॉक्सिन) - त्वचा रोग, मस्तिष्क का ठीक से काम ना करना, अनीमिया

44 प्रोटोजोआ से होने वाले रोग

रोग	-	प्रोटोजोआ
अमीबी पेचिश	-	एण्टअमीबा हिस्टोलिटिका
काला अज़ार	-	लीशमैनिया डोनोवानी
मलेरिया	-	प्लास्मोडियम परजीवी
निद्रा रोग	-	ट्रिपैनोसोमा ब्रुसी

45 गरीबी मापन की समितियां

- अलघ समिति (1979)
  पोषक तत्वों के आधार पर गरीबी मापन किया गया तथा न्यूट्रीशनल वैल्यू 2400 किलो कैलोरी ग्रामीण क्षेत्र के लिए 2100 किलो कैलोरी शहरी क्षेत्र में निर्धारित की
- लकड़ावाला समिति (1993)
  अपनी रिपोर्ट में राज्य-विशिष्ट गरीबी रेखाएँ बनाई जानी चाहिए तथा इन्हें शहरी क्षेत्रों में CPI-IW तथा ग्रामीण क्षेत्रों में CPI-AL का उपयोग करते हुए अद्यतन किया जाना चाहिए।
- तेंदुलकर समिति (2009)
  शहरी क्षेत्र में रह रहे परिवारों के संदर्भ में गरीबी रेखा को 1000 रुपए (प्रति व्यक्ति प्रति माह) और ग्रामीण परिवारों के लिये इसे 816 रुपए निर्धारित किया था।
- रंगराजन समिति (2014)
  अखिल भारतीय स्तर पर ग्रामीण क्षेत्र में 972 रुपए प्रतिमाह(32 ₹ प्रतिदिन) तथा शहरी क्षेत्र में 1407 रुपए प्रतिमाह(47₹ प्रतिदिन) निर्धारित किया था

46 उत्पादन से संबंधित महत्वपूर्ण क्रांतियां

- स्वर्ण क्रांति – फल / शहद उत्पादन
- हरित क्रांति – खाद्यान्न उत्पादन
- श्वेत क्रांति – दुग्ध उत्पादन
- नीली क्रांति – मत्स्य उत्पादन
- भूरी क्रांति – उर्वरक उत्पादन
- रजत क्रांति – अंडा उत्पादन
- काली क्रांति- पेट्रोलियम उत्पादन
- पीली क्रांति – तिलहन उत्पादन

47 बेरोजगारी के प्रकार

- चक्रीय बेरोजगारी
  यह बाजार में उत्पन्न मंदी के कारण मांग की कमी से उत्पन्न होती है और मांग बढ़ने पर समाप्त हो जाती है जैसे विकसित देशों में
- घर्षण जनित बेरोजगारी
  एक रोजगार छोड़कर दूसरे रोजगार प्राप्त के मध्य की अवधि
- संरचनात्मक बेरोजगारी
  कौशल की कमी योग्यता रोजगार के अनुरूप काम ना मिल पाने की स्थिति
- मौसमी बेरोजगारी
  कृषि क्षेत्र में मौसम के अनुसार काम तथा शेष समय में बेरोजगारी
- प्रच्छन्न बेरोजगारी
  किसी काम में आवश्यकता से अधिक लगे हुए लोग जिनको निकालने पर उत्पादन का स्तर समान रहे

48 अर्थशास्त्र के महत्वपूर्ण वक्र

- लोरेंज वक्र – धन और आय की विषमता का अध्ययन
- गिन्नी गुणांक - यह लॉरेंज वक्र द्वारा आय की विषमता की माप को दर्शाता हैं
- कुजनेट्स वक्र – जीडीपी बढ़ने पर शुरू में आर्थिक असमानता बढ़ती है और एक बिंदु के बाद असमानता घटने लगती है (उल्टा U)
- पर्यावरण कुज़नेट वक्र - जीडीपी बढ़ने पर शुरू में पर्यावरणीय क्षति बढ़ती है और एक बिंदु के बाद क्षति घटने लगती है।(उल्टा U)
- थॉमसन/ फिलिप्स वक्र - महंगाई बढ़ने पर बेरोजगारी घटती है अर्थात बेरोजगारी और मुद्रास्फीति की दरों के बीच व्युत्क्रम सम्बन्ध होता है।
- लाफ़र वक्र – शुरू में करों की दर बढ़ाने पर कर राजस्व में वृद्धि होती है और एक बिंदु के बाद करों में वृद्धि करने पर राजस्व में गिरावट आने लगती है। (उल्टा U)

49 पंचवर्षीय योजनाओं में प्राथमिकता के प्रमुख क्षेत्र

- पहली पंचवर्षीय योजना (1951-56)
  - (हैरोड-डोमर मॉडल पर आधारित) कृषि की प्राथमिकता।
- दूसरी पंचवर्षीय योजना (1956-61)
  - (महालनोबिस मॉडल)उद्योग क्षेत्र की प्राथमिकता।
  - भिलाई, दुर्गापुर और राउरकेला में हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट स्थापना
- तीसरी पचवर्षीय योजना (1961-66)
  - (गाडगिल मॉडल) कृषि और उद्योग
  - 1964 में पूर्व सोवियत संघ के सहयोग से बोकारो आयरन स्टील इंडस्ट्री की स्थापना
- चौथी पंचवर्षीय योजना (1969-74)
  - स्थिरता के साथ विकास ,आय में असमानताओं को समाप्त करना
- पांचवीं पंचवर्षीय योजना (1974-79)
  - गरीबी उन्मूलन और जनसंख्या नियंत्रण

50 नदी घाटी परियोजना और उनकी अवस्थिति

- बदायूं सिंचाई परियोजना - रामगंगा नदी
- गोकुल बैराज परियोजना - यमुना नदी
- रिहंद परियोजना - रिहंद नदी
- नागार्जुन सागर परियोजना - कृष्णा नदी
- पोचमपाद परियोजना - गोदावरी नदी
- माता टीला परियोजना - बेतवा नदी

51 उत्तर प्रदेश में नदियों के किनारे स्थित शहर

- गोमती - लखनऊ ,जौनपुर ,सुल्तानपुर
- यमुना - कौशांबी,मथुरा-वृंदावन,आगरा, इटावा, हमीरपुर
- राप्ती - गोरखपुर,बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती
- गंगा - बिठूर, वाराणसी ,प्रयागराज ,कन्नौज ,फर्रुखाबाद ,गाजीपुर, कानपुर, मिर्जापुर आदि

52 भारत और उत्तरप्रदेश जनगणना तथ्य

- भारत और उत्तर प्रदेश में साल 2011 की जनगणना के मुताबिक, शहरी और ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत :
  - भारत में शहरी आबादी का प्रतिशत - 31.16%
  - ग्रामीण आबादी का प्रतिशत - 68.84%
  - उत्तर प्रदेश में शहरी आबादी का प्रतिशत-22.27%
  - ग्रामीण आबादी का प्रतिशत - 77.73%

53 उत्तर प्रदेश के ताप विद्युत गृह

- अनपरा ताप विद्युत गृह - सोनभद्र
- दादरी ताप विद्युत गृह - गौतम बुद्ध नगर (गैस आधारित)
- मेजा ताप विद्युत गृह - प्रयागराज
- सिंगरौली ताप विद्युत परियोजना - सोनभद्र
- टांडा ताप विद्युत परियोजना - अंबेडकर नगर
- आंवला ताप विद्युत परियोजना - बरेली (गैस आधारित)
- हरदुआगंज ताप विद्युत परियोजना - अलीगढ़

54 उत्तर प्रदेश के वन्य जीव विहार

- चंद्रप्रभा वन्य जीव विहार - चंदौली (1957)
- किशनपुर वन्य जीव विहार - लखीमपुर खीरी (1972)
- कतरनिया घाट वन्य जीव विहार - बहराइच (1975)
- रानीपुर वन्य जीव विहार - बांदा (1977)
- महावीर स्वामी वन्य जीव विहार -ललितपुर (1977), सबसे छोटा

55 उत्तर प्रदेश नाम परिवर्तन

- उत्तर पश्चिम प्रांत - 1836
- अवध और आगरा का संयुक्त प्रांत - 1877
- संयुक्त प्रांत - 1937
- वर्तमान उत्तर प्रदेश - 1950

56 महत्वपूर्ण संविधान संशोधन

- 100वां संशोधन(2015) – भारत और बांग्लादेश के बीच भूमि सीमा समझौता
- 101वां संशोधन(2016) – जीएसटी
- 102वां संशोधन(2018) – राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।
- 103वां संशोधन(2019) – EWS को 10% आरक्षण।
- 104वां सशोधन(2020) - लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एससी और एसटी के लिए सीटों की समाप्ति की समय सीमा सत्तर साल से बढ़ाकर अस्सी साल कर दी गई। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एंग्लो-इंडियन समुदाय के लिए आरक्षित सीटें हटा दी गईं।
- 105वां संशोधन(2021) – सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों (एसईबीसी) की सूची तैयार करने की राज्य सरकारों की शक्ति बहाल की गई।
- 106वां संशोधन अधिनियम(2023) – महिला आरक्षण से सम्बन्धित है।

57 पंचायती राज से संबंधित महत्वपूर्ण अनुच्छेद

- अनुच्छेद – 243C पंचायतों की संरचना
- अनुच्छेद – 243D सीटों का आरक्षण
- अनुच्छेद – 243i पंचायत के लिए वित्त आयोग
- अनुच्छेद – 243K निर्वाचन आयोग
- अनुच्छेद – 243ZD जिला योजना समिति
- अनुच्छेद – 243ZE महानगरीय योजना समिति

तिब्बत के पठार से निकलने वाली नदियां

- ब्रह्मपुत्र(सांगपो)
- सालवीन
- मेकॉन्ग
- सतलुज
- सिंधु
- यांगत्सी

58 भारतीय संविधान में विभिन्न देशों के संविधान से उधार ली गए वस्तुएं

- कनाडा से उधार ली गई विशेषताएँ
  - एक मजबूत केंद्र के साथ संघ की योजना
  - केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का वितरण
  - अवशिष्ट शक्तियां केंद्र के पास रखना
- अमेरिका से उधार ली गई विशेषताएँ
  - लिखित संविधान
  - राष्ट्रपति सशस्त्र बलों का सर्वोच्च कमांडर होता है
  - उपराष्ट्रपति राज्य सभा के पदेन सभापति होंगे
  - मौलिक अधिकार
  - सुप्रीम कोर्ट
  - न्यायपालिका की स्वतंत्रता और न्यायिक समीक्षा
  - प्रस्तावना
- यूनाइटेड किंगडम से उधार ली गई विशेषताएँ
  - नाममात्र का मुखिया – राष्ट्रपति (रानी की तरह)
  - मंत्रियों की कैबिनेट प्रणाली
  - प्रधानमंत्री का पद
  - संसदीय प्रकार की सरकार
  - द्विसदनीय संसद

59 भाषा संबंधी महत्वपूर्ण संविधान संशोधन

- 21th संविधान संशोधन (1967) सिंधी भाषा को संविधान में शामिल किया गया
- 71th संविधान संशोधन(1992) नेपाली, मणिपुरी, कोंकणी भाषा
- 92th संविधान संशोधन (2003) संथाली, बोडो, डोंगरी, मैथिली भाषा

60 42वे संविधान संशोधन(1976) द्वारा DPSP में शामिल किए गए प्रमुख अनुच्छेद

- अनुच्छेद 39 (A) - गरीबों को निशु कानूनी सहायता प्रदान करना।
- अनुच्छेद 39 (e) - शोषण से बच्चों एवम वयस्कों की सुरक्षा।
- अनुच्छेद 43 (A) - उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी
- अनुच्छेद 48 (A) - पर्यावरण की रक्षा और उसमें सुधार करना।

61 भारत में प्रमुख सूफी सिलसिले तथा भारत में इनके संस्थापक

सूफी सिलसिला		संस्थापक
चिश्ती	–	ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती
सुहरावर्दी	–	बहाउद्दीन जकारिया
कादिरी	–	सैय्यद मखदूम मुहम्मद जिलानी
शत्तारी	–	शाह अब्दुल्ला शत्तारी
फिरदौसी	–	शेख बदरूद्दीन समरकंदी
नक्शबंदी	–	बाकी बिल्लाह

62 बाबर के काल की घटनाएं

- पानीपत का प्रथम युद्ध (21 अप्रैल,1526)
- खानवा का युद्ध (17 मार्च 1527)
- चंदेरी का युद्ध (29 जनवरी 1528 ई)
- घाघरा का युद्ध (06 मई 1529 ई.)
- बाबर की मृत्यु (26 दिसंबर1530 ई.)

63 दिल्ली सल्तनत के वंश

- गुलाम वंश-गुलाम/ममलूक वंश (1206-1290 ई.)
- खिलजी वंश (1290-1320 ई.)
- तुगलक वंश (1320-1412 ई.)
- सैय्यद वंश (1414-1451 ई.)
- लोदी वंश (1451-1526 ई.)

64 मोहम्मद बिन तुगलक द्वारा चलाई गयी प्रमुख परियोजनाएं

- राजधानी परिवर्तन (1326-27 ई.)
- सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन (1330 ई.)
- खुरासान अभियान (1332 ई.)
- कराचिल अभियान (1337 ई.)
- दोआब में कर वृद्धि (1325ई.)

65 शाहजहां के काल में आए विदेशी नागरिक

- पीटर मुण्डी (इतालवी यात्री)1630-1634 ई
- फ्रांसिस वर्नियर (फ्रांसीसी चिकित्सक)1656- 1717 ई
- निकोलाओ मनूची (इतालवी यात्री),1653-1708 ई यह दारा शिकोह की सेना में तोपची था, बाद में चिकित्सक बन गया
- जीन वैप्टिस्ट ट्रैवर्नियर (फ्रांसीसी यात्री)1638-1663 ई,इसने भारत की 6 बार यात्रा की पेशे से यह जौहरी था।

66 घास के मैदान-इन्हें दो भागों में बांटा जाता है

- उष्णकटिबंधीय घास मैदान
  - सवाना(अफ्रीका)
  - कंपोज (ब्राज़ील)
  - लानोस (वेनेजुएला व कोलंबिया)
- शीतोष्ण कटिबंधीय घास मैदान
  - प्रेयरी (यूएसए कनाडा)
  - पम्पास(अर्जेंटीना)
  - वेल्ड(दक्षिण अफ्रीका)
  - डाउंस (ऑस्ट्रेलिया)
  - स्टेपी (एशिया, यूक्रेन, रूस चीन के मंचूरिया प्रदेश)

67 विश्व के सबसे बड़ी तटीय सीमा वाले देश अवरोही क्रम में

कनाडा
नॉर्वे
इंडोनेशिया
रुस
फिलिपींस

नोट-7516 किलोमीटर तटीय रेखा लंबाई के साथ भारत विश्व में 16वें स्थान पर है

68 दक्षिण भारत की पहाड़ियां उत्तर से दक्षिण क्रम में

नल्लमलाई
नीलगिरी
अन्नामलाई
कार्डमम पहाड़ी

69 विश्व की प्रमुख स्थानीय पवने

- चिनूक - संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा
- फॉन - आल्पस पर्वत, स्विट्जरलैंड
- सिरोको - इटली
- सिमूम - अरब रेगिस्तान
- ब्रिक फील्डर - ऑस्ट्रेलिया (विक्टोरिया)
- नॉर्वेस्टर - न्यूजीलैंड
- शामल - इराक तथा फारस की खाड़ी
- साण्ता आना - कैलिफोर्निया
- कोयमबग - जावा इडोनशिया

70 विश्व की प्रमुख जनजातियां

- पिग्मीज - कांगो बेसिन
- बोरो - ब्राज़ील
- इंकाथा - दक्षिणी अफ्रीका
- हैदा - अमेरिका
- तारर्ता,युकाधिर - साइबेरिया
- बद्दू - अरब
- याकू - टुंड्रा प्रदेश
- जुलु - नेटाल प्रांत ,दक्षिण अफ्रीका
- मसाई - पूर्वी अफ्रीका(केन्या)

71 विश्व के प्रमुख जलडमरूमध्य व संबंधित सागर एवं भू-भाग जिनको अलग करता है

- बेरिंग सागर - आर्कटिक एवं बेरिंग सागर (अलास्का व रुस)
- जिब्राल्टर - भूमध्य सागर एवं अटलांटिक महासागर (स्पेन व मोरक्को)
- डोबर - उत्तरी सागर एवं अटलांटिक महासागर (ब्रिटेन एवं फ्रांस)
- मलक्का - जावा सागर एवं बंगाल की खाड़ी (मलाया एवं सुमात्रा)
- फ्लोरिडा - मेक्सिको की खाड़ी एवं अटलांटिक (फ्लोरिडा एवं वेस्टइंडीज)
- पाक - बंगाल की खाड़ी व अरब सागर (भारत एवं श्रीलंका)

72 भारत की प्रमुख एल्युमिनियम कंपनी

कंपनी	प्रमुख केंद्र	सहायक देश
बाल्को	कोरबा (छत्तीसगढ़)	सोवियत संघ
हिंडाल्को	रेणुकूट (उत्तर प्रदेश)	USA
नालको	दामनजोड़ी (ओडिशा)	फ्रांस
इंडाल्को	हीराकुंड(उड़ीसा)	कनाडा
माल्को	सलेम (तमिलनाडू)	इटली

73 हिमालय का प्रादेशिक विभाजन

- पंजाब हिमालय- सिंधु एवं सतलज नदियों के बीच
- कुमायूं हिमालय -सतलज एवं काली नदियों के बीच
- नेपाल हिमालय -काली एवं तीस्ता नदियों के बीच
- असम हिमालय -तीस्ता एवं दिहांग नदियों के बीच

74 भारत के प्रमुख दर्रे

- चांगला दर्रा – लद्दाख
- खारदुंग दर्रा – लद्दाख
- लिपुलेख दर्रा – उत्तराखण्ड
- माना दर्रा – उत्तराखण्ड
- नीति दर्रा – उत्तराखण्ड
- नाथूला दर्रा – सिक्किम
- जैलेप्ला दर्रा – सिक्किम
- तुजु दर्रा – मणिपुर
- बोम्डिला दर्रा – अरुणाचल प्रदेश
- यांग्याप दर्रा – अरुणाचल प्रदेश
- दिफू दर्रा – अरुणाचल प्रदेश
- चंकन दर्रा – अरुणाचल प्रदेश

75 पश्चिमी घाट के दर्रे उत्तर से दक्षिण क्रम में

- थाल घाट - नासिक और मुंबई के बीच
- भोर घाट - मुंबई और पुणे के बीच
- पालघाट - कोयंबटूर और कोचीन के बीच
- शेनकोटा - तिरुवनंतपुरम एवं मदुरई के बीच

76 महत्वपूर्ण शब्दावली

- एंडेमिक
  - जब कोई रोग किसी विशेष क्षेत्र जनसंख्या में स्थाई रूप से विद्यमान रहता है तो यह स्थिति एंडेमिक कहलाती है
- एपिडेमिक
  - किसी निश्चित जनसंख्या में बड़ी संख्या में लोगों में कम समय में तेजी से फैलता कोई संक्रामक रोग एपिडेमिक कहलाता है
- पेंडेमिक
  - एपिडेमिक स्थिति का ही विश्व के वृहत क्षेत्र में विस्तार पेंडेमिक कहलाता है (COVID-19)

77 महत्वपूर्ण दिवस

- विश्व तंबाकू निरोध दिवस - 31 मई
- विश्व शौचालय दिवस - 19 नवंबर
- विश्व वानिकी दिवस - 21 मार्च
- विश्व ओजोन दिवस - 16 सितंबर
- अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस - 22 अप्रैल
- विश्व आद्रभूमि दिवस - 2 फरवरी
- अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस - 29 जुलाई

78 महत्वपूर्ण संस्थान

- भारतीय वन प्रबंधन संस्थान - भोपाल
- भारतीय वन्य प्राणी संस्थान - देहरादून
- हिमालय पर्यावरण एवं विकास संस्थान - अल्मोड़ा
- परिस्थितिकी विज्ञान केंद्र - बेंगलुरु
- केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (cazri) - जोधपुर

UPPCS, RO/ARO प्रीलिम्स के करेंट अफेयर्स के लिए रामबाण बुकलेट

प्रहार मैगज़ीन

हिन्दी एवं इंग्लिश दोनों भाषाओं में उपलब्ध

{ UPPCS 2023 में 24 करेंट अफेयर्स में से 18 प्रश्न डायरेक्ट इस मैगजीन से थे }

हमारे टेलीग्राम चैनल UPPCS ONE पर

निःशुल्क उपलब्ध

79 प्रदूषक और उससे प्रभावित अंग

- एस्बेस्टस धूल - फेफड़ा
- सीसा - केंद्रीय नर्वस सिस्टम
- कार्बन मोनोऑक्साइड - रक्त धाराएं
- पारा - उदर
- फ्लोराइड - दांत

80 नवीकरणीय (गैर- पारंपरिक) ऊर्जा संसाधन

- सौर ऊर्जा
- पवन ऊर्जा
- जल विद्युत
- बायोगैस
- भूतापीय ऊर्जा
- कचरे से उत्पादित ऊर्जा
- ज्वारीय ऊर्जा

81 प्रमुख समस्थानिक और उनका प्रयोग

- यूरेनियम - 235 : चट्टान की आयु ज्ञात करने में
- सोडियम -24 : रक्त के थक्के का पता लगाने में
- कोबाल्ट - 60 : रक्त कैंसर को नियंत्रित करने में
- आसनिक - 74 : ट्यूमर का पता लगाने में
- फास्फोरस - 32 : ल्यूकेमिया के उपचार में
- आयोडीन -131 : थायराइड ग्रंथि के उपचार में

82 महत्वपूर्ण प्राकृतिक अम्ल

- सिरका - एसिटिक एसिड
- संतरा,नींबू - सिट्रिक एसिड
- इमली, अंगूर - टारटरिक एसिड
- टमाटर - ऑक्जेलिक एसिड
- चींटी, बिच्छू का डंक - मेथानॉइक एसिड

83 कांच तथा उनका प्रयोग

- फ्लिंट कांच - कैमरा दूरबीन के लेंस में
- पायरेक्स कांच - प्रयोगशाला के उपकरण
- सोडा कांच - ट्यूबलाइट
- क्रुक्स कांच - धूप चश्मा के लेंस

84 जीव विज्ञान की प्रमुख शाखाएं

- हॉर्टिकल्चर - उद्यान विज्ञान
- फ्लोरीकल्चर - फलो की खती
- पोमोलॉजी - फलो का अध्ययन
- एंथॉलजी - पुष्पों का अध्ययन
- सेरीकल्चर - रेशम कीट पालन
- एपीकल्चर - मधुमक्खी पालन
- एंटोंमोलॉजी - कीटों का अध्ययन
- आर्निथोलॉजी - पक्षियों का अध्ययन

85 विटामिन और उनकी कमी से होने वाले रोग

- विटामिन A (रेटिनोल) - रतौंधी
- विटामिन C (एस्कोरबिक एसिड) - स्कर्वी रोग
- विटामिन D (कैलशिफेराल) - रिकेट्स (बच्चों में) ऑस्टियोमालासिया (वयस्क में)
- विटामिन E (टोकॉफरोल) - जनन शक्ति का कम होना
- विटामिन K (फाइलोक्वीनोन) - रक्त का थक्का न बनाना

86 प्रमुख फसल व उपयुक्त जलवायु

- चावल -उष्ण और आर्द्र जलवायु
- गेहूं-उपोष्ण और शीतोष्ण जलवायु
- ज्वार-शुष्क जलवायु
- कपास- अर्द्धशुष्क जलवायु

पाकिस्तान के शहरों का उत्तर से दक्षिण क्रम →

- इस्लामाबाद
- लाहौर
- मुल्तान
- कराची

87 सवैधानिक विकास के अधिनियम

1773 का रेगुलेटिंग एक्ट
- भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के कार्यों को नियंत्रित करने का पहला कदम
- बंगाल के गवर्नर को बंगाल का गवर्नर जनरल पद नाम दिया (वारेन हेस्टिंग्स)
- कोलकाता में एक उच्चतम न्यायालय की स्थापना जिसमें मुख्य न्यायाधीश तीन अन्य न्यायाधीश

1784 का पिट्स इंडिया एक्ट(एक्ट ऑफ सेटलमेंट)
- राजनीतिक और वाणिज्य कार्यों को पृथक कर दिया गया
- नियंत्रण बोर्ड नाम से नए निकाय का गठन किया
- ब्रिटिश सरकार को भारत में कंपनी के कार्यों और प्रशासन पर पूर्ण नियंत्रण प्रदान किया गया

1793 का चार्ट एक्ट
- भारत में व्यापार के लिए एकाधिकार को अगले 20 साल की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया
- बोर्ड ऑफ कंट्रोल के सदस्यों के कर्मचारियों को भारतीय राजस्व में से भुगतान किया जाना शुरू हुआ

1813 का चार्टर एक्ट
- चाय व चीन के साथ व्यापार को छोड़कर कंपनी के व्यापारिक एकाधिकार को समाप्त कर दिया गया
- ईसाई मिशनरियों को भारत आकर लोगों को प्रबुद्ध करने की अनुमति दी
- स्थानीय सरकारों को व्यक्तियों पर कर लगाने के लिए अधिकृत किया है तथा भुगतान न करने पर दंड की व्यवस्था की

1833 का चार्टर अधिनियम
- बंगाल के गवर्नर जनरल को भारत का गवर्नर जनरल बना दिया (लॉर्ड विलियम बैंटिक भारत के प्रथम गवर्नर जनरल)
- सिविल सेवकों के चयन के लिए खुली प्रतियोगिता का आयोजन शुरू करने का प्रयास
- मद्रास और मुंबई के गवर्नर को विधायिका संबंधित शक्ति से वंचित कर दिया गया

1853 का चार्ट एक्ट
- पहली बार गवनर जनरल की परिषद म विधायी एवं प्रशासनिक कार्यों को अलग कर दिया गया
- 1854 में सिविल सेवा के संबंध में मैकाले समिति की नियुक्ति की गई

1858 का भारत सरकार अधिनियम
- गवर्नर जनरल का पद नाम बदलकर भारत का वायसराय कर दिया गया (लॉर्ड कैनिंग भारत के प्रथम वायसराय बने)
- नए पद - भारत के राज्य सचिव का सृजन किया गया
- 15 सदस्य परिषद का गठन किया जो एक सलाहकार परिषद

1861 का भारत परिषद अधिनियम
- कानून बनाने की प्रक्रिया में भारतीय प्रतिनिधियों को शामिल करने की शुरुआत हुई
- 1862 में लॉर्ड कैनिंग ने तीन भारतीय (बनारस के राजा, पटियाला के महाराजा, दिनकर राव को विधान परिषद में मनोनीत किया)
- वायसराय को आपातकाल में अध्यादेश जारी करने के लिए अधिकृत किया गया
- बंगाल उत्तर पश्चिमी सीमा प्राप्त पंजाब में क्रमशः 1862,1866 ,1897 में विधान परिषद का गठन हुआ

1892 का भारत परिषद अधिनियम
- विधान परिषद के कार्य में वृद्धि करने बजट पर बहस करने और कार्यपालिका के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए अधिकृत किया गया

1909 का भारत परिषद अधिनियम (मार्ले मिंटो सुधार)
- केंद्रीय प्रांतीय विधान परिषद के आकार में वृद्धि हुई विधान परिषद के कार्यों का दायरा बढ़ा, अनुपूरक प्रश्न पूछना ,बजट पर संकल्प रखना आदि
- मुसलमानों के लिए सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व का प्रावधान

भारत शासन अधिनियम 1919 (मोंटे यू चेम्सफोर्ड सुधार)
- केंद्रीय प्रांतीय विधान परिषदों को अपनी सूचियां के विषयों पर विधान बनाने का अधिकार प्रदान किया गया
- विषयों को पुनः दो भागों में बांटा गया हस्तांतरित और आरक्षित विषय
- शासन की दोहरी व्यवस्था और प्रत्यक्ष निर्वाचन की व्यवस्था प्रारंभ हुई
- 1926 में सिविल सेवकों की भर्ती के लिए केंद्रीय लोक सेवा आयोग का गठन किया गया
- केंद्रीय बजट को राज्यों के बजट से अलग कर दिया गया

भारत शासन अधिनियम 1935
- अवशिष्ट शक्तियां वायसराय को दे दी गई
- द्वैध शासन की व्यवस्था की समाप्ति
- केंद्र में द्वैध शासन प्रणाली का प्रारंभ
- 1858 द्वारा स्थापित भारत परिषद को समाप्त कर दिया गया
- संघीय लोग सेवा आयोग की स्थापना के साथ प्रांतीय सेवा आयोग और दो या दो से अधिक राज्यों के लिए संयुक्त सेवा आयोग की स्थापना भी की
- 1937 में संघीय न्यायालय की स्थापना की गई

88 सवैधानिक सभा के महत्वपूर्ण कार्य

- राष्ट्रमंडल में भारत की सदस्यता का सत्यापन - मई 1949
- राष्ट्रीय ध्वज को अपनाया - 22 जुलाई 1947
- राष्ट्रीय गान को अपनाया - 24 जनवरी 1950
- राष्ट्रीय गीत को अपनाया - 24 जनवरी 1950
- डॉ राजेंद्र प्रसाद को पहले राष्ट्रपति के रूप में चुना - 24 जनवरी 1950
- संविधान सभा की अंतिम बैठक - 24 जनवरी 1950

89 पुराणों से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य

- भारतीय इतिहास कथाओं का सबसे अच्छा क्रमबद्ध विवरण पुराणों में मिलता है
- रचयिता- लोमहर्ष ऋषि अथवा उनके पुत्र उग्रश्रवा
- पुराणों की संख्या - 18
- केवल पांच में -मत्स्य ,वायु, विष्णु ,ब्राह्मण ,भागवत पुराण में राजाओं की वंशावली पाई जाती है
- पुराणों में सबसे प्राचीन एवं प्रमाणिक -मत्स्य पुराण
- मौर्य वंश का उल्लेख- विष्णु पुराण
- गुप्त वंश का उल्लेख - वायु पुराण
- सातवाहन वंश का उल्लेख - मत्स्य पुराण
- राजतंत्र के साथ कृषि संबंधी विवरण -अग्नि पुराण

90 प्रमुख दर्शन और उनके प्रवर्तक

- योग - पतंजलि
- सांख्य - कपिल
- न्याय - गौतम
- वैशेषिक - कणाद
- उत्तर मीमांसा - बादरायण
- पूर्व मीमांसा - जेमिनी

91 वैदिक कालीन नदियों के प्राचीन नाम

- कुभा - काबुल
- वितस्ता - झेलम
- परूश्नी - रावी
- गोमती - गोमल
- सदानीरा - गंडक
- सतुद्रि - सतलज
- बिपाशा - व्यास
- अस्किनी - चेनाब

92 बुद्ध के जीवन से संबंधित बौद्ध धर्म के प्रतीक

- जन्म - कमल
- गृह त्याग - घोड़ा
- ज्ञान - पीपल (बोधि वृक्ष)
- निर्वाण - पद चिन्ह
- मृत्यु - स्तूप
- प्रथम उपदेश - चक्र

93 विभाग और उनसे संबंधित सुल्तान

- दीवान-ए-अर्ज - बलबन (सैन्य विभाग)
- दीवान-ए-मुस्तखराज़ - अलाउद्दीन खिलजी (वित्त विभाग)
- दीवान-ए-रियासत - अलाउद्दीन खिलजी (बाजार नियंत्रण विभाग)
- दीवान-ए-अमीरकोही - मुहम्मद बिन तुगलक (कृषि विभाग)
- दीवान-ए-बंदगान - फिरोजशाह तुगलक (गुलामों का विभाग)
- दीवान-ए-खैरात - फिरोजशाह तुगलक (दान विभाग)
- दीवान-ए-इस्तहाक - फिरोजशाह तुगलक (पेंशन विभाग)

94 मंत्री और उससे संबंधित विभाग

- खजीन - कोषाध्यक्ष
- आरिफ- ए- मुमालिक - सैन्य विभाग का प्रमुख
- बरीद-ए -मुमालिक - गुप्तचर विभाग का प्रमुख अधिकारी
- दीवान-ए- बंदगान - दास विभाग
- वकील-ए-दर - सुल्तान की व्यक्तिगत सेवाओं की देखभाल
- काजी-उल-कजात - न्याय का सर्वोच्च अधिकारी
- मुशरिफ- ए -ममालिक - विभागो स प्राप्त आय - व्यय का लेखा-जोखा

95 राजस्व (कर) व्यवस्था

- उश्र - मुसलमानो से लिए जाने वाला भूमि कर
- खराज - गैर मुसलमान से लिए जाने वाला भूमि कर
- जकात - मुसलमानों पर धार्मिक कर (संपत्ति का 40वां हिस्सा)
- जजिया - गैर मुसलमान पर धार्मिक कर

96 विजयनगर साम्राज्य की प्रशासनिक इकाई का क्रम (घटते हुए)

प्रांत(मंडल)
↓
कोट्टाम या बालनाडु(जिला)
↓
नाडु
↓
मेलग्राम(50 ग्राम का समूह)
↓
उरग्राम

97 बहमनी राज्य और उनके वंश

- बीजापुर - आदिलशाही
- अहमदनगर - निजाम शाही
- बरार - इमादशाही
- गोलकुंडा - कुतुब शाही
- बीदर - बरीदशाही

98 कुछ महत्वपूर्ण कांग्रेस अधिवेशन की विशेषताएं

- 1887 - मद्रास - बदरुद्दीन तैयब जी , प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष
- 1888 - इलाहाबाद - जॉर्ज यूल, प्रथम अं ज अध्यक्ष
- 1896 - कोलकाता - रहीम तुला सयानी , पहली बार वंदे मातरम गया गया
- 1906 - कोलकाता - दादाभाई नौरोजी, पहली बार स्वराज शब्द का प्रयोग
- 1911- कोलकाता पंडित विषन नारायण, पहली बार जन गण मन गाया गया
- 1917 - कोलकाता - एनी बेसेंट, प्रथम महिला अध्यक्ष
- 1923 - दिल्ली - अबुल कलाम आजाद , सबसे युवा अध्यक्ष
- 1925 - कानपुर - सरोजिनी नायडू, प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष
- 1929 - लाहौर - जवाहरलाल नेहरू, पूर्ण स्वराज की मांग
- 1931 - कराची - सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलिक अधिकार की मांग
- 1937 - फैजपुर - पंडित जवाहरलाल नेहरू , गांव में आयोजित प्रथम अधिवेशन

99 महत्वपूर्ण सामाजिक सुधार अधिनियम

- शिशु वध प्रतिबंध - वेलेजली
- सती प्रथा पर प्रतिबंध -विलियम बैंटिक (1829)
- दास प्रथा पर प्रतिबंध - एलन बरो (1843)
- हिंदू विधवा पुनर्विवाह - कैनिंग (1856)
- नेटिव मैरिज एक्ट - नॉर्थ ब्रूक(1872)
- एज ऑफ कंसेंट एक्ट - लांस डाउन (1891)
- शारदा एक्ट - इरविन (1929)

100 इतिहास के काल

- प्रागैतिहासिक काल - जिस काल का कोई लिखित साक्ष्य नहीं है
- आद्य ऐतिहासिक काल - लिपि के साक्ष्य मौजूद किंतु अभी अपठित हैं
- ऐतिहासिक काल - जिसके लिखित साक्ष्य मौजूद है

101 प्रमुख प्रथम समाचार पत्र/संस्थापक / स्थान और उनके विशेष तथ्य

- बंगाल गजट
  - जेम्स अस्तम हिक्की - (1780) कोलकाता
  - भारत का प्रथम समाचार पत्र
- मद्रास कोरियर -
  - (1784) - मद्रास से प्रकाशित प्रथम समाचार पत्र
- समाचार दर्पण
  - विलियम कैरी (1818) - कोलकाता
  - प्रथम बांग्ला साप्ताहिक समाचार पत्र
- मिरात -उल -अखबार
  - राजा राममोहन राय (1822) - कोलकाता
  - प्रथम फारसी पत्रिका
- बॉम्बे समाचार
  - (1830) मुंबई
  - गुजराती में प्रथम समाचार पत्र
- जाम ए जहांनुमा
  - (1822) कोलकाता
  - उर्दू में प्रथम समाचार पत्र
- उदंत मर्दंड
  - जुगल किशोर शुक्ला (1826) कोलकाता
  - हिंदी का प्रथम समाचार पत्र

102 प्रमुख ट्रेड यूनियन और उनसे संबंधित दल

- भारतीय मजदूर संघ :- भारतीय जनता पार्टी
- इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस :- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
- यूनाइटेड ट्रेड यूनियन कांग्रेस :- कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ इंडिया(मार्क्सवादी)
- ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस :- कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ इंडिया

103 प्रमुख समाज सुधारक और उनसे संबंधित कार्य/पद

- डी.के. कर्वे - सचिव, विडो री-मैरिज एसोसिएशन
- जे.ई. डी. बेथुन - कलकत्ता में कन्या विद्यालय की स्थापना
- ईश्वर चंद्र विद्यासागर - कलकत्ता में संस्कृत कॉलेज के प्राचार्य
- बी.एम. मालाबारी(पारसी समाज सुधारक) - बाल विवाह विरुद्ध संघर्ष प्रारंभ करना

104 पर्यावरण से संबंधित सम्मेलन / अभिसमय

- क्योटो प्रोटोकॉल - कार्बन क्रेडिट की अवधारणा विकसित हुई ग्लोबल वार्मिंग से संबंधित
- स्टॉकहोम सम्मेलन, 1972: - 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस घोषित किया गया
- कार्टाजोना प्रोटोकॉल : - जैव विविधता से संबंधित (2003 से प्रभावी)
- नागोया प्रोटोकॉल (2010): - जैव विविधता से संबंधित, आईची लक्ष्यों की घोषणा की गयी। (लक्ष्यों की संख्या - 20)
- रियो+20 (2012): - रियो डी जेनेरियो में आयोजित हरित अर्थव्यवस्था एवं सतत विकास से संबंधित

105 प्रमुख पर्यावरण अधिनियम

- वन संरक्षण अधिनियम, 1980
- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972
- जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974
- वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981
- ओज़ोन-क्षयकारी पदार्थ (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000
- जैविक विविधता अधिनियम, 2002

106 प्रमुख प्रजाति के प्रकार

- कीस्टोन प्रजाति - ऐसी प्रजाति जो संख्या में कम होती है लेकिन उनका महत्व अधिक होता है (जैसे- बाघ)
- संकेतक प्रजाति - जो परिवर्तन के बारे में सूचना देती है (जैसे - लाईकेन, SO2 का प्रदूषण बढ़ जाए तो खत्म हो जाता है)
- स्थानीय प्रजाति - लोकल प्रजाति जहां की निवासी है (जैसे पश्चिमी घाट का पूछ वाला बंदर)
- एलियन प्रजाति - बाहर से लाई गई प्रजाति (जैसे चाय चीन से और आलू पुर्तगाल)
- अंब्रेला प्रजाति - जो पूरे पारितंत्र के संरक्षण के लिए जानी जाती है (जैसे एक सींग वाला गैंडा, पांडा, टाइगर)
- फ्लैगशिप प्रजाति - जो किसी पारितंत्र की पहचान बनती है (जैसे मणिपुर में केवल लामजाओ, सुंदरबन में बंगाल टाइगर)

107 भारत के चार प्रमुख हॉटस्पॉट

- हिमालय /पूर्वी हिमालय
- इंडो बर्मा
- सुंडालैंड
- पश्चिमी घाट

108 विकास के आधार पर प्रदूषक के प्रकार

- प्राथमिक प्रदूषक :-
  - वे पदार्थ जो सीधे स्रोत से निर्मित होते हैं उनका विकास रासायनिक प्रक्रिया से नहीं होता
  - जैसे -CO,CO2,NO2,NO
- द्वितीयक प्रदूषक :-
  - ऐसे प्रदूषक जो प्राथमिक प्रदूषक में हुई अभिक्रिया से निर्मित होते हैं
  - जैसे- PAN(पेरोक्सी एसिटिल नाइट्रेट), SO3,O3,HNO3,H2SO4,SO4,H2O2

109 उत्तर प्रदेश में कला और शिल्प संस्थान

- कला एवं शिल्प महाविद्यालय ,1911 (लखनऊ)
- भारतीय ललित कला परिषद ,1920(वाराणसी)
- लखनऊ नगर निगम आर्ट गैलरी ,1949
- भारत कला भवन, 1920 (वाराणसी)
- राज्य ललित कला अकादमी, 1962 (लखनऊ)

110 उत्तर प्रदेश के राज्य चिन्ह

- राज्य प्रतीक- गंगा यमुना संगम ,मछली की एक जोड़ी, धनुष - तीर
- राज्य वृक्ष- अशोक
- राज्य पशु- बारहसिंगा
- राज्य पक्षी -सारस क्रेन
- राज्य खेल- हॉकी
- राज्य पुष्प- पलाश/टेसु(जंगल की आग)

111 उत्तरप्रदेश के महत्वपूर्ण तथ्य

- ललितपुर जिला - तीन और से मध्य प्रदेश से घिरा
- सोनभद्र जिला - चार राज्य (मध्य प्रदेश ,बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़) से सीमा बनाता है
- सहारनपुर जिला - हरियाणा ,उत्तराखंड ,हिमाचल प्रदेश से सीमा बनाता है
- क्षेत्रफल में सबसे बड़ा - लखीमपुर(7680 वर्ग किमी)
- क्षेत्रफल में सबसे छोटा - हापुड़ (660 वर्ग किमी)

112 उत्तर प्रदेश के जिले

- सबसे पूर्वी जिला - बलिया
- सबसे पश्चिमी जिला - शामली
- सबसे उत्तरी जिला - सहारनपुर
- सबसे दक्षिणी जिला - सोनभद्र

113 उत्तर प्रदेश के शीर्ष पांच सबसे अधिक आबादी वाले जिले

1. प्रयागराज
2. मुरादाबाद
3. गाजियाबाद
4. आजमगढ़
5. लखनऊ

114 संविधान सभा की समितियां

- संघ व राज्यों के लिए समिति - जवाहरलाल नेहरू
- प्रातीय संविधान समिति - सरदार पटल
- प्रारूप समिति - डॉक्टर बी आर अबडकर
- मौलिक अधिकार समिति - सरदार पटेल
- मौलिक अधिकार उप समिति - जे.बी. कृपलानी
- अल्पसंख्यक उप समिति - एच. सी. मुखर्जी
- संचालन समिति - डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद

115 प्रारूप समिति एवं इसके सदस्य

- गठन- 29 अगस्त 1947
- इसमें 7 सदस्य थे
  - डॉ बी आर अंबेडकर (अध्यक्ष)
  - गोपाल स्वामी आयंगर
  - अल्लादी कृष्ण स्वामी अय्यर
  - डॉक्टर के एम मुंशी
  - सैयद मोहम्मद सादुल्लाह
  - एन. माधवराव
  - टी टी कृष्णमचारी

116 प्रस्तावना मे क्रमवार उल्लेखित मुख्य शब्द

संप्रभुता > समाजवादी > धर्मनिरपेक्ष > लोकतांत्रिक > गणराज्य

- प्रस्तावना में 42 वें संविधान संशोधन अधिनियम 1976 द्वारा 3 शब्दों को जोड़ा गया -
- समाजवादी
- पंथनिरपेक्षता
- अखंडता

117 प्रत्यक्ष लोकतंत्र के चार मुख्य प्रकार

- परिपृच्छा(Referendom)
- पहल(Initiative)
- प्रत्यावर्तन (Recall)
- जनमत संग्रह (Plebiscite

118 भारत की प्रमुख झीलें

- वुलर झील- जम्मू कश्मीर (गोखुर झील का उदाहरण)
- लोकटक झील- मणिपुर (इस पर तैरता हुआ केबुल लामजाओ राष्ट्रीय पार्क)
- चिल्का झील -ओडिशा (खारे पानी की सबसे बड़ी लैगून झील
- कोलेरू झील -आंध्र प्रदेश में कृष्णा - गोदावरी डेल्टा के मध्य स्थित
- पुलिकट झील - आंध्र प्रदेश तमिलनाडु की सीमा पर स्थित
- वैंबनाड झील - केरल
- लोनार झील - महाराष्ट्र के बुलढाणा में (ज्वालामुखी द्वारा निर्मित झील)
- रेणुका झील - हिमाचल प्रदेश
- रूपकुंड झील - उत्तराखंड में ताजे पानी की प्राकृतिक झील

119 विश्व की प्रमुख पर्वत श्रृंखलाएं और उनकी स्थिति

- रॉकीज पर्वत श्रेणी - उत्तरी अमेरिका
- ऑपलेशियंस पर्वत - उत्तरी अमेरिका
- आल्पस पर्वत - यूरोप
- अल्ताई पर्वत - मध्य एशिया
- एटलस पर्वत - उत्तर पश्चिमी अफ्रीका
- काकेशस पर्वत - यूरोप
- ड्रैकन्सबर्ग पर्वत - दक्षिण अफ्रीका

120 वायुमंडल की परतें और उनकी विशेषताएं

- क्षोभमंडल - जलवायु एवं मौसम संबंधी घटनाएं
- समताप मंडल - ओजोन परत पाई जाती है ,विमान की उड़ान के लिए आदर्श स्थिति
- मध्य मंडल - ग्रीनहाउस गैसों की अनुपस्थिति उल्का पिंड /टूटते तारे इसी परत में होते हैं
- आयन मंडल - पृथ्वी से प्रसारित रेडियो तरंग परावर्तित होती है
- बहिर्मंडल - वायुमंडल की सबसे बाहरी परत, गुरुत्वाकर्षण बल की कमी के कारण बहुत कम गैस उपस्थित होते हैं

121 भारत की शीर्ष पांच ऊंची चोटियां

- K2 गॉडविन ऑस्टिन - 8611 मी
- कंचनजंगा - 8586 मी
- नंदा देवी - 7816 मी
- कामेट पर्वत - 7756 मी
- सालतारो कांगड़ी - 7742 मी

122 सिंधु नदी की सहायक नदियां

- बायी तट की सहायक नदियां
  - झेलम
  - चेनाब
  - व्यास
  - रावी
  - सतलज
  - जास्कर
- दाहिने तट की सहायक नदियां
  - श्योक
  - गिलगित
  - गोमल
  - काबुल

123 रिट - प्रकार एवं क्षेत्र

- बन्दी प्रत्यक्षीकरण(Habeas Corpus) - शरीर को प्रस्तुत किया जाए"
  - कोर्ट द्वारा निजी व सार्वजनिक दोनों के विरुद्ध जारी की जा सकती है।
  - व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिए महत्त्वपूर्ण
- परमादेश(Mandamus) - हम आदेश देते हैं
  - लोक अधिकारी,निकाय, निगम, निचली अदालत, न्यायाधिकरण व सरकार के विरुद्ध जारी।
  - निजी व्यक्ति के विरुद्ध जारी नहीं।
- अधिकार-पृच्छा(Quo-Warranto) - किस अधिकार से
  - व्यक्ति द्वारा किसी सार्वजनिक पद पर अवैध कब्जा करने के संदर्भ में जारी की जाती है।
  - निजी या मंत्री कार्यालय के विरुद्ध जारी नहीं की जा सकती
- प्रतिषेध(Prohibition) - निषेध/मना करना
  - न्यायिक(निचली अदालत) और अर्ध-न्यायिक प्राधिकारियों के विरुद्ध।
  - प्रशासनिक प्राधिकारियों, विधायी निकायों व निजी व्यक्तियों के विरुद्ध जारी नहीं
- उत्प्रेषण(Certiorari) - सूचित किया जाना
  - न्यायिक,अर्ध-न्यायिक व प्रशासनिक प्राधिकारियों के विरुद्ध
  - विधायी निकायों व निजी व्यक्तियों के विरुद्ध नहीं
  - लंबित मामले को अपने पास स्थानांतरित करने हेतु या निचली अदालतों द्वारा दिए गए आदेश को रद्द करने हेतु
  - इसे "पोस्टमॉर्टम" के रूप में भी जाना जाता है

124 वेदों से सम्बन्धित पुरोहित

पुरोहित	वेद
होता (होतृ)	ऋग्वेद
अध्वर्यु	यजुर्वेद
उद्गाता	सामवेद
ब्रह्मा	अथर्ववेद

125 प्रमुख नीति निर्देशक तत्व

- अनुच्छेद 39A – न्याय में समानता , गरीबों को निःशुल्क कानूनी सहायता
- अनुच्छेद 41 - कार्य एवं शिक्षा के अधिकार तथा बेरोजगारी, बुढ़ापे, बीमारी और विकलांगता के मामलों में सार्वजनिक सहायता का अधिकार
- अनुच्छेद 42 – न्यायपूर्ण एवं मानवीय कार्य परिस्थितियों तथा मातृत्व राहत का प्रावधान अनुच्छेद 43 – सभी श्रमिकों के लिए जीवन निवाह क लिए वतन
- अनुच्छेद 43A – उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी
- अनुच्छेद 43B – सहकारी समितियों के स्वैच्छिक गठन, प्रबंधन को बढ़ावा देना
- अनुच्छेद 48 – कृषि एवं पशुपालन को आधुनिक एवं वैज्ञानिक आधार पर व्यवस्थित करना।
- अनुच्छेद 48A – पर्यावरण की रक्षा तथा वनों एवं वन्यजीवों की सुरक्षा
- अनुच्छेद 49 – राष्ट्रीय महत्त्व के ऐतिहासिक रुचि के स्मारकों, स्थानों और वस्तुओं की रक्षा करना

126 भारतीय संविधान में आपात उपबंध

- भारत शासन अधिनियम-1935 से लिये गए हैं।
- भाग XVIII में अनुच्छेद 352 -360 तक
- आपात उपबंधों को तीन भागों में बाँटा गया है-
  - अनुच्छेद 352 - (राष्ट्रीय आपातकाल) अनुच्छेद 356 - राज्यों में संवैधानिक तंत्र की विफलता/राष्ट्रपति शासन
  - अनुच्छेद 360 - वित्तीय आपातकाल
- 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 द्वारा 'आंतरिक अशांति' को हटाकर उसके स्थान पर 'सशस्त्र विद्रोह' शब्द किया गया।

127 भारतीय संविधान के प्रमुख अनुच्छेद

- अनुच्छेद 76 :- भारत के महान्यायवादी
- अनुच्छेद 78 :- राष्ट्रपति को सूचना देने आदि के संबंध में प्रधानमंत्री के कर्तव्य।
- अनुच्छेद110 :- धन विधेयक की परिभाषा
- अनुच्छेद 112 :- वार्षिक वित्तीय विवरण (बजट)
- अनुच्छेद 123 :- संसद के अवकाश के दौरान अध्यादेश प्रख्यापित करने की राष्ट्रपति की शक्ति
- अनुच्छेद 143 : उच्चतम न्यायालय से परामर्श करने की राष्ट्रपति की शक्ति
- अनुच्छेद 148 :- भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
- अनुच्छेद149 :- भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कर्तव्य एवं शक्तियों का निर्धारण

128 दैनिक प्रयोग में आने वाले दवाइयों के प्रकार

- एंटासिड- पेट में अतिरिक्त एसिड को कम करते हैं (जैसे -मैग्नीशियम हाइड्रॉक्साइड , ENO आदि)
- ट्रेंकुलाइजर -तनाव और मानसिक बीमारी के इलाज में
- एनाल्जेसिक- दर्द से राहत देने के लिए (एस्प्रिन आदि)
- नारकोटिक एनाल्जेसिक- दर्द निवारक जो लत का कारण बन सकते हैं (जैसे मॉर्फिन और इसके डेरिवेटिव)
- एंटीसेप्टिक- बैक्टीरिया को मारते हैं(जैसे सोफ्रेमायसन ,डिटॉल, टिंचर आयोडीन आदि)
- एंटीबायोटिक -सूक्ष्म जीवों द्वारा उत्पादित रासायनिक पदार्थ को मारते हैं और उनके विकास को रोकते हैं (जैसे पेनिसिलिन ,सल्फा ड्रग्स ,स्ट्रेप्टोमाइसिन)

129 रासायनिक यौगिक और उनके सामान्य नाम

- कॉपर सल्फेट - ब्लू विट्रियोल
- मैग्नीशियम सल्फेट - एप्सम साल्ट
- सोडियम कार्बोनेट - धावन सोडा
- कैल्शियम सल्फेट हेमीहाइड्रेट - प्लास्टर ऑफ पेरिस
- कैल्शियम सल्फेट डिहाइड्रेट - जिप्सम

130 गैस और उनकी विशेषताएं

- कार्बन मोनोऑक्साइड (CO) - रक्त म कार्बॉक्सीहीमोग्लोबिन बनाने से ऑक्सीजन ले जाने की क्षमता बाधित होती है, तत्पश्चात मृत्यु
- नाइट्रस ऑक्साइड(N2O) - हंसाने वाली गैस
- कार्बन डाइऑक्साइड(CO2) - हरित गृह प्रभाव के लिए जिम्मेदार (वायुमंडल में 0.03%)
- मीथेन (CH4) - बायोगैस और CNG का मुख्य घटक
- रेडॉन - उत्कृष्ट गैस जो वायुमंडल में नहीं पाई जाती
- क्लोरीन - गैस तालाब के पानी को शुद्ध करने के लिए
- ब्यूटेन - LPG का मुख्य घटक

131 कार्बन और उसके यौगिक/ विशेषताएं

- कार्बन के मुख्य अपरूप-
  - हीरा
  - ग्रेफाइट
  - बकमिन्स्टरफुलेरीन (C60)
- शुद्ध कार्बन की पतली परत - ग्राफीन
- सूखी बर्फ - ठोस CO2
- कार्बन का प्राकृतिक सबसे कठोर अपरूप - हीरा
- थर्मोडायनेमिकली कार्बन का सबसे स्थिर रूप - ग्रेफाइट

132 धातु और अधातु

- रक्त में पाई जाने वाली धातु - लोहा
- सबसे हल्की धातु - लिथियम
- विद्युत बल्ब में प्रयुक्त फिलामेंट बना होता है - टंगस्टन
- ऊष्मा की सबसे अच्छी सुचालक - चांदी
- चाकू से आसानी से काटा जा सकता है - सोडियम
- सबसे भारी धातु - ओसमियम
- सबसे कठोर धातु - प्लैटिनम
- कमरे के तापमान पर तरल अधातु - ब्रोमीन

133 उत्तर प्रदेश में प्रथम

- यूपी की प्रथम रा यपाल - सरोजिनी नायडू
- यूपी के पहले मुख्यमंत्री - गोविंद बल्लभ पंत
- यूपी की पहली महिला मुख्यमंत्री - सुचेता कृपलानी
- इलाहाबाद उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश - वॉल्टर मॉर्गन
- यूपी विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष - पुरुषोत्तम दास टंडन
- यूपी के प्रथम सूचना आयुक्त - मोहम्मद असगर
- यूपी के पहले लोकायुक्त - जस्टिस विसंभर दयाल
- यूपी में प्रथम रा य आपातकाल - फरवरी 1968 से फरवरी 1969 तक
- यूपी की सबसे अधिक बार मुख्यमंत्री - मायावती (चार बार)
- उत्तर प्रदेश की पहली रामसर साइट - ऊपरी गंगा नदी(2005)
- उत्तर प्रदेश का पहला नेशनल पार्क - दुधवा नेशनल पार्क
- उत्तर प्रदेश में पहला वन्य जीव अभ्यारण - चंद्रप्रभा वन्य जीव अभ्यारण
- उत्तर प्रदेश का पहला टाइगर रिजर्व - दुधवा टाइगर रिजर्व
- उत्तर प्रदेश का पहला चिड़ियाघर - नवाब वाजिद अली शाह ,लखनऊ
- उत्तर प्रदेश का पहला यूनेस्को स्थल - आगरा का किला और ताजमहल (1983)

134 उत्तर प्रदेश में महत्वपूर्ण संस्थान

- भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान - वाराणसी
- भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान - (चौकाघाट)वाराणसी
- भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान - कानपुर
- राष्ट्रीय चीनी संस्थान - कानपुर
- भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान - इज्जत नगर बरेली
- भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान - झांसी
- भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान - लखनऊ
- भारतीय अनाज भंडारण प्रबंधन एवं अनुसंधान संस्थान - हापुड़

135 उत्तर प्रदेश के पक्षी अभ्यारण

- बखिरा पक्षी विहार - 1980, संत कबीर नगर
- जयप्रकाश नारायण पक्षी अभ्यारण - 1991, बलिया
- लाख बहोसी पक्षी अभ्यारण (सबसे बड़ा) -1989 कन्नौज
- नवाबगंज पक्षी अभ्यारण (सबसे पुराना) - 1984 ,उन्नाव
- पटना पक्षी अभ्यारण (सबसे छोटा) - 1991 ,एटा
- विजय सागर पक्षी अभ्यारण - 1990, महोबा
- समसपुर पक्षी अभ्यारण - 1987 ,रायबरेली
- सांडी पक्षी अभ्यारण - 1990, हरदोई
- पार्वती अर्गा पक्षी अभ्यारण - 1997, गोंडा

136 उत्तर प्रदेश में कृषि क्षेत्र

- उत्तर प्रदेश का देश की जीडीपी में योगदान लगभग 8% है
- प्रदेश की GDP में कृषि का योगदान 26% है।
- प्रदेश में कृषि व संबंधित क्षेत्र की वृद्धि दर 10%
- कृषि निर्यात में उत्तर प्रदेश तीसरे स्थान पर
- दुग्ध उत्पादन और गन्ने की खेती में प्रथम स्थान पर

137 भारत के प्रमुख जलप्रपात

- हाथी जलप्रपात :- मेघालय
- चूलिया जलप्रपात :- कोटा राजस्थान (चंबल नदी)
- धुआंधार जलप्रपात :- जबलपुर (नर्मदा नदी)
- कपिलधारा जलप्रपात :- अमरकंटक (नर्मदा नदी)
- दूधसागर जलप्रपात :- गोवा में (मांडवी नदी)
- गोकक जलप्रपात :- कर्नाटक
- डूडुमा जलप्रपात :- ओडिशा और आंध्र प्रदेश की सीमा पर मच्छकुंड नदी पर

138 अंडमान निकोबार के राष्ट्रीय उद्यानों के नाम

- कैंपबेल वे राष्ट्रीय उद्यान
- गेलाथिया वे राष्ट्रीय उद्यान
- महात्मा गांधी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान
- मध्य बटन दीप राष्ट्रीय उद्यान
- माउंट हैरियर राष्ट्रीय उद्यान
- रानी झांसी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान
- सैडल पीक राष्ट्रीय उद्यान

139 भारत के प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान

- दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान :- जम्मू कश्मीर
- पिन वैली राष्ट्रीय उद्यान :- हिमाचल प्रदेश
- बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान :- कर्नाटक
- बेतला राष्ट्रीय उद्यान :- झारखंड
- पंबादुम शोला राष्ट्रीय उद्यान :- केरल
- इराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान :- केरल

140 भूमध्य रेखा पर स्थित(13 देश , 3 महाद्वीप , 3 जल निकाय)

- दक्षिण अमेरिका:- इक्वाडोर ,कोलंबिया ,ब्राज़ील
- अफ्रीका :-साउ टोम प्रिंसिप ,गैबन ,कांगो ,कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, युगांडा ,केन्या ,सोमालिया
- एशिया :- मालदीव्स ,इंडोनेशिया, कीरीवाती

141 कर्क रेखा पर स्थित (16 देश 3 महाद्वीप, 6 जल निकाय)

- उत्तरी अमेरिका :- बहामास (दीपसमूह),मेक्सिको
- अफ्रीका :- मिस्र, लीबिया, चाड, नाइजर, अल्जीरिया, माली, पश्चिमी सहारा, मॉरितानिया
- एशिया :- ताइवान, चीन, म्यांमार, बांग्लादेश, भारत, ओमान ,संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब

142 केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाएं

- प्रधानमत्री जन धन योजना -- 28 अगस्त 2014
- स्वच्छ भारत मिशन -- 2 अक्टूबर 2014
- सांसद आदर्श ग्राम योजना -- 11 अक्टूबर 2014
- मिशन इंद्रधनुष (टीकाकरण) -- 25 दिसंबर 2014
- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना -- 9 मई 2015
- डिजिटल इंडिया --1 जुलाई 2015
- स्टार्टअप इंडिया --16 जनवरी 2016

143 प्रमुख बैंकिंग शब्दावली

- देयता(liabilty) – वह जो भविष्य में बैंक द्वारा वापस करना है।
  - जैसे – जमा(Deposits)
  - विभिन्न प्रकार की बचत/लघु बचत योजनाए
  - बैंक द्वारा लिया गया
- बैंक दर – RBI जिस दर पर वाणिज्यिक बैंकों को दीर्घकालिक ऋण उपलब्ध कराता है।
- रेपो रेट – RBI जिस दर पर वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालिक ऋण उपलब्ध कराता है।
- रिवर्स रेपो दर - वह दर है जिस पर RBI वाणिज्यिक बैंकों से धन उधार लेता है।
- नकद आरक्षित अनुपात(CRR) – बैंकों द्वारा अपनी कुल जमा का कुछ हिस्सा RBI के पास रखना।
- वैधानिक तरलता अनुपात(SLR) – बैंकों द्वारा अपनी कुल जमा का कुछ हिस्सा अपने पास रखना।

144 प्रमुख वित्तीय संस्थाएं और उनकी स्थापना

- भारतीय रिजर्व बैंक --1 अप्रैल 1935
- भारतीय औद्योगिक ऋण व निवेश निगम(ICICI) -- जनवरी 1955
- भारतीय स्टेट बैंक -- 1 जुलाई 1955
- भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक(सिडबी) -- अप्रैल 1990
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक -- 2 अक्टूबर 1975
- भारतीय जीवन बीमा निगम -- सितंबर 1956
- राष्ट्रीय कृषि तथा ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) -- 12 जुलाई 1982

145 कृषि उत्पादन बोर्ड

- कॉफी बोर्ड -- बेंगलुरु, कर्नाटक
- रबर बोर्ड -- को ायम, केरल
- चाय बोर्ड -- कोलकाता
- तंबाकू बोर्ड -- गुंटुर ,आंध्र प्रदेश
- अंगूर प्रसंस्करण बोर्ड - पुणे
- राष्ट्रीय जूट बोर्ड -- कोलकाता

146 वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक

- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) और ऑक्सफ़ोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल (OPHI) ने साल 2010 में शुरू किया था
- यह सूचकांक तीन आयामों (स्वास्थ्य, शिक्षा, और जीवन स्तर) के 10 संकेतकों में अभाव को मापता है
- स्वास्थ्य में : पोषण, बाल मृत्यु दर
- शिक्षा में : स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्कूल में उपस्थिति
- जीवन स्तर में - खाना पकाने का ईंधन, स्वच्छता, पीने का पानी, बिजली, आवास, संपत्ति

147 प्रस्तावना से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य

- प्रस्तावना को 'भारतीय संविधान की आत्मा' ठाकुरदास भार्गव और एम हिदायतुल्लाह ने कहा था
- नानपालकिवाला ने 'प्रस्तावना को परिचय पत्र' कहा था।
- K.एम मुंशी ने प्रस्तावना को 'संविधान की जन्म कुंडली कहा
- 13 दिसंबर 1946 को उद्देश्य प्रस्ताव पेश किया गया जो 22 जनवरी 1947 को पास हुआ ,यही उद्देश्य प्रस्ताव प्रस्तावना बनता है

- भारतीय संविधान की प्रस्तावना चार देशों से प्रभावित है
  - अमेरिका - हम भारत के लोग
  - ऑस्ट्रेलिया - प्रस्तावना की भाषा
  - फ्रांस - स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व
  - रूस - सामाजिक,आर्थिक, राजनीतिक न्याय

148 पंचायती राज से संबंधित महत्वपूर्ण समितियां

- बलवंत राय मेहता समिति – 1957
- सादिक अली समिति – 1964
- अशोक मेहता समिति – 1977
- हनुमंत राव समिति - 1983
- जी.वी.के. राव समिति - 1985
- एल.एम. सिंघवी समिति - 1986
- पी.के. थुंगन समिति - 1988

149 महत्वपूर्ण विधेयक:

- सरकारी विधेयक
  - मंत्रिमंडल के किसी सदस्य द्वारा लाया जाता है
  - किसी भी सदन में
  - पारित होने की संभावना अधिक
- गैर सरकारी विधेयक
  - मंत्रिमंडल के अतिरिक्त संसद के किसी भी सदस्य द्वारा।
  - किसी भी सदन में।
  - पारित होने की संभावना नगण्य।
  - अब तक केवल 14 गैर सरकारी विधेयक ही कानून बने हैं।

150 साधारण विधेयक

- संसद के किसी सदस्य द्वारा
- किसी भी सदन में
- राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं
- एक सदन से पारित होने के बाद दूसरा सदन 6 माह तक अपने पास रख सकता है
- 6 माह की अवधि में पारित न करने पर संयुक्त बैठक का प्रावधान
- राष्ट्रपति इसे सहमति, असहमति या पुनर्विचार हेतु वापस भेज सकता है

151 संविधान संशोधन विधेयक

- किसी भी सदस्य द्वारा
- किसी भी सदन में
- राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं
- विवाद की स्थिति में संयुक्त बैठक नहीं।
- एक सदन द्वारा पारित नहीं करने पर विधेयक समाप्त हो जाता है।
- दोनों सदनों में विशेष बहुमत से पारित।
- राष्ट्रपति को अपनी सहमति देनी होती है।

152 विश्व की प्रमुख झील

- ओनेगा - रूस
- माराकाईवो - वेनेजुएला
- फाइव फ्लोवर झील - चीन
- वॉयलिंग झील - डोमिनिका
- अथावास्का - कनाडा

152 विश्व के प्रमुख ज्वालामुखी पर्वत

- माउंट एटना - इटली
- कोटोपैक्सी - इक्वाडोर
- फ्यूजीयामा - जापान
- मोनालोआ - हवाई दीप
- माउंट किना बालू - मलेशिया
- अकाकगुआ - अर्जेंटीना

153 विश्व की प्रमुख वनस्पति

- जेरोफाइट - उष्णकटिबंधीय मरुस्थलीय क्षेत्रों की वनस्पति
- हाइड्रोफाइट - जलप्लावित क्षेत्रों की वनस्पति
- मेसोफाइट - शीतोष्ण कटिबंध क्षेत्र की वनस्पति
- क्रायोफाइट - टुण्ड्रा एवं शीत प्रधान क्षेत्रों की वनस्पति
- हैलोफाइट - नमकीन क्षेत्र में पायी जाने वाली वनस्पति
- लिथोफाइट - कड़ी चट्टानो म उगन वाली वनस्पति
- ट्रोपोफाइट - उष्णकटिबंधीय जलवायु वाली घास एवं वनस्पति
- हाइग्रोफाइट - दलदली एवं भूमध्य रेखीय उष्ण आर्द्रता वाली वनस्पति

154 स्थानीय हवाएं और संबंधित देश

- फॉन - आल्प्स पर्वत
- मिस्ट्रल - राइन घाटी
- खमसिन - मिस्र
- बोरा - इटली (एड्रियाटिक सागर)
- हबूब - सूडान
- शांताआना - कैलिफोर्निया
- ब्लिजार्ड - USA,कनाडा
- नॉर्वेस्टर - भारत

155 विश्व के प्रमुख मरुस्थल(घटते क्रम में)

सहारा मरुस्थल (अफ्रीका महादीप)

↓

आस्ट्रेलिया मरुस्थल (आस्ट्रेलिया महादीप)

↓

अरबियन मरुस्थल (अरब प्रायदीप)

↓

मंगोलिया मरुस्थल (एशिया व रुस के बीच)

↓

कालाहारी मरुस्थल (अफ्रीका महादीप)

156 जैविक अंतर क्रिया के प्रमुख प्रकार

पारस्परिकता(mutualism) :-
- दोनों प्रजातियों को लाभ मिलता है ,जैसे मधुमक्खी फूलों से रस एकत्र करती है और पॉलिनेशन होता है

परजीविता(parasatism) :-
- एक जीव दूसरे जीव को नुकसान पहुंचा कर लाभ लेता है जैसे कुछ परजीवी कीट

सहभोजीता (commensalism) :-
- जब एक जीव को लाभ होता है और दूसरे को ना तो नुकसान और ना ही मदद मिलती है (जैसे कुछ एपीफिटिक पौधे वृक्ष को नुकसान पहुंचाएं बिना उस पर उगते हैं)

157 जैव विविधता की तीन श्रेणियां

जाति विविधता -
- किसी विशेष क्षेत्र के भीतर विभिन्न प्रजातियों की संख्या पर केंद्रित

अनुवांशिक विविधता -
- प्रत्येक प्रजाति के भीतर अनुवांशिक जानकारी की विविधता

पारिस्थितिकी तंत्र विविधता-
- एक क्षेत्र के भीतर मौजूद विभिन्न प्रकार के आवास समुदाय और प्रक्रियाएं

158 जैव विविधता का मापन

अल्फा विविधता :
- किसी विशेष क्षेत्र के भीतर विविधता को संदर्भित करता है उसे पारिस्थितिकी तंत्र में प्रजातियों की संख्या द्वारा व्यक्त किया जाता

बीटा विविधता :-
- पारिस्थितिकी तंत्र के बीच विविधता की तुलना जिससे प्रजातियों की मात्रा में परिवर्तन के रूप में मापा जाता है

गामा विविधता :-
- एक क्षेत्र के भीतर विभिन्न पारिस्थितिक तंत्र के लिए समग्र विविधता की माप

159 जैव विविधता का संरक्षण

स्व- स्थानिय संरक्षण:-
- जीवो को उनके प्राकृतिक आवासों के भीतर संरक्षण पर केंद्रित
- (जैसे राष्ट्रीय उद्यान, जैव संरक्षण क्षेत्र, अभ्यारण ,पवित्र उपवन)

बाह्य स्थानीय संरक्षण:-
- इसमें जीवो को उनके प्राकृतिक आवासों के बाहर प्रजातियां और आनुवंशिक विविधता का संरक्षण शामिल है
- (सीड बैंक, जीन बैंक, बोटैनिकल/ जूलॉजिकल गार्डन)

160 बायोस्फीयर रिजर्व के अंतर्गत जोन

मुख्य (core)जोन:-
- इसमें कठोर संरक्षित क्षेत्र शामिल है कोई मानवीय गतिविधि नहीं

बफर (buffer) जोन: -
- क्षेत्र जो वैज्ञानिक अनुसंधान निगरानी प्रशिक्षण तथा पर्यटन सुविधाओं को समायोजित करता है

संक्रमण(Transition)जोन :-
- वह क्षेत्र जहां समुदाय/ सामाजिक सांस्कृतिक गतिविधियों तथा मानवीय गतिविधियां हो सकती हैं

161 प्रमुख शिक्षा आयोग

मैकाले घोषणा 1835 - भारत में अंग्रेजी शिक्षा की नींव तथा शैक्षिक व्यय के लिए धनराशि आवंटित करना

वुड डिस्पैच 1854 - प्राथमिक ,माध्यमिक ,स्नातक स्तर के शिक्षा के अंग्रेजी माध्यम के सिफारिश करना

हंटर कमीशन 1882 -शिक्षा में विकास का अध्ययन

विश्वविद्यालय आयोग 1902 - (थॉमस रेलै) विश्वविद्यालय का सुधार लागू करना

कोलकाता विश्वविद्यालय आयोग -1917 (माइकल सैंडलर)- विश्वविद्यालय की स्थितियों का अध्ययन करना

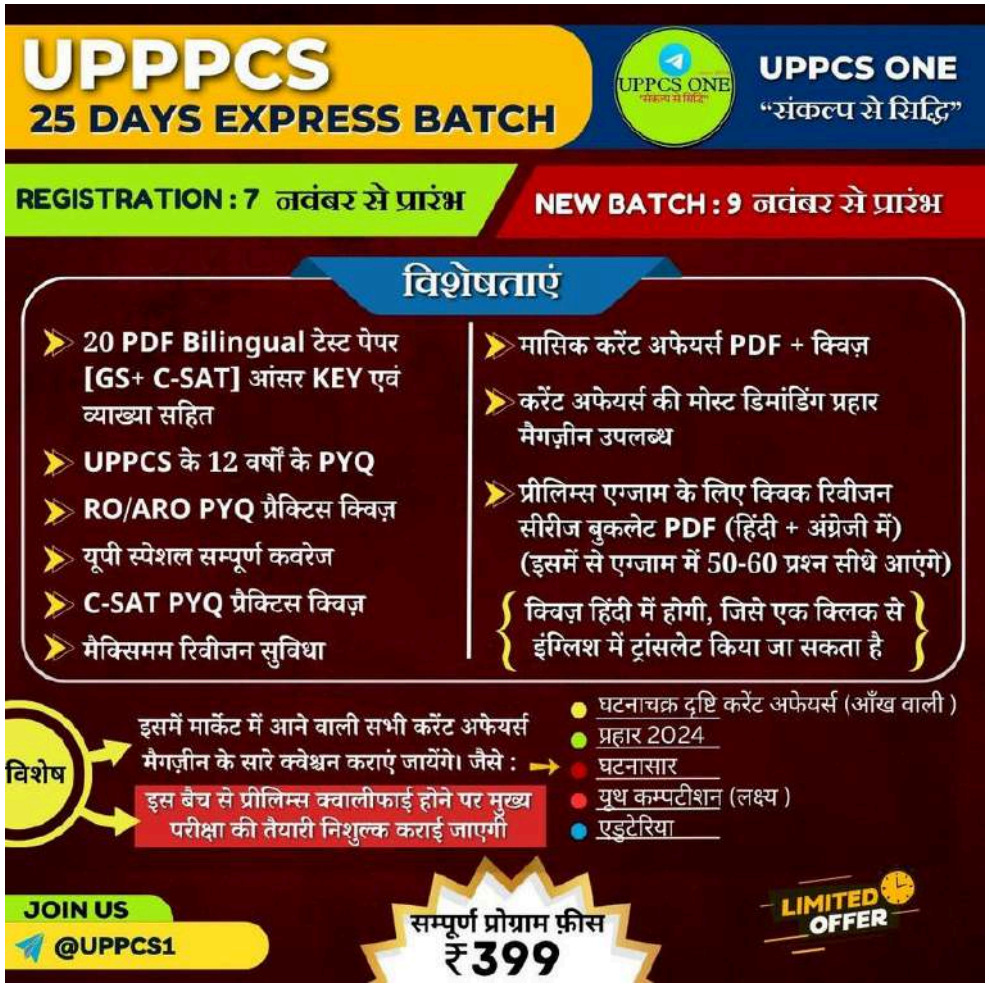

डिटेल्स के लिए Whatsapp करें

9415950206

162 प्रमुख गवर्नर जनरल/ वायसराय और उनसे संबंधित घटनाएं

- लॉर्ड इर्विन - सविनय अवज्ञा आंदोलन ,पहला गोलमेज सम्मेलन ,गांधी इरविन पैक्ट
- लॉर्ड वेलिंगटन - सांप्रदायिक पुरस्कार ,पूना समझौता
- लॉर्ड लिनलिथिगो - पहला आम चुनाव ,व्यक्तिगत सत्याग्रह ,भारत छोड़ो आंदोलन
- लॉर्ड बेवल - सी आर फार्मूला ,शिमला सम्मेलन, कैबिनेट मिशन
- लॉर्ड माउंटबेटन - भारत विभाजन ,भारत स्वतंत्रता अधिनियम
- विलियम बेंटिक - ब्रिटिश भारत के पहले गवर्नर जनरल चार्टर अधिनियम 1833 ,सती प्रथा उन्मूलन 1829
- चार्ल्स मेट काफ - प्रेस के मुक्तिदाता
- लॉर्ड ऑकलैंड -प्रथम आंग्ल अफगान युद्ध,1839 से 1842
- लॉर्ड ऐलनबरो - सिंध का विलय ,1843
- लॉर्ड हार्डिंग - प्रथम आंग्ल सिख युद्ध, 1845-46
- लॉर्ड डलहौजी - व्यपगत का सिद्धांत1848 ,रेलवे और टेलीग्राफ के जनक

163 आधुनिक भारत से संबंधित पुस्तक और उनके रचयिता

- एनी बेसेंट -कॉमनवेल, न्यू इंडिया
- मोहम्मद अली - कामरेड ,हमदर्द
- ईश्वर चंद्र विद्यासागर - सोम प्रकाश
- मोतीलाल नेहरू - इंडिपेंडेंस (समाचार पत्र)
- राजा राममोहन राय - संवाद कोमुदी
- तारकनाथ दास - फ्री हिंदुस्तान
- सचिंद्र सान्याल - क्रांतिकारी
- शिशिर कुमार घोष - अमृत बाजार पत्रिका
- दयानंद सरस्वती - सत्यार्थ प्रकाश
- ज्योतिबा फुले - गुलामगिरी
- चितरंजन दास - भारत भारतीयों के लिए है
- सुभाष चंद्र बोस - द इंडियन स्ट्रगल

164 महत्वपूर्ण चैनल

- 6 डिग्री. चैनल : निकोबार और सुमात्रा (इंडोनेशिया) को अलग करता है।
- 8 डिग्री. चैनल : लक्षद्वीप और मालदीव को अलग करता है।
- 9 डिग्री. चैनल : मिनिकॉय और अन्य लक्षद्वीप द्वीपों को अलग करता है।
- 10 डिग्री. चैनल : अंडमान और निकोबार को अलग करता है।
- 11 डिग्री. चनल : लक्षद्वीप म, अमिनी और कन्नानोर को अलग करता है
- डंकन चैनल : दक्षिण अंडमान और लिटिल अंडमान को अलग करता है।
- कोको चैनल : अंडमान और कोको द्वीप (म्यांमार) को अलग करता है

165 पूर्वी घाट की प्रमुख पहाड़ियों का क्रम (उत्तर से दक्षिण)

- आंध्र प्रदेश
  - नल्लामलाई पहाड़ी
  - वेलीकोंडा पहाड़ी
  - पालकोंडा पहाड़
  - नागारी पहाड़ी
- तमिलनाडु
  - जवादी पहाड़ी
  - शेवरॉय पहाड़ी
  - पंचमलाई पहाड़ी
  - सिरूमलाई पहाड़ी

166 विश्व के प्रमुख मरुस्थल

- दस्त ए लूट :- पूर्वी ईरान
- दस्त ए कबीर :- दक्षिणी ईरान
- नामीब :- नामिबिया (अफ्रीका)
- ग्रेट सैंडी,सिम्पसन, गिब्सन :- आस्ट्रेलिया
- अटाकामा :- उत्तरी चिली
- मोजावे / मोहावे :- कैलिफोर्निया (अमेरिका)
- तकला मकान :- सिकियांग (चीन)
- सोनोरन :- एरीजोना एवं कैलिफोर्निया

167 नदियों के किनारे स्थित प्रमुख शहर

शहर	-	नदी
न्यूयॉर्क	-	हडसन
लाहौर	-	रावी
काहिरा (कैरो)	-	नील
खारतूम	-	श्वेत नील एवं ब्लू नील के संगम पर
पर्थ	-	स्वान
हैम्बर्ग	-	एल्ब
कीव	-	नीपर
रॉटरडैम	-	राइन
क्यूबेक सिटी	-	सेंट लॉरेंस
वारसॉ	-	विश्चुला

168 उत्पादन से संबंधित प्रमुख देश/ट्रायंगल

- बरमुडा त्रिभुज
  - उ०प० अटलांटिक महासागर।
  - विस्तार– बरमुडा , मियामी (दक्षिणी फ्लोरिडा) , सान जुआन (प्यूर्टो रिको)
- स्वर्णिम त्रिभुज
  - अफ़ीम उत्पादक क्षेत्र
  - विस्तार– म्यांमार , लाओस ,थाईलैंड
- स्वर्ण अर्धचंद्र
  - अफ़ीम उत्पादक क्षेत्र
  - विस्तार– ईरान , अफगानिस्तान , पाकिस्तान
- कोरल ट्राएंगल
  - कोरल समृद्ध क्षेत्र
  - विस्तार– फिलीपींस , इंडोनेशिया , मलेशिया पापुआ न्यू गिनी ,सोलोमन द्वीप ,तिमोर-लेस्ते

169 शासक और उनकी रानी

- चंद्रगुप्त - कुमारदेवी
- समुद्रगुप्त - दत्तादेवी
- चंद्रगुप्त द्वितीय - कुबेरनागा
- कुमारगुप्त प्रथम - अनन्तदेवी
- रुद्रसेन द्वितीय - प्रभावती गुप्त

170 गुप्त काल के प्रशासनिक अधिकारी

- कुमार अमात्य - सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी
- महा दंड नायक - न्यायाधीश
- महा-संधि विग्रहिक - युद्ध एवं शांति (संधि) का अधिकारी
- महा-बलाअधिकृत - सेनापति
- महा-अक्ष पटलीक - लेखा (accounts) विभाग का सर्वोच्च अधिकारी
- प्रतिहार - राज महल के अंदरूनी क्षेत्र का रक्षक
- महा प्रतिहार- सम्पण राज महल का रक्षक

171 राजा और संबंधित अभिलेख

- कुमारगुप्त I - मंदसौर अभिलेख
- पतिक - तक्षशिला अभिलेख
- चंद्रगुप्त II - उदयगिरि गुहा अभिलेख
- समुद्रगुप्त - एरण अभिलेख

172 राजा और उनके अन्य नाम

- चंद्रगुप्त - सैंड्रोकोट्टस
- बिंदुसार - अमित्रघात
- अशोक - पिवदस्सि/प्रियदर्शी
- चाणक्य - विष्णुगुप्त/कौटिल्य

173 कृष्णदेव राय के अष्ट दिग्गज

- अल्लसानि पेदन्ना
- नन्दी तिम्मन
- भट्टमुर्ति
- मादय्यगरि मल्लन मुदुपल्लकु
- अच्चलराजु रामचन्द्र
- पिंगलीसूरन्न
- धूरजति/धूर्जटि
- तेनाली राम कृष्ण

174 सल्तनत काल में सर्वाधिक शासन करने वाले वंश

- तुगलक वंश - 94 वर्ष
- गुलाम वंश - 84 वर्ष
- लोदी वंश - 76 वर्ष
- सैयद वंश - 36 वर्ष
- खिलजी वंश - 30 वर्ष

175 मौर्योत्तर कालीन अभिलेख

- अयोध्या अभिलेख - धनदेव
- बेसनगर अभिलेख - हेलियोडोरस
- शिनकोट अभिलेख - मिनांडर
- नानाघाट अभिलेख - नायनिका (नागीनिका)
- पंजतर अभिलेख - कुषाण

176 मध्यकाल के प्रमुख युद्ध

- घाघरा का युद्ध - 1529 ई.
- चौसा का युद्ध - 1539 ई.
- कन्नौज का युद्ध - 1540 ई.
- पानीपत की दूसरी लड़ाई - 1556 ई.
- तालीकोट का युद्ध - 1565 ई.
- हल्दीघाटी का युद्ध - 1576 ई.

177 गुप्त काल में भूमि से संबंधित शब्दावली

- क्षेत्र : कृषि करने योग्य भूमि
- वास्तु : वास करने योग्य भूमि
- चरागाह भूमि : पशुओं के चारा योग्य भूमि
- सिल : ऐसी भूमि जो जोतने योग्य नहीं होती थी
- अप्रहत : ऐसी भूमि जो जंगली होती थी

178 यूरोपीय कंपनियों के भारत आगमन का क्रम

पुर्तगाली (स्थापना - 1505)
↓
डच (स्थापना - 1602)
↓
अंग्रेज (स्थापना - 1600)
↓
डेन (स्थापना - 1616)
↓
फ्रांसीसी (स्थापना - 1664)

179 पर्यावरण से जुड़े प्रमुख व्यक्तित्व

- रविन्द्र कुमार सिन्हा: - डॉल्फिन मैन ऑफ इंडिया
- डॉ. रामदेव मिश्रा: - भारत में पारिस्थितिकी के जनक
- डॉ. नॉर्मन बोरलॉग: - विश्व में हरित क्रान्ति के जन्मदाता
- डॉ. सलीम अली: - प्रसिद्ध पक्षी विज्ञान विशेषज्ञ
- सुन्दर लाल बहुगुणा: चिपको आन्दोलन से संबंद्ध
- पांडुरंग हेगड़े: - कर्नाटक में एप्पिको आन्दोलन के नेतृत्वकर्ता
- डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन: - भारत में हरित क्रान्ति के जनक
- डॉ. वर्गीज कुरियन: - भारत में श्वेत क्रान्ति/दुग्ध क्रांति के जनक
- बाबा आम्टे: - नर्मदा बचाओ आन्दोलन से संबद्ध
- मेधा पाटेकर: - नर्मदा बचाओ आन्दोलन की नेतृत्वकर्ता
- ई. पी. ओडम: - पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण विज्ञान के जनक
- रिचर्ड सेंट बार्ब बेकर: - इन्हें वृक्ष मानव कहा जाता
- कैलाश सांखला: - इन्हें टाइगर मैन ऑफ इंडिया

180 महत्त्वपूर्ण पर्यावरणीय शब्दावली

- सतत विकास
  - भावी पीढ़ी की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए संसाधनों का प्रयोग।
  - ब्रटलैंड कमीशन(1987)" द्वारा अपनी "Our Common Future' रिपोर्ट में इसे दिया गया।
- इकोमार्क
  - भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा, 1991
  - पर्यावरण अनुकूल उत्पादों को दिया जाता है
- एगमार्क (AGMARK)
  - कृषि/खाद्य उत्पादों पदार्थों पर दिया जाता है
- ग्रीनवॉश
  - पर्यावरण संरक्षण के सम्बंध में झूठे वादे करना।
- आवास(habitat)
  - एक विशेष स्थान है जहाँ जीव रहते हैं

181 प्रमुख पर्यावरणीय शब्दावली

- लैंटिक आवास -
  - स्थिर जल के आवास। जैसे: तालाब, वेटलैंड्स, झील
- लोटिक आवास
  - बहते जल के आवास। जैसे: नदी,झरना
- निचे(Niche)
  - इसे किसी जीव द्वारा अपने पारिस्थितिकी तंत्र में निभाई जाने वाली कार्यात्मक भूमिका के रूप में परिभाषित किया जाता है।"
  - इसे"ग्रीनेल्स" द्वारा दिया गया है
- इकोसिस्टम(Ecosystem)
  - जीवों का समुदाय और साथ ही वह पर्यावरण जिसमें वे रहते हैं।
  - ए.जी. टासले" द्वारा इस टर्म का प्रयोग किया गया है।
- वहन क्षमता(Carrying Capacity)
  - किसी निश्चित क्षेत्र में प्राणियों की संख्या की सीमा, जिसे पर्यावरण समर्थन कर सकता है।
- जैव आवर्धन (Biomagnification)
  - फूड चैन में भारी धातुओं का प्रवेश तथा विभिन्न पोषणस्तरों पर इन धातुओं की बढ़ती सांद्रता।

182 भाषा से संबंधित संवैधानिक प्रावधान

- अनुच्छेद 343 - संघ की राजभाषा। संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी
- अनुच्छेद 344 - राजभाषा के संबंध में आयोग और संसद की समिति
- अनुच्छेद 351 - हिंदी भाषा के विकास के लिए निदेश। भारतीय संविधान की अनुसूची 8 में हिंदी सहित 22 आधिकारिक भाषाएँ
- अनुच्छेद 350A - प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की सुविधाएं प्रदान करने का प्रावधान है
- अनुच्छेद 350B - भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए एक विशेष अधिकारी की नियुक्ति का प्रावधान है

183 तेंदुओं की स्थिति 2022 रिपोर्ट(2024 में जारी)

- फरवरी 2024 में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने द्वारा जारी
- रिपोर्ट के अनुसार भारत में तेंदुओं की संख्या वर्ष 2018 के 12,852 से बढ़कर वर्ष 2022 में 13,874 हो गई है।
- रिपोर्ट से संबंधित अन्य तथ्य
  - मध्य प्रदेश में तेंदुओं की संख्या सर्वाधिक 3907 है।
  - सर्वाधिक तेंदुआ वाले राज्य - मध्य प्रदेश > महाराष्ट्र > कनाटक
  - सर्वाधिक तेंदुओं की आबादी वाला टाइगर रिजर्व :- नागार्जुन सागर श्री शैलम (आन्ध्र प्रदेश)
  - तेंदुओं के उच्चतम घनत्व वाला टाइगर रिजर्व- सरिस्का टाइगर रिजर्व
- राज्य/UT तेंदुआ की संख्या
  - मध्य प्रदेश 3907
  - महाराष्ट्र 1985
  - कर्नाटक 1879
  - उत्तर प्रदेश 371

184 सर्वोच्च न्यायालय से संबंधित प्रमुख अनुच्छेद

- अनुच्छेद 124 – सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना
- अनुच्छेद 125 – न्यायाधीशों के वेतन
- अनुच्छेद 126 - कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति
- अनुच्छेद 127 - तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति
- अनुच्छेद 128 – उच्चतम न्यायालय की बैठक में सेवानिवृत्त न्यायाधीश की उपस्थिति
- अनुच्छेद 129 - उच्चतम न्यायालय का अभिलेख न्यायालय होना
- अनुच्छेद 136 – उच्चतम न्यायालय में अपील के लिए विशेष अवकाश
- अनुच्छेद 137 – उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्णय या आदेशों की समीक्षा
- अनुच्छेद 141 – भारत के सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय सभी न्यायालयों पर बाध्यकारी

185 उच्च न्यायालय से संबंधित प्रमुख अनुच्छेद

- अनुच्छेद 214 – राज्यों के लिए उच्च न्यायालय
- अनुच्छेद 215 - उच्च न्यायालयों का अभिलेख न्यायालय होना
- अनुच्छेद 226 – कुछ रिट जारी करने की उच्च न्यायालयों की शक्ति
- अनुच्छेद 233 - जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति
- अनुच्छेद 235 – अधीनस्थ न्यायालयों पर नियंत्रण

186 राज्यपाल से संबंधित प्रमुख अनुच्छेद

- अनुच्छेद 153- राज्यों के राज्यपाल
- अनुच्छेद 154- राज्य की कार्यकारी शक्ति
- अनुच्छेद 155-रा यपाल की नियुक्ति हेतु
- अनुच्छेद 156-रा यपाल पदावधि के लिए
- अनुच्छेद 158-रा यपाल के कार्यालय की शर्तों के लिए
- अनुच्छेद 159 - रा यपाल द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान के लिए
- अनुच्छेद 160-कुछ आकस्मिकताओं में रा यपाल के कार्यों के निर्वहन के लिए
- अनुच्छेद 161 रा यपाल की क्षमा देने की शक्ति के लिए
- अनुच्छेद 162-रा य की कार्यकारी शक्ति की सीमा के लिए
- अनुच्छेद 163- रा यपाल को सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद के लिए
- अनुच्छेद 164-मंत्रियों की नियुक्ति, कार्यकाल, वेतन और अन्य जैसे अन्य प्रावधानों के लिए

187 मूल कर्त्तव्य (सोवियत संघ से लिया गया) से संबंधित तथ्य

- 42 वें संविधान संशोधन द्वारा (1976 ई. में) जोड़ा
- सरदार स्वर्ण सिंह समिति की संस्तुति (1976) के बाद भारतीय संविधान में जोड़ा गया
- अनु. 51क के अन्तर्गत
- कुल 10 मूल कर्तव्यों को शामिल किया गया
- वर्तमान में 11 मूल कर्तव्य
- 11 वाँ मूल कर्तव्य 86वाँ संविधान संशोधन (2002) के माध्यम से भारतीय संविधान में शामिल किया गया

188 भारत के प्रमुख कृषि अनुसंधान केन्द्र

- केंद्रीय द्वीप कृषि अनुसंधान संस्थान - पोर्ट ब्लेयर
- भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान - कानपुर
- केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान - जोधपुर
- भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान - हैदराबाद
- केंद्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान - इज्जतनगर
- केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान - कासरगोड
- केंद्रीय खारा जलकृषि संस्थान - चेन्नई
- केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान - मखदूम
- भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान - बेंगलुरु
- केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान - भोपाल
- केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान - नागपुर
- केंद्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान - कोचीन
- केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान - कोच्चि
- केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान - शिमला
- भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान - भोपाल

189 जंतुओं से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य

- स्तनधारी जंतुओं वर्ग 3 उपवर्ग-
  - प्रोटोथीरिया : अंडे देते हैं। उदाहरण: एकिडना, प्लेटिपस
  - मेटाथीरिया: अपरिपक्व बच्चों को जन्म देते हैं, जो मासूपियल नामक थैली में विकसित होने तक रहता है। उदाहरण- कंगारू
  - यूथीरिया : पूर्ण विकसित शिशुओं को जन्म देते हैं, जैसे- मनुष्य
- स्तनधारी वर्ग में रक्त का सबसे अधिक तापमान बकरी का होता है। (औसत तापमान 39°C)
- डक विल्ड प्लैटीपस एकमात्र विषैला स्तनी है

190 जंतु वर्ग और उनके हृदय में चैम्बर की संख्या

- सरीसृप- 3 कक्षीय हृदय (अपवाद मगरमच्छ 4 कक्षीय हृदय)
- मत्स्य वर्ग -2 कक्षीय हृदय
- पक्षी वर्ग- 4 कक्षीय हृदय
- स्तनधारी -4 कक्षीय हृदय
- उभयचर- 3 कक्षीय हृदय

191 जीव विज्ञान में कोशिका से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य

- प्रोटीन की फैक्ट्री - राइबोसोम
- कोशिका का रसोईघर - हरित लवक
- कोशिका का पावर हाउस - माइटोकॉन्ड्रिया
- कोशिका की आत्मघाती थैली - लाइसोसोम
- केंद्रक की खोज - रॉबर्ट ब्राउन
- DNA की खोज - फ्रेडरिक मिशर
- DNA का डबल हैडलिक्स मॉडल - वॉटसन और क्रिक

192 अर्थव्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण शब्दावली

- राजकोषीय घाटा
  - ऋणादानों को घटाकर कुल प्राप्तियों की तुलना में कुल व्यय की अधिकता
- बजटीय घाटा
  - कुल प्राप्तियों की तुलना में कुल व्यय की अधिकता
- राजस्व घाटा
  - राजस्व प्राप्तियों की तुलना में राजस्व व्यय की अधिकता
- प्राथमिक घाटा
  - ऋणादानों और ब्याज अदायगियों को घटाकर कुल प्राप्तियों की तुलना में कुल व्यय की अधिकता

193 प्रमुख संविधान संशोधन

80वां संशोधन अधिनियम, 2000
- संघ और राज्य के बीच करों के बंटवारे के लिए एक वैकल्पिक योजना बनाई गई।

85वां संशोधन अधिनियम, 2001
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के शासकीय सेवकों की पदोन्नति के मामले में वरिष्ठता का प्रावधान किया गया

86वां संशोधन अधिनियम, 2002
- अनुच्छेद 21A के तहत 6 से 14 वर्ष के समूह के बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में शामिल किया गया।

194 भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ,अनुच्छेद (148)

- **नियुक्ति** - राष्ट्रपति द्वारा अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा की जाती है
- **कार्यकाल** :- 6 वर्ष या 65 वर्ष तक, जो भी पहले हो
- **पद से हटाने की प्रक्रिया** :- भारत के एक नियंत्रक-महालेखापरीक्षक को उसके पद से केवल उसी प्रक्रिया से और उन्ही आधारों पर हटाया जा सकता है, जिस प्रक्रिया से और जिन आधारों पर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है
- **काय** :- सघ और प्रत्यक राज्य तथा सघ शासित प्रदेशों की प्राप्तियों और व्यय की लेखापरीक्षा

195 महत्वपूर्ण संशोधन

97वां संशोधन अधिनियम, 2012
- "सहकारी समितियों" का प्रावधान करने के लिए संविधान में भाग IX-B जोड़ा गया।
- भाग IV के तहत सहकारी समितियों के निर्माण को प्रोत्साहित किया गया।
- सहकारी समितियों के निर्माण को अनुच्छेद 19 के तहत मौलिक अधिकार बनाया गया।
- संविधान में बदलाव करके सहकारी समितियों को संरक्षण देने के लिए अनुच्छेद 19(1)(सी) में संशोधन किया गया है और उनसे संबंधित अनुच्छेद 43 B (DPSP) जोड़ा गया है।

99वां संशोधन अधिनियम, 2014
- कॉलेजियम प्रणाली के स्थान पर एक नए निकाय राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (NJAC) की स्थापना का प्रावधान किया गया
- हालाँकि बाद में इसे एससी द्वारा असंवैधानिक और शून्य घोषित करके पुनः कॉलेजियम प्रणाली को बहाल कर दिया गया

100वां संशोधन अधिनियम, 2015
- भारत और बांग्लादेश के बीच भूमि सीमा समझौते का अनुसमर्थन वाला संशोधन
- 1974 के द्विपक्षीय भूमि सीमा समझौते के अनुसार, दोनों देशों के कब्जे वाले विवादित क्षेत्रों का आदान-प्रदान करने के लिए भारतीय संविधान की पहली अनुसूची में संशोधन किया गया था

196 पल्लव वंश के प्रमुख शासक

- सिंहविष्णु (575-600 ई.पू)
- महेंद्रवर्मन प्रथम (600-630 ई.पू)
- नरसिंहवर्मन प्रथम (630–668 ई.पू)
- महेंद्रवर्मन द्वितीय (668-672 ई.पू)
- परमेश्वरवर्मन प्रथम (670–695 ई.पू)
- नरसिंहवर्मन II (राजा सिंह) (695–722 ई.पू)
- परमेश्वरवर्मन द्वितीय (705-710 ई.पू)

197 सिंधु घाटी सभ्यता: भौगोलिक विस्तार

- सिंधु घाटी सभ्यता में पंजाब, सिंध, बलूचिस्तान, राजस्थान, गुजरात और पश्चिमी उत्तर प्रदेश शामिल थे
- पश्चिम में सुत्कागेंदोर (बलूचिस्तान, पाकिस्तान में)
- पूर्व में आलमगीरपुर (पश्चिमी उत्तर प्रदेश)
- उत्तर में मांडू (जम्मू) से लेकर
- दक्षिण में दैमाबाद (अहमदनगर, महाराष्ट्र)

198 विजयनगर साम्राज्य के महत्वपूर्ण शासक

हरिहर (1336 – 1356 ई.)
- हरिहर प्रथम 1336 ई. में संगम वंश का शासक बना। उसने दक्षिणी साम्रा यों से मैसूर और मदुरै पर कब्जा कर लिया

कृष्णदेव राय (1509 – 1529 ई.):
- उन्हें 'आंध्र भोज' के नाम से भी जाना जाता था।
- वह तुलुवा राजवंश के थे और उन्होंने 1509-1529 ईस्वी तक शासन किया था।

199 चोल कालीन प्रशासनिक व्यवस्था

- औले - राजा के आदेशों को लागू करने का दायित्व था
- पेरुन्तरम - उच्च कोटि के अधिकारी
- सिरुनताराम - निचले पद के अधिकारी
- वायसराय - सूबे के नेता, जो राजा के करीबी परिवार के सदस्य होते थे
- न ार - नाडुओं के सिर
- न वई नाडु परिषद - नाडुओं से जुड़ी परिषद
- न ावैस - कृषि से जुड़े अधिकारी
- वारियम - ाम सरकार को चलाने में मदद करने वाले पुरुष

200 कुषाण साम्राज्य के महत्वपूर्ण शासक

- कुजुल कडफिसस (30 ई. – 80 ई.)
  - कडफिसस प्रथम कहा गया
  - पहले कुषाण शासक थे जिन्होंने भारत में कुषाण साम्राज्य की नींव रखी
  - कुषाण साम्राज्य का संस्थापक माना जाता है
- विम कडफिसस (95 ई. – 127 ई.)
  - रबातक शिलालेख में उल्लेख है कि विम कडफिसस सदाश्काना के पुत्र और कनिष्क के पिता थे
- कनिष्क (127 ई. – 150 ई.)
  - सबसे प्रसिद्ध कुषाण शासक था
  - 78 ई. में शक संवत के नाम से एक कैलेंडर की शुरुआत की ,जिसका उपयोग अब भारत सरकार द्वारा किया जाता है
  - कनिष्क काल में पुरुषपुर और मथुरा, कुषाण साम्राज्य की दो राजधानियाँ थीं

201 परिसीमन आयोग (Delimitation Commission) से संबंधित तथ्य

- भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त
- पूरे देश में निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का निर्धारण करता है
- परिसीमन आयोग भारत के चुनाव आयोग के साथ मिलकर काम करता है।
- परिसीमन आयोग में निम्नलिखित सदस्य होते हैं
  - सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश (अध्यक्ष)
  - मुख्य चुनाव आयुक्त
  - संबंधित राज्यों के राज्य चुनाव आयुक्त
- परिसीमन आयोग के निर्णय को किसी भी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती है
- अब तक भारत में परिसीमन आयोगों का गठन 4 बार किया गया है 1952 ,1963 ,1972, 2002

202 लोकसभा तथा राज्यसभा की संरचना

लोकसभा
- अधिकतम संख्या- 550
- 530 राज्य का प्रतिनिधित्व करते हैं
- 20 केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते हैं

राज्यसभा
- अधिकतम सदस्य- 250
- 238 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते हैं
- 12 राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किये जाते

203 लोक लेखा समिति (पीएसी)

- लोक लेखा समिति सबसे वरिष्ठ संसदीय समिति है, जिसकी स्थापना 1921 में की गई थी।
- लोक लेखा समिति में 22 सदस्य होते हैं जिनमें 15 सदस्य लोकसभा से और 7 सदस्य राज्य सभा से चुने जाते हैं
- सदस्यों का कार्यकाल 1 वर्ष
- एक मंत्री को समिति के सदस्य के रूप में नहीं चुना जा सकता है
- समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति लोकसभा अध्यक्ष द्वारा सदस्यों में से की जाती है
- लोक लेखा समिति भारत सरकार के विनियोग लेखाओं और उन पर भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के निष्कर्षों की जांच करती है

204 प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से संबंधित अनुच्छेद

अनुच्छेद- 74
- मंत्रिपरिषद द्वारा राष्ट्रपति को सहायता और सलाह देने की उसकी शक्ति से संबंधित है।

अनुच्छेद 75
- प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है

अनुच्छेद 77
- कोई भी कार्यकारी कार्य भारत के राष्ट्रपति के नाम से की हुई कही जाती

अनुच्छेद 78
- सदस्यों की परिषद द्वारा लिए गए सभी निर्णयों के बारे में प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को बताते हैं। राष्ट्रपति भी सदस्यों की परिषद के विचार के लिए मुद्दों का उल्लेख कर सकते हैं।

205 भारत के महान्यायवादी से संबंधित तथ्य (अनुच्छेद 76)

- भारत का महान्यायवादी (AG) देश का सर्वोच्च कानून अधिकारी है।
- नियुक्ति :
  - महान्यायवादी की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा सरकार की सलाह पर की जाती है।
- कार्यालय : संविधान द्वारा तय नहीं
- निष्कासन:
  - महान्यायवादी को हटाने की प्रक्रिया और आधार संविधान म नही बताए गए ह। वह राष्टपति क प्रसादपर्यंत पद धारण करता है (राष्ट्रपति द्वारा किसी भी समय हटाया जा सकता है)
- कर्तव्य और कार्य:
  - ऐसे कानूनी मामलों पर भारत सरकार को सलाह देना, जो राष्ट्रपति द्वारा उसे भेजे जाते हैं।
  - भारत सरकार की ओर से उन सभी मामलों में जो कि भारत सरकार से संबंधित हैं, सर्वोच्च न्यायालय या किसी भी उच्च न्यायालय में उपस्थित होना।

206 सौरमंडल के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य

- पृथ्वी से देखा जाने वाला सबसे चमकदार ग्रह – शुक्र
- इस ग्रह को पृथ्वी का जुड़वा भी कहा जाता है – शुक्र
- जो दूसरों की तुलना में विपरीत दिशा में घूमता है – शुक्र
- जिसके चारों ओर प्रमुख छल्ले हैं – शनि ग्रह
- जिन ग्रहों के कोई उपग्रह नहीं है – बुद्ध और शुक्र
- सबसे लंबे दिवस वाला ग्रह – शुक्र (243 पृथ्वी-दिन)
- सबसे छोटे दिवस वाला ग्रह – बृहस्पति (9 घंटे 55 मिनट)
- शाम का तारा या सुबह का तारा के नाम से भी जाना जाता है – शुक्र
- पृथ्वी के निकटतम सितारा – प्रॉक्सीमा सेंटॉरी
- सौर मंडल का सबसे गर्म ग्रह – शुक्र (अधिकतम तापमान: 462 डिग्री सी)
- सौर मंडल में सबसे ठंडा ग्रह – अरुण ग्रह (युरेनस) (प्रभावी तापमान: - 216 डिग्री सेल्सियस)

207 महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखाएं तथा उनकी विशेषताएं

17वीं समानांतर
- दक्षिण वियतनाम और उत्तर वियतनाम - 1954 के जिनेवा समझौते के आधार पर उत्तर और दक्षिण वियतनाम को विभाजित किया गया। वियतनाम के एकीकरण के बाद यह अप्रासंगिक हो गया

20वीं समानांतर
- यह सूडान और लीबिया के बीच की सीमा को चिह्नित करता है

22वीं समानांतर
- 22वां उत्तरी अक्षांश सूडान-मिस्र सीमा का एक बड़ा हिस्सा चिह्नित करता है

25वीं समानांतर
- मॉरिटानिया और माली- यह माली-मॉरिटानिया सीमा के सबसे उत्तरी भाग को चिह्नित करता है

31वीं समानांतर
- ईरान और इराक - यह इराक और ईरान के बीच तथा अमेरिका के लुइसियाना और मिसिसिपी राज्यों के बीच की सीमा को भी चिह्नित करता है।

38वां समानांतर
- दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया - यह उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच विसैन्यीकृत क्षेत्र के मध्य भाग का सीमांकन करता है।

49वीं समानांतर
- संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा - यह उत्तरी अमेरिका (अलास्का को छोड़कर) और कनाडा के बीच अंतर्राष्ट्रीय सीमा बनाता है।

डूरंड रेखा
- पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान- 1893 में सर मॉर्टिमर डूरंड द्वारा सीमांकित किया गया लेकिन वर्तमान अफगानिस्तान द्वारा इसे मान्यता नहीं दी गयी

हिंडेनबर्ग लाइन
- पोलैंड और जर्मनी- प्रथम विश्व युद्ध के दौरान फ्रांसीसी क्षेत्र में एक रक्षात्मक रेखा, जिसे 1919 में वर्साय की संधि द्वारा अप्रासंगिक बना दिया गया।

मैकमोहन रेखा
- चीन और भारत - यह भारत और चीन के बीच वास्तविक सीमा है, हालांकि चीन इसकी कानूनी स्थिति पर विवाद करता है।

मैजिनॉट लाइन
- जर्मनी और फ्रांस- द्वितीय विश्व युद्ध से पहले जर्मनी की ओर फ्रांसीसी सीमा पर एक रक्षात्मक रेखा, जो जर्मन आक्रमण के कारण अप्रचलित हो गई।

मैननेरहाइम लाइन
- रूस और फिनलैंड- द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सोवियत संघ के विरुद्ध एक रक्षात्मक रेखा।

ओडर-नीस लाइन
- पोलैंड और जर्मनी- यह पोट्सडैम सम्मेलन के अनुसार पोलिश-जर्मन सीमा का सीमांकन करता है, जिसे 1990 में एकीकृत जर्मनी द्वारा मान्यता दी गई थी

रैडक्लिफ़ लाइन
- भारत और पाकिस्तान- भारत के विभाजन और पूर्वी तथा पश्चिमी पाकिस्तान के गठन के लिए सीमांकन किया गया, जिसमें वर्तमान भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान शामिल हैं।

सिगफ्रीड लाइन
- फ्रांस और जर्मनी - प्रथम विश्व युद्ध के पश्चिमी मोर्चे पर हिंडेनबर्ग रक्षात्मक रेखा का विस्तार।

ब्लू लाइन
- लेबनान और इज़राइल- संयुक्त राष्ट्र द्वारा लेबनान और इजराइल के बीच सीमा निर्धारण स्थापित किया गया।

ग्रीन लाइन / यूएन बफर जोन
- साइप्रस गणराज्य और तुर्की - साइप्रस साइप्रस में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना (यूएनएफआईसीवाईपी) द्वारा गश्त किया जाने वाला एक विसैन्यीकृत क्षेत्र, जो 1974 में युद्ध विराम के बाद स्थापित किया गया था।

208 काला सागर

6 देशों के साथ सीमा साझा करता है
- यूक्रेन
- रूस
- जॉर्जिया
- तुर्की
- बुल्गारिया
- रोमानिया

209 भारतीय इतिहास के महत्वपूर्ण घटनाक्रम

- 1911
  - किंग जॉर्ज पंचम का भारत आना
  - कलकत्ता से दिल्ली राजधानी का स्थानांतरण
  - भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन जन गण मन का पहली बार गाया जाना
  - बमरौली से इलाहाबाद भारत और विश्व में पहली हवाई डाक का आरंभ
- 1919
  - भारत सरकार अधिनियम, 1919 द्वारा द्विशासन की शुरूआत
  - रोलेट एक्ट 1919 लागू
  - जलियांवाला बाग त्रासदी
- 1920
  - खिलाफत आंदोलन
  - असहयोग आंदोलन की शुरूआत
- 1922
  - उत्तर प्रदेश में चौरी चौरा आक्रोश
  - असहयोग आंदोलन का निलंबन
- 1928
  - साइमन कमीशन का भारत दौरा
  - लाला लाजपत राय की मृत्यु
- 1929
  - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वतंत्रता का संकल्प
- 1930
  - दांडी मार्च
  - नागरिक अवज्ञा आंदोलन का आरंभ
- 1931
  - गांधी इरविन समझौता
  - भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फाँसी
- 1935
  - भारत सरकार अधिनियम
- 1942
  - भारत छोड़ो आंदोलन
  - आजाद हिंद फौज़ की संरचना
- 1942
  - क्रिप्स मिशन का भारत दौरा
- 1946
  - कैबिनेट मिशन का भारत दौरा
- 1947
  - स्वतंत्रता और भारत का विभाजन
- 1948
  - महात्मा गांधी की हत्या
  - पाकिस्तान का पहला भारत आक्रमण
- 1950
  - भारत का गणराज्य बनना
- 1951
  - पहली पंचवर्षीय योजना
  - दिल्ली में पहले एशियाई खेल
- 1952 - भारत में पहले आम चुनाव
- 1954 - भारत और चीन द्वारा पंचशील समझौते पर हस्ताक्षर
- 1956 - भाषाई आधार पर भारतीय राज्यो क पनगठन
- 1957 - मुद्रा में दशमलव प्रणाली की शुरूआत
- 1959 - नई दिल्ली में भारत की पहली टेलीविजन सेवा की शुरूआत
- 1961 - पुर्तगाल से गोवा की मुक्ति
- 1962 - चीन का भारत पर आक्रमण
- 1964 - जवाहर लाल नेहरू की मृत्यु
- 1965 - भारत- पाक युद्ध
- 1966 - लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु
- 1969
  - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में विभाजन
  - 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण
  - भारत के पहले परमाणु पावर स्टेशन तारापुर में वाणिज्यिक संचालन शुरू
- 1971 - भारत- पाक युद्ध
- 1972 - शिमला समझौते में भारत और पाकिस्तान द्वारा हस्ताक्षर
- 1974 - पोखरण (राजस्थान) में 18 मई को पहला परमाणु परीक्षण
- 1975
  - सबसे पहला भारतीय उपग्रह आर्यभट्ट अंतरिक्ष में भेजा गया
  - देश में आपातकाल की घोषणा
- 1977 - कांग्रेस ने केंद्र में पहली बार सत्ता खोई
- 1980
  - सत्ता में कांग्रेस की वापसी
  - छह और बैंकों का राष्ट्रीयकरण
- 1982
  - रंगीन टेलीविजन का भारत में आना
  - दिल्ली में नौवीं एशियाई खेल आयोजित

- 1984
  - श्रीमती इंदिरा गांधी की मृत्यु
  - ऑपरेशन मेघदूत भारतीय सेवा द्वारा सियाचिन ग्लेशियर पर अपना पूर्ण नियंत्रण स्थापित
- 1991
  - राजीव गांधी की मृत्यु
  - भारत में आर्थिक उदारीकरण का प्रारंभ
- 1992
  - बाबरी मस्जिद विध्वंस
  - पंचायत राज की शुरुआत
- 1995 - इंटरनेट का भारत में प्रवेश
- 1998 - भारत में दूसरा परमाणु परीक्षण (ऑपरेशन शक्ति के कूटनाम से)
- 1999 - पाकिस्तानी सैनिकों का कारगिल पर आक्रमण
- 2000 - भारत की जनसंख्या 1 अरब पहुँची
- 2001
  - गुजरात में भुकम्प (जनवरी)
  - भारतीय संसद पर आतंकवादी हमला (दिसम्बर)
- 2002 - गोधरा काण्ड
- 2004 - हिंद महासागर में सुनामी
- 2008 - चंद्रमा पर भारत का पहला अंतरिक्ष यान , चंद्रयान-1 भेजा गया
- 2013 - मंगल ह की ओर मार्स ऑर्बिटर मिशन, मंगलयान भेजा गया

210 विश्व की प्रमुख जलसंधि

- बॉस जल संधि
  - तस्मान सागर एवं दक्षिण सागर को जोडती है
- सुण्डा जल संधि-
  - जावा सागर एवं हिन्द महासागर को जोडती है
- टोकरा जल संधि
  - पूर्वी चीन सागर एवं प्रशान्त महासागर को जोडती है
- यूकाटन जल संधि
  - मैक्सको की खाडी एवं कैरीबियन सागर को जोडती है
- ओरण्टो जल संधि
  - एड्रियाटिक सागर एवं आयुनियन सागर को जोडती है
- नॉर्थ चैनल जल संधि
  - आयरिस सागर एवं अटलाण्टिक महासागर को जोडती है
- हारमुज जल संधि-
  - फारस की खाडी एवं ओमान की खाडी को जोडती है
- टॉरस जल संधि-
  - अराफुरा सागर एवं कोरल सागर को जोडती है
- डार्डेनलीज जल संधि -
  - मारमरा सागर एवं एजियन सागर को जोडती है
- बासफोरस जल संधि-
  - काला सागर एवं मारमरा सागर को जोडती है
- मकास्सार जल संधि-
  - जावा सागर एवं सेलीबीज सागर को जोडती है
- बाक्अल मण्डेव जल संधि-
  - लाल सागर एवं अरब सागर को जोडती है
- मलक्का जल संधि-
  - अण्डमान सागर एवं दक्षिण सागर को जोडती है
- लुजोन जल संधि-
  - दक्षिण चीन एवं फिलीपीन्स सागर को जोडती है
- बेरिंग जल संधि-
  - बेरिंग सागर एवं चुकसी सागर को जोडती है
- डेविस जल संधि-
  - बेफिन खाडी एवं अटलाण्टिक महासागर को जोडती है
- डेनमार्क जल संधि-
  - उत्तरी अटलाण्टिक एवं आर्कटिक महासागर को जोडती है
- डोवर जल संधि-
  - इंग्लिश चैनल एवं उत्तरी सागर को जोडती है
- हडसन जल संधि-
  - हडसन की खाडी एवं अटलाण्टिक महासागर को जोडती है
- जिब्राल्टर जल संधि-
  - भूमध्य सागर एवं अटलाण्टिक महासागर को जोडती है
- कोरिया जल संधि-
  - जापान सागर एवं पूर्वी चीन सागर को जोडती है
- मैगेलन जल संधि-
  - प्रशान्त महासागर एवं दक्षिणी अटलाण्टिक महासागर को जोडती

211 महत्वपूर्ण कर सुधार समितियां

- अधिया समिति- 2016
  - सिफारिशें:
  - पूरे देश में एक समान कर प्रणाली (GST) लागू करना।
  - अप्रत्यक्ष करों को सरल बनाना और एकल कर ढांचा लागू करना।
- एल. के. झा समिति - 1977
  - सिफारिशें:
  - प्रत्यक्ष कराधान में सुधार
  - समिति ने काले धन और टैक्स चोरी को रोकने के लिए सख्त कानून और प्रशासनिक उपायों की सिफारिश की
- नरसिम्हम समिति - 1991 और 1998
  - सिफारिशें
  - बैंकिंग क्षेत्र में सुधार
  - कर प्रणाली में पारदर्शिता लाना
- कैलकर समिति - 2002
  - सिफारिशें :
  - प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों का पुनर्गठन
- राजा चेलैया समिति - 1991
  - सिफारिशें:
  - प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर सुधार
  - प्रत्यक्ष कर प्रणाली को सरल और व्यापक बनाना
  - कर दरों को युक्तिसंगत बनाना।

212 चर्चा में रही महत्वपूर्ण योजनाएं

- प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMJDY)
  - शुरूआत: 28 अगस्त 2014
  - उद्देश्य: बैंकिंग सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना
- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY)
  - शुरूआत: 1 मई 2016
  - उद्देश्य: गरीब परिवारों को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन प्रदान करना, जिससे उनके जीवन में सुधार हो
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY)
  - शुरूआत: 13 जनवरी 2016
  - उद्देश्य: किसानों को फसल नुकसान से बचाने के लिए बीमा सुविधा प्रदान करना
- स्वच्छ भारत मिशन (SBM)
  - शुरूआत : 2 अक्टूबर 2014
  - उद्देश्य: देशभर में स्वच्छता सुनिश्चित करना और खुले में शौच से मुक्ति दिलाना
- प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY)
  - शुरूआत : 25 जून 2015
  - उद्देश्य : 2022 तक सभी के लिए किफायती आवास प्रदान करना (शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में)।
- सुकन्या समृद्धि योजना (SSY)
  - शुरूआत : 22 जनवरी 2015
  - उद्देश्य : बालिकाओ क भविष्य क लिए वित्तीय सुरक्षा और उनकी शिक्षा के लिए बचत को प्रोत्साहित करना।
- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN)
  - शुरूआत : 1 फरवरी 2019
  - उद्देश्य : छोटे और सीमांत किसानों को सालाना 6000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करना।
- आयुष्मान भारत योजना (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना - PMJAY)
  - शुरूआत : 23 सितंबर 2018
  - उद्देश्य : गरीब और वंचित परिवारों को 5 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य बीमा सुविधा प्रदान करना।
- मेक इन इंडिया
  - शुरूआत : 25 सितंबर 2014
  - उद्देश्य : भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाना और रोजगार के अवसर बढ़ाना
- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (PMMY)
  - शुरूआत : 8 अप्रैल 2015
  - उद्देश्य : छोटे व्यवसायों को वित्तीय सहायता प्रदान करना

213 राज्यों का पुनर्गठन

- फजल अली आयोग
  - इस आयोग का गठन 1953 में किया गया तथा इसकी रिपोर्ट 1956 में प्रस्तुत की गई
  - इस आयोग ने भाषा के आधार पर राज्यों के गठन करने की बात अवश्य कही लेकिन साथ ही ये भी जोड़ा की केवल भाषा ही राज्यों के पुनर्गठन का आधार न होगा
  - 7वां संविधान संशोधन 1956 में किया गया ,जो राज्यों के पुनर्गठन के लिए था
  - कुल 14 राज्य व 6 संघ शासित प्रदेश थे।

214 अर्थशास्त्र से संबंधित महत्वपूर्ण शब्दावलियां

- GDP (Gross Domestic Product)सकल घरेलू उत्पाद
  - किसी देश की एक निश्चित अवधि में निर्मित सभी वस्तुओं और सेवाओं का कुल मूल्य
- Inflation (महंगाई)
  - सामान और सेवाओं की कीमतों में वृद्धि, जो मुद्रा के मूल्य में गिरावट का संकेत देती है।
- Deflation (अवमूल्यन)
  - सामान और सेवाओं की कीमतों में गिरावट, जो आमतौर पर आर्थिक मंदी के दौरान होती है।
- Monetary Policy (मौद्रिक नीति)
  - केंद्रीय बैंक द्वारा मुद्रा आपूर्ति और ब्याज दरों के नियंत्रण के माध्यम से अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने की नीति।
- Fiscal Policy (राजकोषीय नीति)
  - सरकार द्वारा करों और सरकारी खर्चों के माध्यम से अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने की नीति।
- Balance of Payments (भुगतान संतुलन)
  - किसी देश की अंतर्राष्ट्रीय लेन-देन का रिकॉर्ड, जिसमें निर्यात, आयात, और वित्तीय प्रवाह शामिल होते हैं।

215 भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य

- RBI भारत का केंद्रीय बैंक है, जिसकी स्थापना हिल्टन यंग आयोग की संस्तुति पर 1 अप्रैल 1935 को हुई।
- RBI का राष्ट्रीयकरण- 1 जनवरी 1949
- इसका मुख्य उद्देश्य मुद्रा नियंत्रण, बैंकिंग प्रणाली का विनियमन, और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है
- RBI की मुद्रा नीति देश में मुद्रास्फीति और मुद्रास्फीतिजन्य दबाव को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है
- रेपो रेट और रिवर्स रेपो रेट का निर्धारण RBI द्वारा किया जाता है, जिससे बैंकिंग प्रणाली में नकदी प्रवाह को नियंत्रित किया जाता है।
- RBI के प्रथम गवर्नर - ऑस बॉर्न स्मिथ
- स्वतंत्र भारत के प्रथम RBI गवर्नर - सीडी देशमुख
- RBI के वर्तमान गवर्नर - शक्तिकांत दास

216 केंद्र - राज्य संबंध से संबंधित अनुच्छेद

- केंद्र राज्यों का संबंध संविधान के भाग 11(अनुच्छेद 245-263) में दिया गया है
- अनुच्छेद 245
  - संसद देश में कानून बना सकती है।
  - विधानमंडल राज्य में कानून बना सकती है।
- अनुच्छेद 246
  - संघ सूची ,राज्य सूची व समवर्ती सूची के विषयों का उल्लेख
- अनुच्छेद 247
  - अतिरिक्त न्यायालय बनाया जा सकता है
- अनुच्छेद 248
  - अवशिष्ट सूची
  - जो विषय बाद में जुड़े जाएंगे वह केंद्र सरकार के विषय में जोड़े जाएंगे। ex-इसरो, डीआरडीओ, साइबर क्राइम आदि
- अनुच्छेद 252
  - दो या दो से अधिक राज्यों की सहमति हो तो संसद राज्य सूची में भी कानून बना सकती है।
- अनुच्छेद 253
  - अंतर्राष्ट्रीय करार या समझौते को प्रभावी बनाने के लिए संसद राज्य सूची में भी कानून बना सकती है।
- अनुच्छेद 254
  - विधानमंडल ऐसा कोई कानून नहीं बनाएगी जो संसद के कानून से असंगत हो या मेल ना खाता हो।
- अनुच्छेद 263
  - अन्तर्राजीय परिषद का उल्लेख।
  - सभी राज्य और यूटी के मुख्यमंत्री की केंद्र सरकार द्वारा वर्ष में तीन बार मीटिंग

217 नार्डिक देश

- Iceland
- Norway
- Denmark
- Sweeden
- Finland

218 भारत की संघीय प्रणाली

- संघ छोटे-छोटे राज्यों से मिलकर बना है जिसमें राज्य अलग नहीं हो सकते। संघ में इकहरी नागरिकता का प्रावधान होता है। जिसमें सभी राज्यों के लिए एक ही संविधान काम करता है
- संघ और उसके क्षेत्र का वर्णन संविधान के भाग 1(अनुच्छेद 1-4) में है
  - अनुच्छेद 1 - भारत, राज्यों का एक संघ (यूनियन)है
  - अनुच्छेद- 2 - संसद,राष्ट्रपति के पूर्व अनुमति पर किसी विदेशी राज्य को भारत में मिला सकती है जैसे -सिक्किम को 35 वां संविधान संशोधन करके सह राज्य बनाया गया तथा 36 वां संविधान संशोधन करके 1975 में सिक्किम को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया। सिकिम भारत का 22वां राज्य था
  - अनुच्छेद 3 - संसद किसी भी राज्य के नाम, सीमा क्षेत्र में परिवर्तन कर सकती है।
  - अनुच्छेद 4 - परिणामी प्रावधानों को स्थापित करने और बदलने के लिए पहली और चौथी अनुसूची के संशोधनों में इन परिवर्तनों को जोड़ने के लिए जिम्मेदार है।

219 देसी रियासतों का भारत में विलय

- 13 देशी रियासतों ने पाकिस्तान में विलय कर लिया
- 552 देशी रियासतें भारत में बची जिसको संघ में मिलने की जिम्मेदारी सरदार पटेल,वीपी मेनन और माउंटबेटन को मिली
- तीन देशी रियासतों ने भारत में मिलने से मना कर दिया लेकिन बाद में वह विभिन्न ऑपरेशनों के तहत भारत में मिल गई
- वे तीन रियासतें हैं - हैदराबाद, जूनागढ़ ,जम्मू कश्मीर
  - हैदराबाद को ऑपरेशन पोलो के तहत भारत में मिलाया गया
  - जूनागढ़ में जनमत संग्रह करवा करके भारत में मिलाया गया
  - जम्मू कश्मीर को एक विलय पत्र पर हस्ताक्षर करवा करके भारत में मिलाया गया

220 आग्नेय चट्टान का रूपांतरण

आग्नेय - कायान्तरित
- ग्रेनाइट - नीस
- साइनाइट - साइनाइट नीस
- ग्रेबो - सरपेंटाइन
- बेसाल्ट - सिस्ट
- बिटुमिनस कोयला - ग्रेफाइट

221 अवसादी चट्टान का रूपांतरण

अवसादी - कायान्तरित
- सपिण्ड - सपिण्ड सिस्ट
- बलुआ पत्थर - क्वार्जाइट
- शेल - स्लेट
- चूना-पत्थर - संगमरमर
- लिग्नाइट कोयला - एंथ्रोसाइट कोयला

222 विश्व के प्रमुख पठार

- माटोग्रासो पठार - ब्राजील
- कोरात का पठार - थाईलैंड
- चियापास पठार - दक्षिणी मैक्सिको
- जाडों पठार - पूर्वी नाइजीरिया
- बोर बोरगा पठार - ब्राज़ील
- तकला माकन पठार - चीन
- शान का पठार - म्यांमार
- पोतवार पठार - पाकिस्तान
- पैटागोनिया का पठार - अर्जेंटीना
- अवीसिनिया पठार - इथियोपिया
- लोएस का पठार - चीन
- उबांगी पठार - मध्य अमेरिका
- कोलंबिया का पठार - संयुक्त राज्य अमेरिका
- ओजार्क पठार - अमेरिका
- अनातोलिया पठार - तुर्की
- तासिली पठार - अल्जीरिया
- बाई का पठार - अंगोला
- अदामावा का पठार - नाइजीरिया
- लॉरेशिया पठार - कनाडा

223 UP के सर्वाधिक व सबसे कम वाले जिले (जननांकीय आँकड़े)

- सर्वाधिक व सबसे कम जनसंख्या वाले जिले
  - प्रयागराज (59,54,351)
  - महोबा (8,75,958)
- सर्वाधिक व सबसे कम जनघनत्व वाले जिले
  - गाजियाबाद (3971)
  - ललितपुर (242)
- सर्वाधिक व सबसे कम साक्षरता वाले जिले
  - गौतमबुद्ध नगर (80.12%)
  - श्रावस्ती (46.74%)
- सर्वाधिक व सबसे कम महिला साक्षरता वाले जिले
  - कानपुर नगर (75.05%)
  - श्रावस्ती (34.78%)
- सर्वाधिक व सबसे कम पुरुष साक्षरता वाले जिले
  - गौतमबुद्ध नगर (88.06%)
  - श्रावस्ती (57.16%)
- सर्वाधिक व सबसे कम दशकीय वृद्धि वाले जिले
  - गौतमबुद्ध नगर (49.%)
  - कानपुर नगर (9.9%)
- सर्वाधिक व सबसे कम लिंगानुपात वाले जिले -
  - जौनपुर (1024)
  - गौतमबुद्ध नगर (851)

224 उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस-वे

- यमुना एक्सप्रेसवे - 165 किमी
- नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे - 25 किमी
- आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे- 302 किमी
- दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे - 96 किमी
- पूर्वांचल एक्सप्रेसवे - 341 किमी
- बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे - 296 किमी
- गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे - 91 किमी
- गंगा-एक्सप्रेस वे - 594 किमी
- लखनऊ - कानपुर एक्सप्रेसवे - 63 किमी
- गाजियाबाद - कानपुर एक्सप्रेसवे - 380 किमी
- गोरखपुर-सिलिगुड़ी एक्सप्रेसवे - 519 किमी
- दिल्ली- सहारनपुर -देहरादून एक्सप्रेसवे - 210 किमी
- गाजीपुर- बलिया- मांझीघाट एक्सप्रेसवे - 117 किमी

225 UP के कुछ प्रमुख नगरों के प्राचीन नाम

- काशी - वाराणसी
- कानकुब्ज नगर, महोदयश्री - कन्नौज
- रामग्राम, गोरक्षपुर - गोरखपुर
- हरिगढ़, कोइल या कोल - अलीगढ़
- कान्हपुर – कानपुर
- पिपरहवा - कपिलवस्तु (सिद्धार्थ नगर)
- लक्ष्मणपुर, लखनपुर - लखनऊ
- कुशीनगर - कुशीनारा
- मधुपुरी – मथुरा

226 राज्यों में अनुच्छेद 371 (A-J) के तहत विशेष प्रावधान

- अनुच्छेद 371 - महाराष्ट्र और गुजरात
- अनुच्छेद 371A - नागालैंड
- अनुच्छेद 371B - असम
- अनुच्छेद 371C - मणिपुर
- अनुच्छेद 371 D,E - आंध्र प्रदेश
- अनुच्छेद 371F - सिक्किम
- अनुच्छेद 371G - मिजोरम
- अनुच्छेद 371H - अरुणाचल प्रदेश
- अनुच्छेद 371 I - गोवा
- अनुच्छेद 371J - हैदराबाद-कर्नाटक

227 भारत निर्वाचन आयोग (अनुच्छेद 324)

- एक स्वायत्त संवैधानिक निकाय है जो भारत में संघ और राज्य चुनाव प्रक्रियाओं का संचालन करता है।
- स्थापना - 25 जनवरी, 1950
- यह देश में लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभाओं, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव का संचालन करता है।
- इसका राज्यों में पंचायतों और नगर पालिकाओं के चुनावों से कोई संबंध नहीं है।
- इसके लिये भारत का संविधान अलग से राज्य चुनाव आयोग का प्रावधान करता है

228 निर्वाचन आयोग से संबंधित संवैधानिक प्रावधान

- भारतीय संविधान का भाग XV (अनुच्छेद 324-329) : यह चुनावों से संबंधित है और इन मामलों हेतु एक आयोग की स्थापना करता है
- अनुच्छेद 324 : चुनाव का अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण चुनाव आयोग में निहित है
- अनुच्छेद 325 : धर्म, जाति या लिंग के आधार पर किसी भी व्यक्ति विशेष को मतदाता सूची में शामिल न करने और इनके आधार पर मतदान के लिये अयोग्य नहीं ठहराने का प्रावधान
- अनुच्छेद 326 : लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव वयस्क मताधिकार पर आधारित होंगे।
- अनुच्छेद 327 : विधानसभाओं के चुनाव के संबंध में प्रावधान करने की संसद की शक्ति
- अनुच्छेद 328 : ऐसे विधानमंडल के चुनावों के संबंध में प्रावधान करने के लिये राज्य के विधानमंडल की शक्ति
- अनुच्छेद 329 : चुनावी मामलों में अदालतों के हस्तक्षेप पर रोक

229 राज्य पुनर्गठन से संबंधित आयोग

- धर आयोग (एस.के धर.1947-48)
  - राज्यों का पुनर्गठन मात्र भाषा के आधार पर नहीं होना चाहिए
- जे.वी.पी. समिति (जवाहरलाल नेहरु, बल्लभभाई पटेल, पट्टाभिसीतारमैया 1948)
  - राज्यों के पुनर्गठन में देश की सुरक्षा, एकता और आर्थिक समृद्धि को ध्यान में रखा जाना चाहिए.
- राज्य पुनर्गठन आयोग 1956 (सैयद फजल अली, हृदयनाथ कुजरू, के.एम. पणिक्कर,)
  - राज्यों के पुनर्गठन के लिए भाषा के आधार को स्वीकार किया, इसी के आधार पर राज्य पुनर्गठन अधिनियम बनाया गया.

230 वेलेजली की सहायक संधि को स्वीकार करने वाले राज्य

- हैदराबाद (1798; 1800)
- मैसूर (1799)
- तंजौर (अक्टूबर 1799)
- अवध (नवंबर 1801)
- पेशवा (दिसंबर 1801)
- बरार के भोंसले (दिसंबर 1803)
- सिंधिया (फरवरी 1804)
- जोधपुर (1818) ,जयपुर (1818) ,मच्छेरी (1818), बुंदी (1818), भरतपुर (1818)

231 समितियों/आयोगों का नाम, वर्ष, गवर्नर-जनरल/वायसराय

- स्कॉट-मोनक्रिफ आयोग- 1901- लॉर्ड कर्जन - सिंचाई
- बैबिंगटन स्मिथ आयोग - 1919- लॉर्ड चेम्सफोर्ड- मुद्रा
- हंटर कमेटी रिपोर्ट- 1919- लॉर्ड चेम्सफोर्ड - पंजाब विवाद
- मुडीमन कमिटी- 1924- लॉर्ड रीडिंग- मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों के द्वैध शासन की कार्यप्रणाली के परीक्षण हेतु
- बटलर आयोग- 1927 - लॉर्ड इरविन - भारतीय राज्य से संबंधित
- साइमन कमीशन - 1928 - लॉर्ड इरविन- शासन योजना की प्रगति की जांच करने एवं सुधार के लिए नए कदम सुझाने हेतु
- व्हिटले आयोग- 1929 - लॉर्ड इरविन - श्रम
- सप्रू आयोग- 1935 - लॉर्ड लिनलिथगो - बेरोजगारी
- हिल्टन यंग आयोग- 1939- लॉर्ड लिनलिथगो- मुद्रा
- चैटफील्ड आयोग - 1939 - लॉर्ड लिनलिथगो- सेना
- फ्लाउड आयोग - 1940 - लॉर्ड लिनलिथगो - बंगाल में काश्तकारी

232 सिंधु घाटी सभ्यता में बंदरगाह शहर

- बालाकोट
- सुत्कंगेंडोर
- नागेश्वर
- लोथल

233 भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI)

- वैधानिक निकाय
- स्थापना - सितंबर 2008, खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 (एफएसएस अधिनियम) के तहत
- संचालित - स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत
- मुख्यालय - नई दिल्ली
- छह क्षेत्रीय कार्यालय - दिल्ली, गुवाहाटी, मुंबई, कोलकाता, कोचीन और चेन्नई
- संरचना - अध्यक्ष और 22 सदस्य जिनमें से एक तिहाई महिलाएँ होंगी
- FSSAI भारत में खाद्य प्रमाणन के लिए जिम्मेदार है
- कार्य -
  - दिशानिर्देश और मानक बनाना
  - लाइसेंस प्रदान करना
  - ऑडिट आयोजित करना
  - खाद्य सुरक्षा के बारे में साक्षरता
  - रिकॉर्ड और जानकारी बनाए रखें
  - सरकार को सूचित रखना

234 पर्वत निर्माण से सम्बधित प्रमुख सिद्धान्त/विद्वान

- पर्वत निर्माण का भूस्खलन सिद्धांत - कोबर
- तापीय संकुचन सिद्धान्त - जेफ्रीज
- महाद्वीपीय फिसलन सिद्धान्त - डेली
- महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धान्त - वेगनर
- संवहन तरंग सिद्धान्त - होम्स
- रेडियो एक्टिविटी सिद्धान्त - जोली
- प्लेट विवर्तनिकी सिद्धान्त - मॉर्गन,हैरी हेस, मैकेंजी, पार्कर,

234 अंडमान निकोबार के द्वीप (उत्तर से दक्षिण क्रम में)

नॉर्थ अंडमान
↓
मिडिल अंडमान
↓
साउथ अंडमान
↓
लिटिल अंडमान
↓
कार निकोबार
↓
लिटिल निकोबार
↓
ग्रेट निकोबार

235 दक्षिण भारत की महत्वपूर्ण नदियों से संबंधित तथ्य

- दक्षिण भारत की नदियों की लंबाई का क्रम
  - गोदावरी > कृष्णा > नर्मदा > महानदी > कावेरी
- दक्षिण भारत की प्रमुख नदियां और उनकी सहायक नदियां :-
  - गोदावरी :- पूर्णा,प्राणहिता,वेनगंगा, पेनगंगा और वर्धा, मंजीरा, इंद्रावती
  - कृष्णा :- तुंगभद्रा,कोयना, घटप्रभा, मूसी,भीमा, मालप्रभा, पंचगंगा, दुधगंगा आदि
  - कावरी -: अमरावती,भवानी, हमवती, काबिनी आदि
  - महानदी :- शिवनाथ,हसदेव, इब,तेल

236 गाय और भैंस की नस्लें

- गाय की नस्लें :
  - गिर, साहीवाल, लाल सिंधी, हल्लीकर,
  - अमृतमहल, खिल्लारी, कंगायम, अम्बलाचेरी,
  - पुलिकुलम, आलमबडी थारपारकर, हरियाना,
  - देवनी, ओंगोल, कृष्णा वैली, गंगातीरी, गौलाओ
- भैंस की नस्लें :
  - बन्नी, बरगुर, छत्तीसगढ़ी, चिलिका,
  - गोजरी, कालाहांडी, लुइत (SWAMP),मराठवाड़ी
  - मेस्सा, मुर्रा, सुरती, जाफराबादी, भदावरी,
  - नीली रावी, मेहसाणा, नागपुरी, टोडा
- विदेशी गाय की नस्लें :
  - जर्सी, होल्स्टीन फ्रीज़ियन,
  - ब्राउन स्विस, रेड डेन, आयरशायर,
  - ग्वेर्नसे, अंकोल, नर्मंडे, सिमेंटल

237 मवेशियों की शीर्ष 10 विदेशी नस्लें

1. सिरोही
2. जखराना
3. सुरति
4. मेहसाणा
5. चेगू
6. कच्छी बकरी
7. अट्टापडी काला
8. कन्नी आदु
9. बरारी

238 बकरियों की नसलें

- विदेशी बकरी की नस्लें :-
  - बोअर
  - अल्पाइन
  - सानेन
  - टोगेनबर्ग
  - एंग्लो-न्युबियन
- देशी बकरी की नस्लें :
  - जमुनापारी
  - बर्बरी
  - बीटल
  - मालाबारी
  - उस्मानाबादी
  - काला बंगाल

239 शिक्षा से संबंधित महत्त्वपूर्ण योजनायें

- अनौपचारिक शिक्षा योजना - 1975
- आपरेशन ब्लैकबोर्ड - 1987
- सम्पूर्ण साक्षरता अभियान - 1991
- मिड डे मील योजना - 1995
- कल्प शिक्षा योजना - 1998
- शिक्षा मित्र योजना - 2000-01
- सर्वशिक्षा अभियान - 2001
- विद्या वाहिनी प्रोजेक्ट - 2003
- कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय योजना - 2004
- साक्षर भारत मिशन - 2009

240 सहारा मरुस्थल का विस्तार इन 11 देशों में है

- मोरक्को
- अल्जीरिया
- चाड
- लीबिया
- माली
- मॉरिटानिया
- मिस्र
- पश्चिमी सहारा
- नाइजर
- सूडान
- ट्यूनीशिया

241 विश्व के महाद्वीप और उनके सर्वोच्च पर्वत

- उत्तर अमेरिका महाद्वीप की सर्वोच्च पर्वत चोटी - माउण्ट मैकिनले
- दक्षिण अमेरिका महाद्वीप का सर्वोच्च पर्वत - माउण्ट एकांकागुआ
- अफ्रीका महाद्वीप का सर्वोच्च पर्वत शिखर है - माउण्ट किलिमंजारो
- अंटार्कटिका महाद्वीप का सर्वोच्च पर्वत शिखर है - माउण्ट विन्सन मैसिफ
- एशिया महाद्वीप का सर्वोच्च पर्वत शिखर है - माउण्ट एवरस्ट
- यूरोप महाद्वीप का सर्वोच्च पर्वत शिखर है - माउण्ट एल्ब्रुश
- ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप का सर्वोच्च पर्वत शिखर है - माउण्ट कोस्यूस्को

242 महत्वपूर्ण प्लेटें/सम्मिलित भाग

- अंटार्कटिक प्लेट
  - अंटार्कटिक महाद्वीप + अंटार्कटिका को चारों ओर से घेरती हुई महासागरीय प्लेट
- उत्तरी अमेरिका प्लेट
  - उत्तरी-पश्चिमी अटलांटिक महासागर + उत्तर अमेरिका महाद्वीप
- दक्षिणी अमेरिकी प्लेट
  - दक्षिण अमेरिका महाद्वीप + दक्षिणी-पश्चिमी अटलांटिक महासागर
- प्रशांत महासागरीय प्लेट
  - प्रशांत महासागरीय नितल
- इंडो-आस्ट्रेलियन प्लेट
  - भारत + आस्ट्रेलिया + हिंद महासागर
- अफ्रीकन प्लेट
  - अफ्रीका महाद्वीप + पूर्वी अटलांटिक महासागर + पश्चिमी हिंद महासागर
- यूरेशियन प्लेट
  - यूरोप + एशिया + पूर्वी अटलांटिक महासागर

243 विश्व का मरुस्थल और उनके विस्तार देश/क्षेत्र:-

- अटाकामा मरुस्थल - चिली, पेरू, बोलिविया, अर्जेंटीना
- कालाहारी मरुस्थल - बोत्सवाना, नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका
- अरब मरुस्थल - जॉर्डन, इराक, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, यमन
- गोबी मरुस्थल - मंगोलिया, चीन
- `ट विक्टोरिया मरुस्थल - ऑस्ट्रेलिया
- पेटागोनियन मरुस्थल - अर्जेंटीना, चिली
- थार मरुस्थल - भारत, पाकिस्तान
- सीरियाई मरुस्थल - सऊदी अरब, जॉर्डन, सीरिया, इराक
- चिहुआहुआ मरुस्थल - मेक्सिको, संयुक्त रा य अमेरिका

244 प्रमुख झील और उनका विस्तारित क्षेत्र

- कैस्पियन सागर - कजाखस्तान, रूस, तुर्कमेनिस्तान, अजरबैजान तथा ईरान
- सुपीरियर झील - कनाडा तथा संयुक्त राज्य अमेरिका
- विक्टोरिया झील - युगाण्डा, तंजानिया तथा केन्या
- टेंगानिका झील - कांगो, तंजानिया, जाम्बिया तथा बुरुंडी

245 ज्वालामुखी से निकलने वाली गैसें

- जलवाष्प (H2O)
- कार्बनडाइऑक्साइड (CO_2)
- हाइड्रोजन (H)
- हाइड्रोजन सल्फाइड (H2S)
- कार्बन मोनोऑक्साइड (CO)
- हाइड्रोजन क्लोराइड (HCL)
- हीलियम (He)
- सल्फर डाईऑक्साइड (SO2)

246 न्यूटन के गति के 3 नियम

- भौतिक विज्ञानी और खगोलशास्त्री सर आइजैक न्यूटन ने 1687 में अपने मौलिक कार्य "फिलॉसफी नेचुरलिस प्रिंसिपिया मैथमेटिका" (प्राकृतिक दर्शन के गणितीय सिद्धांत) में गति के नियमों को पेश किया
- प्रथम नियम(जड़त्व का नियम) - कोई वस्तु तब तक अपनी गति अथवा विरामावस्था में होती है जब तक कि उस पर कोई बाह्य बल न आरोपित किया जाए।
- द्वितीय नियम - संवेग में परिवर्तन की दर आरोपित बल के समानुपाती होती है एवं परिवर्तन उसी दिशा में होता है, जिस दिशा में बल आरोपित किया जाता है अर्थात् - F=ma
- तृतीय नियम (क्रिया-प्रतिक्रिया का नियम) - प्रत्येक क्रिया के विपरीत और बराबर प्रतिक्रिया होती है। जैसे-बन्दुक से गोली छोड़ते समय पीछे की ओर झटका लगना. रॉकेट का आगे बढ़ना आदि.

247 ऊर्जा रूपांतरित करने वाले उपकरण

- डायनेमो - यांत्रिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में
- माइक्रोफोन - ध्वनि ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में
- लाउडस्पीकर - विद्युत ऊर्जा को ध्वनि ऊर्जा में
- सोलर सेल - सौर ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में
- ट्यूबलाइट - विद्युत ऊर्जा को प्रकाश ऊर्जा में
- विद्युत मोटर - विद्युत ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में
- विद्युत बल्ब - विद्युत ऊर्जा को प्रकाश और ऊष्मा ऊर्जा में
- विद्युत सेल - रासायनिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में
- सितार - यांत्रिक ऊर्जा को ध्वनि ऊर्जा में

248 पूर्ण आन्तरिक परावर्तन के कारण घटने वाली घटनायें

- हीरे का चमकना
- रेगिस्तान में मरीचिका (Mirage) व ठण्डे प्रदेशों में
- मरीचिका (Mirage) का दिखाई पड़ना
- काँच का चटका हुआ भाग का चमकीला दिखाई पड़ना
- प्रकाशिक तन्तु (optical fibers)
- पानी में हवा भरे बुलबुले का चमकना
- कालिख से पुता हुआ गोला

249 विज्ञान के महत्वपूर्ण नियम

- पास्कल का सिद्धांत:
  - पास्कल का नियम तरल पदार्थ-दबाव के संचरण का सिद्धांत है।
  - इसके अनुसार "सीमित तरल पदार्थ के एक बिंदु में कहीं भी लगाया गया दबाव पूरे तरल पदार्थ में सभी दिशाओं में समान रूप से फैलता है"
  - पास्कल के नियम पर आधारित कुछ यंत्र: हाइड्रोलिक लिफ़्ट, हाइड्रोलिक प्रेस, हाइड्रोलिक ब्रेक.
- हुक का नियम
  - प्रत्यास्था सीमा के अन्दर प्रतिबल सदैव विकृति के समानुपाती होता है।
  - यंग का मापांक, त्वचा की कठोरता या इसके विकृत होने की संभावना को बताता है
- आर्कमिडीज का सिद्धांत
  - किसी द्रव में डूबे किसी ठोस पर लगा उत्क्षेप, ठोस द्वारा हटाए गए द्रव के भार के बराबर होता है।
  - आर्किमिडीज़ के सिद्धांत का इस्तेमाल हाइड्रोमीटर, जहाज़, और सबमरीन बनाने में किया जाता है.
- बॉयल का नियम
  - किसी निश्चित तापक्रम पर किसी गैस को दी गई मात्रा का आयतन उसके दाब के व्युत्क्रमानुपाती होता है।

250 महासागरों में अवस्थित प्रमुख द्वीप

- ग्रीनलैंड – आर्कटिक महासागर
- न्यूगिनी – पश्चिमी प्रशांत महासागर
- बोर्नियो – हिंद महासागर
- मेडागास्कर – हिंद महासागर
- बेफिन द्वीप – उत्तरी आर्कटिक महासागर
- जावा द्वीप – हिंद महासागर
- सुमात्रा द्वीप – हिंद महासागर
- होंशू द्वीप – उत्तरी प्रशांत महासागर
- ब्रिटेन – उत्तरी अटलांटिक महासागर
- क्यूबा – कैरेबियन सागर
- आइसलैंड – उत्तरी अटलांटिक महासागर
- आयरलैंड – उत्तरी अटलांटिक महासागर
- श्रीलंका – हिंद महासागर
- तस्मानिया – द. प. प्रशांत महासागर
- विक्टोरिया द्वीप – उत्तरी ध्रुव महासागर
- उत्तरी द्वीप – दक्षिण पश्चिम प्रशांत महासागर
- दक्षिण द्वीप – दक्षिण पश्चिम प्रशांत महासागर
- सुलोवेसी द्वीप – हिंद महासागर
- ईलिसमेरे द्वीप – उत्तरी ध्रुव महासागर

251 विश्व की प्रमुख ठण्डी जलधाराएं

- बेंगुला धारा
  - दक्षिणी अटलांटिक महासागर में एकमात्र ठंडी जलधारा बेंगुला बहती है। बेंगुला जलधारा दक्षिण अफ्रीका के पश्चिमी तट के सहारे दक्षिण से उत्तर की ओर बहती है।
- कनारी धारा
  - यह जलधारा उत्तर-पश्चिमी अफ्रीका के पश्चिमी भाग में उत्तर से दक्षिण की दिशा में प्रवाहित होने वाली ठंडी जलधारा है।
- पेरुवियन या हम्बोल्ट धारा
  - यह दक्षिण पूर्वी प्रशांत महासागर में दक्षिण अमेरिका महाद्वीप के पश्चिमी भाग में प्रवाहित होने वाली ठंडी जलधारा है।

252 विश्व की प्रमुख गर्म जलधाराएं

- गल्फ स्ट्रीम
  - फ्लोरिडा की धारा जब एण्लीस धारा मे मिलकर हेटरास अंतरीप से आगे बढ़ती है तो ये गल्फस्ट्रीम कहलाती है। यह एक गर्म जलधारा है। यह सं. रा. अमेरिका के पूर्वी तट के सहारे प्रवाहित होती है। गल्फ स्ट्रीम धारा की खोज साल 1513 में पोंस डि लियोन ने की थी।
- ब्राजील धारा
  - ब्राजील धारा ब्राजील तट के पूर्वी भाग में उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है। यह एक गर्म जलधारा है।
- अगुलहास
  - अगुलहास की धारा हिंद महासागर में उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है। यह एक गर्म जलधारा है।

253 विश्व की कुछ प्रमुख नहरें

- एरी नहर
  यह संयुक्त रा य अमेरिका की पहली नहर थी. यह अल्बानी में हडसन नदी के ज़रिए ट लेक्स को न्यूयॉर्क शहर से जोड़ती है.
- स्वेज नहर
  इसका निर्माण 1869 में हुआ था और यह यूरोप से एशिया के बीच का सबसे छोटा समुद्री मार्ग है। यह मिस्र में स्थित एक कृत्रिम समुद्र-स्तरीय जलमार्ग है. यह भूमध्य सागर को लाल सागर से जोड़ती है और एशिया और अफ्रीका को अलग करती है.
- हैंड ड्रुंग ैंड कैनाल
  यह चीन की सबसे लंबी मानवनिर्मित नहर है. यह बीजिंग से झेजियांग प्रांत के हेंगझोउ शहर को जोड़ती है. इसकी लंबाई 1,800 किलोमीटर है.
- पनामा नहर
  यह पनामा में स्थित एक कृत्रिम जलमार्ग है. यह अटलांटिक महासागर को प्रशांत महासागर से जोड़ती है.इसका निर्माण 1914 में पूरा हुआ था। इसकी लंबाई 82 किलोमीटर है.

254 महत्वपूर्ण गवर्नर-जनरल और वायसराय से संबंधित महत्वपूर्ण घटनाएँ

- वॉरेन हेस्टिं स (1773-1785)
  - बंगाल के पहले गवर्नर-जनरल
  - 1773 का रेगुलेटिंग एक्ट
  - 1784 का पिट्स इंडिया एक्ट
  - रोहिल्ला यु (1774)
- लॉर्ड कॉर्नवालिस (1786-1793)
  - तृतीय मैसूर यु (1790-92)
  - श्रीरंगपट्टनम की संधि (1792)
  - कॉर्नवालिस संहिता (1793)
  - बंगाल का स्थायी बंदोबस्त (1793)
- लॉर्ड वेलेस्ली (1798-1805)
  - सहायक गठबंधन प्रणाली की शुरूआत (1798)
  - चतुर्थ मैसूर युद्ध (1799)
  - द्वितीय मराठा युद्ध (1803-05)
- लॉर्ड हेस्टिंग्स (1813-1823)
  - एंग्लो-नेपाल युद्ध (1814-16)
  - सागौली की संधि (1816)
  - तृतीय मराठा युद्ध (1817-19)
  - मराठा संघ का विघटन
  - रैयतवाड़ी प्रणाली की स्थापना (1820)
- लॉर्ड विलियम बेंटिक (1828-1835)
  - भारत क पहल गवनर-जनरल
  - सती प्रथा का उन्मूलन (1829)
  - 1833 का चार्टर अधिनियम
  - उन्होंने 1835 में कलकत्ता मेडिकल कॉलेज खोला
- लॉर्ड डलहौजी (1848-1856)
  - द्वितीय आंग्ल-सिख युद्ध (1848-49)
  - निचले बर्मा पर कब्ज़ा (1852)
  - व्यपगत सिद्धांत (हड़प नीति) की शुरूआत
  - वुड्स डिस्पैच (1854)
  - बॉम्बे और ठाणे को जोड़ने वाली पहली रेलवे लाइन (1853)
- लॉर्ड कैनिंग (1856-1862)
  - 1857 का विद्रोह
  - कलकत्ता, मद्रास और बॉम्बे में विश्वविद्यालयों की स्थापना (1857)
  - ईस्ट इंडिया कंपनी का उन्मूलन और क्राउन को नियंत्रण का हस्तांतरण (भारत सरकार अधिनियम, 1858)
  - भारतीय परिषद अधिनियम 1861
- लॉर्ड जॉन लॉरेंस (1864-1869)
  - भूटान युद्ध (1865)
  - कलकत्ता, बॉम्बे और मद्रास में उच्च न्यायालयों की स्थापना (1865)
  - ओडिशा, राजपुताना और बुंदेलखंड में भयंकर अकाल
  - अकाल आयोग
  - यूरोप और भारत के बीच टेलीग्राफ लाइनों का प्रारंभ
  - पंजाब काश्तकारी अधिनियम

- लॉर्ड लिटन (1876-1880)
  - वर्नाकुलर प्रेस एक्ट (1878)
  - आर्म्स एक्ट (1878)
  - द्वितीय अफगान युद्ध (1878-80)
  - रानी विक्टोरिया ने 'कैसर-ए-हिंद' की उपाधि धारण की

255 जैन धर्म से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य

- महावीर स्वामी का जन्म हुआ था - कुंडग्राम/कुंडलपुर में
- महावीर जैन की मृत्यु हुई थी - पावापुरी में
- तीर्थंकर शब्द संबंधित है - जैन से
- जैन तीर्थंकरों के क्रम में अंतिम थे - महावीर
- किस नदी तट पर महावीर स्वामी को ज्ञान प्राप्त हुआ - ऋजुपालिका नदी तट पर

256 जैन धर्म के 24 तीर्थंकर

- जैन धर्म में कुल 24 तीर्थंकर माने जाते हैं, जिन्होंने समय-समय पर जैन धर्म का प्रचार-प्रसार किया। ये हैं -

1. ऋषभदेव	2. अजितनाथ
3. संभवनाथ	4. अभिनंदन
5. सुमतिनाथ	6. पद्मप्रभु
7. सुपार्श्वनाथ	8. चंद्रप्रभ
9. पुष्पदंत (सुविधिनाथ)	10. शीतलनाथ
11. श्रेयांसनाथ	12. वासुपूज्य
13. विमलनाथ	14. अनंतनाथ
15. धर्मनाथ	16. शांतिनाथ
17. कुंथुनाथ	18. अरनाथ
19. मल्लिनाथ	20. मुनिसुब्रत
21. नमिनाथ	22. नेमिनाथ या अरिष्टनेमि
23. पार्श्वनाथ	24. महावीर स्वामी

257 जैन तीर्थंकर तथा उनके निर्वाण प्राप्ति स्थल

- ऋषभनाथ - अष्टापद
- वासुपूज्य - चम्पापुरी
- नेमिनाथ - ऊर्जयंत
- महावीर - पावापुरी
- अरिष्टनेमि - गुजरात(गिरनार की पहाड़ियों)

258 जैन तीर्थंकर और उनके प्रतीक चिह्न

- ऋषभदेव - बैल
- अजितनाथ - हाथी
- संभवनाथ - अश्व
- पद्मप्रभ - कमल
- सुपार्श्वनाथ - स्वास्तिक
- मल्लिनाथ - कलश
- नमिनाथ - नीलकमल
- नेमिनाथ - शंख
- पार्श्वनाथ - सप
- महावीर स्वामी - सिह

259 प्राचीन भारत के वंश और उनके शासक

- नन्द वंश
  - संस्थापक - महापद्म या उग्रसेन
  - अंतिम शासक - धनानंद
- मौर्य वंश
  - संस्थापक - चंद्रगुप्त मौर्य
  - अंतिम शासक - बृहद्रथ
- गुप्त वंश
  - संस्थापक - चंद्रगुप्त प्रथम
  - अंतिम शासक - स्कंदगुप्त
- शुंग वंश
  - संस्थापक - पुष्यमित्र शुंग
  - अंतिम शासक - देवभूमी
- सातवाहन वंश
  - संस्थापक - सिमुक
  - अंतिम शासक - यज्ञ शातकर्णी
- (वतापी के) चालुक्य वंश
  - संस्थापक - पुलकेशिन् प्रथम
  - अंतिम शासक - कीर्तीवर्मन चालुक्य

260 भारत के आगामी लक्ष्य वर्ष

- विकसित भारत का लक्ष्य - 2047
- हाइड्रो फ्लोरो कार्बन (HFC) के उपयोग को 80% तक कम करने का लक्ष्य - 2047
- भारत को ऊर्जा स्वतंत्र/आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य-2047
- भारत कि परमाणु ऊर्जा क्षमता को 1 लाख मेगावाट तक बढ़ाने का लक्ष्य - 2047
- पोत निर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करने का लक्ष्य - 2047
- मुंबई शहर में शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य-2050
- भारत द्वारा नेट जीरो का लक्ष्य - 2070

261 2030 के लिए भारत का आगामी लक्ष्य

- 100 मीट्रिक टन कोयला गैसीकरण प्राप्त करने का लक्ष्य
- 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा प्राप्त करने का लक्ष्य
- 280 गीगावाट सौर ऊर्जा प्राप्त करने का लक्ष्य
- कुल कार्बन उत्सर्जन में एक अरब टन की कमी
- कुल वाहन में 30% इलेक्ट्रिक वाहन करने का लक्ष्य
- भारत से पूर्ण रुप से मलेरिया उ ूलन
- HIV एड्स को खत्म करने का लक्ष्य
- भारतीय रेलवे को नेट जीरो कार्बन एमिशन या Green रेलवे बनाने का लक्ष्य

262 महत्वपूर्ण विदेशी यात्री / दूत

- मेगस्थनीज (302-298 ईसा पूर्व) : सेलेकस निकेटर का राजदूत
- फा-हियान (405-411 ईस्वी) : वह चंद्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य के शासनकाल में भारत आया था।
- ह्वेन-त्सांग (630-645 ईस्वी) : वह हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत आया था।
- इत्सिंग (671-695 ईस्वी) : एक चीनी यात्री
- अल-मसुदी (957 ईस्वी) : एक अरब यात्री, पुस्तक- 'मुरुज-उल-जेहाब'
- अल-बरूनी (1024-1030 ईस्वी) : महमूद गजनवी, पुस्तक- किताब उल हिंद

263 भारत में मुद्रा आपूर्ति के चार मानदंड M1, M2, M3,M4

- M1 (संकुचित मुद्रा/नैरो मनी)
  - इसमें सबसे तरल संपत्तियां होती हैं, जिन्हें तुरंत नकद में बदला जा सकता है।

  इसमें शामिल होते है:
  - चलन में मौजूद नकदी (जैसे नोट और सिक्के)
  - मांग जमाएं (बैंक के चालू खाते और बचत खाते)
  - अन्य निकासी योग्य जमा (जैसे बैंक ट्रांसफर या डिमांड ड्राफ्ट)
  - M1 सीधे इस्तेमाल की जा सकने वाली मुद्रा है, जो सबसे अधिक तरल होती है।
- M2 (M1 + डाकघर बचत खाता)
  - इसमें M1 के सभी घटक शामिल होते हैं।
  - साथ ही, इसमें डाकघर के बचत खाते (पोस्ट ऑफिस सेविंग्स) भी जोड़े जाते हैं।
  - यह थोड़ा कम तरल होता है, लेकिन फिर भी आसानी से नकदी में बदला जा सकता है
- M3 (M1 + दीर्घकालिक जमा)
  - M3 को "व्यापक मुद्रा" (ब्रॉड मनी) कहा जाता है।
  - इसमें M1 के सभी घटक होते हैं, और इसके साथ बैंक की दीर्घकालिक जमाएं (फिक्स्ड डिपॉजिट, जो एक निश्चित अवधि के बाद ही निकाली जा सकती हैं) भी शामिल की जाती हैं।
- M4 (M3 + डाकघर की अन्य जमा):
  - M4 सबसे व्यापक मुद्रा आपूर्ति माप है।
  - इसमें M3 के सभी घटक शामिल होते हैं।
  - इसके साथ ही, डाकघर की अन्य जमाएं (जैसे समय जमा) भी जोड़ी जाती हैं।
  - यह बहुत कम तरल होता है क्योंकि इसमें ऐसी जमाएं शामिल होती हैं जो तुरंत नकदी में नहीं बदली जा सकतीं

- M1: सबसे अधिक तरल मुद्रा (नकद, मांग जमाएं)
- M2: M1 + डाकघर की बचत जमाएं(थोड़ी कम तरल) संपत्ति
- M3: M1 + लंबी अवधि की बैंक जमाएं ,M3 की तरलता M1 और M2 से कम (फिक्स्ड डिपॉजिट)
- M4: M3 + डाकघर की अन्य लंबी अवधि की जमाएं (सबसे कम तरल)

264 प्रमुख किसान आंदोलन

- बार्दोली सत्याग्रह (1928)
  - नेतृत्व: सरदार वल्लभभाई पटेल
  - स्थान: गुजरात के बर्दोली क्षेत्र
  - कारण: अंग्रेजों द्वारा किसानों पर 22% लगान (लैंड टैक्स) बढ़ा दिया गया था, जो किसानों के लिए असहनीय था।
  - परिणाम: सरदार पटेल के नेतृत्व में किसानों ने संगठित होकर कर का भुगतान करने से इनकार कर दिया। आंदोलन सफल रहा, और सरकार को कर वृद्धि वापस लेनी पड़ी। इस आंदोलन के बाद सरदार पटेल को "सरदार" की उपाधि दी गई

- चंपारण सत्याग्रह (1917)
  - नेतृत्व: महात्मा गांधी
  - स्थान: बिहार के चंपारण जिले
  - कारण: अंग्रेजों द्वारा 'तिनकठिया' व्यवस्था के तहत किसानों को अपनी भूमि के एक हिस्से पर नील की खेती करने के लिए मजबूर किया जा रहा था, जिससे किसान आर्थिक रूप से कमजोर हो रहे थे।
  - परिणाम: गांधीजी ने सत्याग्रह के माध्यम से किसानों की मांगों को प्रमुखता से उठाया, और अंततः ब्रिटिश सरकार को 'तिनकठिया' प्रथा को समाप्त करना पड़ा।
  - यह महात्मा गांधी का भारत में पहला सफल सत्याग्रह था।

- खेड़ा सत्याग्रह (1918)
  - नेतृत्व: महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल
  - स्थान: गुजरात के खेड़ा जिले
  - कारण: भीषण अकाल के बाद भी अंग्रेज सरकार ने किसानों पर लगान की मांग की। किसान इस भारी कर का भुगतान करने में असमर्थ थे।
  - परिणाम: सत्याग्रह के परिणामस्वरूप सरकार को कर वसूली स्थगित करनी पड़ी और किसानों को राहत मिली।

- तेभागा आंदोलन (1946-47)
  - स्थान: बंगाल
  - कारण: किसान (किरायेदार) जमींदारों को फसल का आधा हिस्सा देने के बजाय सिर्फ एक-तिहाई देने की मांग कर रहे थे।
  - परिणाम: यह आंदोलन व्यापक रूप से सफल रहा और बंगाल में भू-स्वामी कानून में सुधार हुए। इससे किरायेदार किसानों की स्थिति में सुधार हुआ

- मोपला विद्रोह (1921)
  - स्थान: मालाबार, करल
  - कारण: यह आंदोलन मुस्लिम मोपला किसानों द्वारा जमींदारों और ब्रिटिश सरकार के खिलाफ किया गया था, जो उन्हें भूमि और कर व्यवस्था में भारी शोषण का सामना करना पड़ रहा था।
  - परिणाम: यह आंदोलन धार्मिक और सामाजिक संघर्ष में बदल गया, जिसमें कई जानें गईं। आंदोलन सफल नहीं हुआ, लेकिन इसने किसान आंदोलन के इतिहास में अपनी जगह बनाई।

265 प्रमुख जनजातीय विद्रोह

- कोल विद्रोह (1831-1832)
  - स्थान: छोटा नागपुर, झारखंड
  - कारण: कोल जनजाति के लोग ब्रिटिशों द्वारा उनकी भूमि छीनने और बाहरी जमींदारों के अत्याचारों से पीड़ित थे। बाहरी लोगों के भूमि अधिग्रहण और ब्रिटिश कर व्यवस्था ने कोल लोगों को विद्रोह के लिए प्रेरित किया।
  - नेतृत्व: इस आंदोलन का नेतृत्व बुधु भगत और उनके साथियों ने किया।
  - परिणाम: विद्रोह को दबा दिया गया, लेकिन यह ब्रिटिश प्रशासन को यह समझाने में सफल रहा कि जनजातीय क्षेत्रों में बाहरी हस्तक्षेप से असंतोष बढ़ सकता है।

- सन्थाल विद्रोह (1855-1856)
  - स्थान: बिहार और पश्चिम बंगाल के संथाल परगना क्षेत्र
  - कारण: संथाल जनजाति ने अं ेजों की अत्यधिक कर नीतियों, जमींदारों के शोषण और साहूकारों की अत्याचारपूर्ण हरकतों के खिलाफ विद्रोह किया।
  - नेतृत्व: सिदो और कान्हू मुर्मू ने इस आंदोलन का नेतृत्व किया।
  - परिणाम: संथालों ने अं ेजों के खिलाफ हिंसक प्रतिरोध किया, लेकिन अंततः उन्हें दबा दिया गया। इस विद्रोह के बाद संथाल परगना के गठन के रूप में कुछ प्रशासनिक सुधार किए गए।

- भील विद्रोह (1818-1831)
  - स्थान : राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश
  - कारण : ब्रिटिश सरकार की वन और कर नीतियों के कारण भील जनजाति के पारंपरिक जीवन पर संकट आ गया था। जमींदारों और साहूकारों द्वारा उनके आर्थिक शोषण के खिलाफ भील समुदाय ने विद्रोह किया।
  - नेतृत्व : भील नेता गोविंद गुरु ने इस आंदोलन का नेतृत्व किया।
  - परिणाम : भीलों ने कई वर्षों तक संघर्ष किया, लेकिन अंततः ब्रिटिशों ने इस विद्रोह को दबा दिया। हालांकि, इस आंदोलन ने जनजातीय अधिकारों की रक्षा के लिए प्रेरणा दी

- हो विद्रोह (1820-1827)
  - स्थान : छोटा नागपुर (अब झारखंड)
  - कारण : हो जनजाति ने अपने क्षेत्र में ब्रिटिश उपनिवेशवाद और जमींदारों द्वारा किए जा रहे शोषण के खिलाफ विद्रोह किया। यह क्षेत्र पहले मुगल और बाद में मराठों के अधीन था, लेकिन ब्रिटिशों के आगमन के बाद स्थिति और खराब हो गई।
  - परिणाम : ब्रिटिश सरकार ने इस विद्रोह को कठोरता से दबाया, लेकिन हो जनजाति की संघर्षशीलता ने आगे के जनजातीय आंदोलनों को प्रेरित किया।

266 महत्वपूर्ण विदेशी यात्री / दूत

- मेगस्थनीज (302-298 ईसा पूर्व) : सेलेकस निकेटर का राजदूत
- फा-हियान (405-411 ईस्वी) : वह चंद्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य के शासनकाल में भारत आया था।
- ह्वेन-त्सांग (630-645 ईस्वी) : वह हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत आया था।
- इत्सिंग (671-695 ईस्वी) : एक चीनी यात्री
- अल-मसुदी (957 ईस्वी) : एक अरब यात्री, पुस्तक- 'मुरुज-उल-जेहाब'
- अल-बरूनी (1024-1030 ईस्वी) : महमूद गजनवी, पुस्तक- किताब उल हिंद
- माक्रोपोलो (1292-1294 ईस्वी) : 1294 ईस्वी में दक्षिण भारत का दौरा किया। उनकी कृति 'द बुक ऑफ सर मार्को पोलो'
- इबनबतूता (1333-1347 ईस्वी) : एक मोरिश यात्री, उनकी पुस्तक 'रेहला', मुहम्मद-बिन-तुगलक
- निकोलो कोंटी (1420-1421 ईस्वी) : एक वेनिस यात्री, विजयनगर का साम्राज्य
- अब्दुर रज्जाक (1443-1444 ईस्वी): फ़ारसी यात्री, कालीकट में जमोरिन
- विलियम हॉकिन्स (1608-1611 ईस्वी) : अंग्रेजी राजदूत, जहाँगीर

267 वायसराय से संबंधित अधिनियम और तथ्य

- 1773 का रेगुलेटिंग एक्ट में बंगाल के गवर्नर को बंगाल का गवर्नर जनरल पद नाम दिया (वारेन हेस्टिंग्स)
- 1833 का चार्टर अधिनियम में बंगाल के गवर्नर जनरल को भारत का गवर्नर जनरल बना दिया (लॉर्ड विलियम बैंटिक भारत के प्रथम गवर्नर जनरल)
- 1858 का भारत सरकार अधिनियम में गवर्नर जनरल का पद नाम बदलकर भारत का वायसराय कर दिया गया (लॉर्ड कैनिंग भारत के प्रथम वायसराय बने)
- भारत के वायसराय का पद 1948 में खत्म हो गया था
- लॉर्ड माउंटबेटन भारत के अंतिम वायसराय थे

268 मुगलकालीन प्रशासनिक अधिकारियों की सूची

- प्रशासनिक इकाई - प्रांत (सुबा)
  - अधिकारी
    - सिपेहसालार : प्रमुख कार्यकारी (अकबर अधीन और बाद में सुबेदार को निजाम के रूप मे जाना जाता था)
    - दीवानः राजस्व विभाग का प्रभारी
    - बक्शीः सैन्य विभाग का प्रभारी
- प्रशासनिक इकाई - जिला (सरकार)
  - अधिकारी
    - फौजदारः प्रशासनिक प्रधान
    - अमाल / अमलगुज़र : राजस्व संग्रह
    - कोतवालः कानून और व्यवस्था का रख-रखाव आपराधिक मामलों का निशान और मूल्य नियमन
- प्रशासनिक इकाई - परगना
  - अधिकारी
    - शिकदारः प्रशासनिक प्रमुख ने खुद को और कोतवाल के कर्तव्यों में मिला लिया
    - अमीन क़ानूनगोः राजस्व अधिकारी
- प्रशासनिक इकाई - गाँव
  - अधिकारी
    - मुक़द्दमः मुखिया
    - पटवारीः मुनीम
    - चौकीदार

269 प्रथम आँग्ल मराठा युद्ध (1775- 82)

- नाना फड़नवीस और अंग्रेजों के बीच पुरंदर (1776) की संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- मुख्य कारण - पेशवा की उत्तराधिकार की लड़ाई थी इसके अंतर्गत रघुनाथ राव (राघोबा) ने पेशवा बनने के लिए अंग्रेजों की मदद मांगी, जिससे युद्ध की शुरुआत हुई।
- शामिल पक्ष - रघुनाथ राव, नाना फडणवीस एवं वारेन हेस्टिंग्स
- निष्कर्ष - सालबाई की संधि (1782) से 2 दशकों तक शांति रही
- इसके तहत अंग्रेजों ने रघुनाथ राव का समर्थन छोड़ दिया, और मराठों ने बदले में अंग्रेजों को शांतिपूर्ण व्यापार करने की अनुमति दी।

270 अंग्रेज-मराठा संघर्ष के अन्तर्गत होने वाली प्रमुख सधियाँ

- सूरत की संधि - 1775
- पुरन्दर की संधि - 1776
- बड़गाँव की संधि -1779
- सालाबाई की संधि -1782
- बसीन की संधि -1802
- देवगाँव की संधि - 1803
- सुर्जी अर्जुनगाँव की संधि -1803
- राजापुर घाट की संधि - 1804
- नागपुर की संधि - 1816
- ग्वालियर की सधि - 1817
- पूना की संधि - 1817
- मंदसौर की संधि - 1818

271 राज्यों का पुनर्गठन आयोग

- संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अवकाश प्राप्त न्यायधीश S.K. घर की अध्यक्षता में एक चार सदस्य आयोग नियुक्त किया
- इस आयोग ने भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन का विरोध किया और प्रशासनिक सुविधा के आधार राज्य के पुनर्गठन का समर्थन किया
- राज्यों पुनर्गठन आयोग 1953 में बना था
- भाषाई आधार पर गठित पहला राज्य - आंध्र प्रदेश

271 नये राज्यों का गठन वर्ष

राज्य	-	गठन वर्ष
आन्ध्र प्रदेश	-	1 अक्टूबर 1953
गुजरात	-	1 मई 1960
महाराष्ट्र	-	1 मई 1960
नागालैण्ड	-	1 दिसम्बर 1963
हरियाणा	-	1 नवम्बर 1966
हिमाचल प्रदेश	-	25 जनवरी 1971
सिक्किम	-	26 अप्रैल 1975
मिजोरम	-	20 फरवरी 1987
अरूणाचल प्रदेश	-	20 फरवरी 1987
उत्तराखण्ड	-	9 नवम्बर 2000
झारखण्ड	-	15 नवम्बर 2000
छत्तीसगढ़	-	1 नवम्बर 2000
तेलंगाना	-	2 जून 2014

272 संविधान की सातवीं अनुसूची में शामिल विषय

- राज्य सूची : 61 (मूलतः 66)
  - पुलिस, जेल, कृषि, सिंचाई, जन स्वास्थ्य आदि
- समवर्ती सूची : 52 (मूलतः 47)
  - जलमार्ग, शिक्षा, वन, कारखाना, विवाह - तलाक, बिजली, आर्थिक नियोजन आदि
- संघ सूची : 100 (मूलतः 97)
  - रक्षा, विदेश, डाक, तार, टेलीफोन, रेल, मुद्रा बैंकिंग आदि

273 उद्देशिका से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के फैसले

- बेरूबाड़ी संघ मामला, 1960 : उद्देशिका संविधान का भाग नहीं
- केशवानंद भारती मामला, 1973 : उद्देशिका संविधान का भाग एवं संशोधन योग्य
- एल. आइ. सी. ऑफ इंडिया मामला, 1995 : उद्देशिका संविधान का आंतरिक भाग
- 42वां संविधान संशोधन, 1976 : समाजवाद,पंथनिरपेक्ष और अखंडता

274 पृथ्वी की आंतरिक संरचना से संबंधित असंबद्धताएं (discontinuity)

- कॉनराड असंबद्धता : यह अपर क्रस्ट और निचले क्रस्ट के बीच स्थित है।
- मोहोरोविक असंबद्धता : यह निचले क्रस्ट और उपरी मेंटल के बीच स्थित है।
- रेपेटी असंबद्धता : यह ऊपरी और निचले मेंटल के बीच स्थित है।
- गुटेनबर्ग असंबद्धता : यह निचली मेंटल और बाह्य कोर के बीच स्थित है।
- लेहमैन असंबद्धता : यह बाह्य कोर और आंतरिक कोर के बीच स्थित है।

275 कैस्पियन सागर से संबंधित तथ्य

- कैस्पियन सागर विश्व की सबसे बड़ी झील, विश्व के सभी झीलों के कुल जल का 40-44% जल है।
- तटवर्ती देश
  - तुर्कमेनिस्तान
  - कज़ाख़स्तान
  - रूस
  - अजरबैजान
  - ईरान
- वोल्गा नदी यूरोप की एक नदी है। यह कैस्पियन सागर में गिरती है। वॉल्गा नदी यूरोप तथा यूरोपीय रूस की सबसे लंबी नदी तथा रूस का महत्वपूर्ण जलमार्ग है

276 चक्रवात के अन्य नाम

- हिंद महासागर - चक्रवात
- कैरेबियन सागर - हरिकेन
- चीन सागर - टाइफून
- जापान - टाइफु
- उत्तरी ऑस्ट्रेलिया - विली विली
- फिलीपींस - बागुइओ
- अमेरिका - टोरनेडो

277 पुरस्कारों के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में प्रथम

- उत्तर प्रदेश से पहला भारत रत्न पुरस्कार - जवाहर लाल नेहरू और गोविंद बल्लभ पंत (1955)
- उत्तर प्रदेश की प्रथम महिला भारत रत्न - इंदिरा गांधी (1971)
- उत्तर प्रदेश से पहला पद्मश्री पुरस्कार - अखिल चंद्र मित्रा (1954)
- उत्तर प्रदेश से पहली महिला पद्मश्री पुरस्कार - मोना चंद्रावती गुप्ता (1965)
- उत्तर प्रदेश से पहला पद्म भूषण पुरस्कार - अमरनाथ झा, शांति स्वरूप, मैथलीशरण गुप्त, एस नारायण शास्त्री (1954)
- उत्तर प्रदेश से पहली महिला पद्म भूषण पुरस्कार- रामेश्वरी नेहरू (1955)
- उत्तर प्रदेश से पहला पद्म विभूषण पुरस्कार- विजयलक्ष्मी पंडित (1962)

278 शिक्षा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में प्रथम

- उत्तर प्रदेश का प्रथम विश्वविद्यालय - इलाहाबाद विश्वविद्यालय (1887)
- उत्तर प्रदेश का पहला इंजीनियरिंग कॉलेज - रुड़की में सिविल इंजीनियर्स (1847); बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (1916)
- उत्तर प्रदेश का पहला मेडिकल कॉलेज - सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज (पहले थॉमसन कॉलेज) आगरा-1854
- उत्तर प्रदेश का पहला कृषि महाविद्यालय - जी.बी. पंत कृषि विश्वविद्यालय
- भारत में पहली उर्दू अकादमी-लखनऊ
- भारत का पहला विकलांग विश्वविद्यालय - चित्रकूट (उत्तर प्रदेश) - जगद्गुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय
- प्रथम संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना - बनारस (रेजिडेंट डेकन) 1791 में

279 इतिहास के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में प्रथम

- संयुक्त प्रान्त के प्रथम राज्यपाल - हरकोर्ट बटलर (1921-50)
- आगरा के प्रथम राज्यपाल - सर सीटी मेटकाफ
- आगरा और अवध के संयुक्त प्रांत के पहले लेफ्टिनेंट गवर्नर - सर जेम्स जॉन डिग्गेस ला टौचे
- अवध के प्रथम नवाब - सआदत अली खान
- उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का पहला अधिवेशन - इलाहाबाद 1888
- उत्तर प्रदेश का प्रथम हिन्दी समाचार पत्र - बनारस अखबार
- बुद्ध का प्रथम उपदेश - सारनाथ, वाराणसी

280 जल में घुलनशील विटामिन

- विटामिन B1 (थायमिन)
- विटामिन B2 (राइबोफ्लेविन)
- विटामिन B3 (नियासिन)
- विटामिन B5 (पैंटोथेनिक अम्ल)
- विटामिन B6 (पाइरिडोक्सिन)
- विटामिन B7 (बायोटिन)
- विटामिन B9 (फोलेट या फोलिक अम्ल)
- विटामिन B12 (कोबालामिन)
- विटामिन C (एस्कॉर्बिक अम्ल)

281 आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में प्रथम

- उत्तर प्रदेश में पहली मेट्रो - लखनऊ मेट्रो
- उत्तर प्रदेश का पहला एक्सप्रेस-वे - यमुना एक्सप्रेस वे
- उत्तर प्रदेश का पहला राष्ट्रीय राजमार्ग - एनएच-34 उत्तर प्रदेश राज्य में मेरठ के पास जो हरियाणा राज्य में लोहारू के पास जुड़ता है।
- उत्तर प्रदेश का पहला रेलवे स्टेशन - कानपुर रेलवे स्टेशन - (1859)
- उत्तर प्रदेश की पहली ट्रेन - प्रयागराज से कानपुर (1859)
- यूपी का पहला बायोटेक्नोलॉजी पार्क - बख्शी तालाब, लखनऊ
- एशिया का पहला DNA बैंक - बायोटेक पार्क, लखनऊ
- भारत का पहला वाई-फाई स्मारक - ताज महल (2015 से)
- यूपी का पहला फिल्म सेंटर - नोएडा (गौतम बुद्ध नगर)

282 पर्यावरण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में प्रथम

- उत्तर प्रदेश की पहली रामसर साइट - ऊपरी गंगा नदी (2005)
- उत्तर प्रदेश का पहला नेशनल पार्क - दुधवा नेशनल पार्क
- उत्तर प्रदेश में पहला वन्यजीव अभयारण्य - चंद्र प्रभा वन्यजीव अभयारण्य
- उत्तर प्रदेश का पहला टाइगर रिजर्व - दुधवा टाइगर रिजर्व
- उत्तर प्रदेश का पहला चिड़ियाघर - नवाब वाजिद अली शाह (लखनऊ)

283 वसा में घुलनशील विटामिन

- विटामिन A (रेटिनॉल, बीटा-कैरोटीन)
- विटामिन D (केल्सीफेरोल)
- विटामिन E (टोकोफेरोल)
- विटामिन K (फाइलोक्विनोन, मेनाक्विनोन)

284 विज्ञान की प्रमुख शाखाएँ

- ऑस्टियोलॉजी → ह ियों का अध्ययन
- एरोनोटिक्स → वायुयान सम्बन्धी वि ान की शाखा है
- एस्ट्रोनॉमी → खगोलीय पिण्डों का अध्ययन
- इकोलोजी → जीव व पर्यावरण के बीच पारस्परिक सम्बन्धों का अध्ययन
- इथेनोलोजी → विभि संस्कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन
- इथेनो ाफी → किसी विशिष्ट संस्कृति का अध्ययन
- इथोलोजी → प्राणियों के व्यवहार का अध्ययन
- इक्थियोलोजी → मत्स्य की संरचना ,कार्यिकी अध्ययन
- एंटोमोलोजी → कीटों का वै ानिक अध्ययन
- एंथोलोजी → फूलो का अध्ययन
- अरबोरीक र → वृक्ष उत्पादन संबंधी वि ान
- आर्कियोलॉजी → पुरातत्व सम्बन्धित वि ान की शाखा है
- आर्थोपीडिक्स → अस्थि उपचार का अध्ययन
- ऑरनीथोलॉजी → पक्षियों का अध्ययन
- एपी ाफी → शिलालेख सम्बन्धी ान का अध्ययन

285 प्रमुख दर्शन और उनके प्रवर्तक

- अद्वैत दर्शन - आदि शंकराचार्य
- द्वैत दर्शन - माधवाचार्य
- भेदाभेद/द्वैताद्वैत - निम्बार्काचार्य
- शुद्धाद्वैत - वल्लभाचार्य
- अचिन्त्यभेदभेद - चैतन्य महाप्रभु

286 महत्वपूर्ण साहित्यिक कृतियाँ

- रामायण - वाल्मीकि
- महाभारत - वेदव्यास
- रघुवंश - कालिदास
- ऋतुसंहार - कालिदास
- मेघदूत - कालिदास
- रावणबाधा - बत्सभ ी
- काव्यदर्शन - दण्डिन्
- दशकुमारचरित - दण्डिन्
- किरातार्जुनीयम् – भारवि
- नीतिशतक - भर्तृहरि

287 मानव ब्लड ग्रुप का संक्षिप्त इतिहास

- कार्ल लैंडस्टीनर ने 1901 में रक्त समूहों की खोज की थी।
  - उन्होंने मानव रक्त में मौजूद एंटीजन और एंटीबॉडी की पहचान की, जिसके आधार पर 4 रक्त समूहों - A, B, AB,O को वर्गीकृत किया।
  - लैंडस्टीनर को 1930 में शरीर क्रियाविज्ञान, चिकित्सा में नोबेल पुरस्कार मिला था
- टाइप A :
  - इसम A प्रतिजन होत ह और यह B क खिलाफ एटीबॉडी बनाता ह।
- टाइप B :
  - इसमें B प्रतिजन होते हैं और यह A के खिलाफ एंटीबॉडी बनाता है।
- टाइप AB : सर्वग्राही
  - इसमें A और B दोनों प्रतिजन होते हैं, जो इसे सार्वभौमिक प्राप्तकर्ता बनाता है (किसी भी प्रकार से रक्त प्राप्त कर सकता है।)
- टाइप O : सर्वदाता
  - इसमें A और B प्रतिजन नहीं होते हैं, जो इसे सार्वभौमिक दाता बनाता है (किसी भी प्रकार से रक्त दान कर सकता है) लेकिन केवल 0 रक्त प्राप्त कर सकता है।

288 किन-किन स्रोतों में सम्राट अशोक को क्या-क्या उपाधियाँ प्रदान की गई हैं यथा

- **अशोक** : यह नाम, सर्वप्रथम मास्की लघु शिलालेख में मिलता है ,गुर्जरा, नेत्तुर एवं उडेगोलन लघु शिलालेखों में भी अशोक उत्कीर्ण है
- **प्रियदर्शी** : भ्राबू (बैराट) लेख, कंधार अभिलेख एवं दीपवंश में
- **देवनांपिय:** 12वें 13वें शिलालेख में
- **देवनामपिय प्रियदर्शी**: गिरनार, रुम्मिनदेई तथा निग्लिवा लेख में
- **अशोक वर्द्धन** : विष्णुपुराण में।
- **बुद्ध शाक्य** : मास्की अभिलेख में, ध्यातव्य है कि 'शाक्य मुनि' महात्मा बुद्ध की उपाधि है।
- **मगधाधिराज** : भाब्रू लेख में।

289 महत्वपूर्ण अभिलेख/स्तम्भ लेख के खोजकर्ता

- कालसी शिलालेख- फोरेस्ट (1860ई.)
- गिरनार शिलालेख - कर्नल टाड (1822ई.)
- शाहबाजगढ़ी शिलालेख - जनरल कोर्ट (1836ई.)
- मानसेहरा शिलालेख - जनरल कनिंघम
- धौली शिलालेख - किटो (1837ई.)
- जौगढ़ शिलालेख - वाल्टर इलियट (1850ई.)

290 राज्य और राजा के संबंध में कौटिल्य के विचार

- कौटिल्य ने राज्य को मानव शरीर समतुल्य मानकर उसके सात अंगों का उल्लेख किया है; यथाः-
  - स्वामी (राजा) -राज्य रूपी शरीर का शीर्ष।
  - अमात्य (मंत्री) -राज्य रूपी शरीर की आँखें।
  - राष्ट्र- राज्य रूपी शरीर के पैर।
  - दुर्ग- राज्य रूपी शरीर की बाहें।
  - कोष- राज्य रूपी शरीर का मुख।
  - दण्ड- राज्य का मस्तिष्क ।
  - मित्र- राज्य रूपी शरीर के कान।
- राज्य के सात अंगों में कौटिल्य ने राजा को ही राज्य का सर्वोच्च एवम् प्रधान अंग माना है। उन्होंने राजतंत्रीय व्यवस्था का समर्थन किया है।

291 रबी और खरीफ फसल

- खरीफ फसलें: मानसून पर निर्भर हैं, और उनकी फसल का मौसम जुलाई से अक्टूबर तक चलता है।
- खरीफ की फसलें- चावल, मक्का, बाजरा, रागी, दालें,सोयाबीन, मूंगफली आदि।

- रबी की फसलें: मानसून की बारिश खत्म होने के बाद सर्दियों(अक्टूबर- नवंबर) में बोई जाती हैं और गर्मियों में (मार्च- अप्रैल) काटी जाती हैं, इनकी फसल का मौसम अक्टूबर से अप्रैल तक चलता है।
- रबी की फसलें- गेहूँ, जौ, सरसों (रेपसीड), जई, चना, अलसी आदि।

292 अफ्रीका महाद्वीप के द्वीपीय देशों के नाम

- मेडागास्कर
- कोमोरोस
- साओटोमें
- सेसल्स
- मॉरीशस
- केपवर्डे

293 भारत का प्रायद्वीपीय पठार

यह एक अनियमित त्रिभुजाकार आकृति वाला भूखंड है, जिसका विस्तार -

- उत्तर-पश्चिम में अरावली पर्वतमाला व दिल्ली से
- पूर्व में राजमहल की पहाड़ियों,
- पश्चिम में गिर पहाड़ियों,
- दक्षिण में इलायची (कार्डमम) पहाड़ियों
- उत्तर-पूर्व में शिलॉन्ग एवं कार्बा-एंगलोंग पठार तक है
- इसकी औसत ऊँचाई 600-900 मीटर है।

294 एल नीनो: एक जलवायु घटना

- ये तब होती है जब मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह औसत से अधिक गर्म हो जाती है ।
- यह एल नीनो-दक्षिणी दोलन (ENSO) चक्र का हिस्सा है,जो दुनिया भर में जलवायु पैटर्न को प्रभावित करते हैं।
- वर्षा में वृद्धि : इससे अफ्रीका के हॉर्न और दक्षिणी संयुक्त राज्य अमेरिका में बाढ़ आ सकती है
- सूखा : उत्तरी दक्षिण अमेरिका में सूखे की स्थिति और ,भारतीय मॉनसून कमजोर होता है
- अधिक तूफान : पूर्वी और मध्य प्रशांत क्षेत्र में और अधिक तूफानों को बढ़ावा दे सकता है
- समुद्री जीवन में गिरावट : इससे मछली, प्लैंकटन जैसे समुद्री जीवों की संख्या में कमी आती है

295 ला नीना: एक जलवायु पैटर्न

- मौसम पर प्रभाव:
  - तापमान
    - ला नीना के दौरान, उत्तर और कनाडा सामान्य से अधिक ठंडे होते हैं, जबकि दक्षिण सामान्य से अधिक गर्म होता है।
  - वर्षण
    - ला नीना के कारण प्रशांत महासागर के उत्तर-पश्चिमी भाग और कनाडा में भारी वर्षा और बाढ़ आ सकती है, जबकि दक्षिणी अमेरिका में सूखा पड़ सकता है।
    - भारतीय मानसून मजबूत होता है

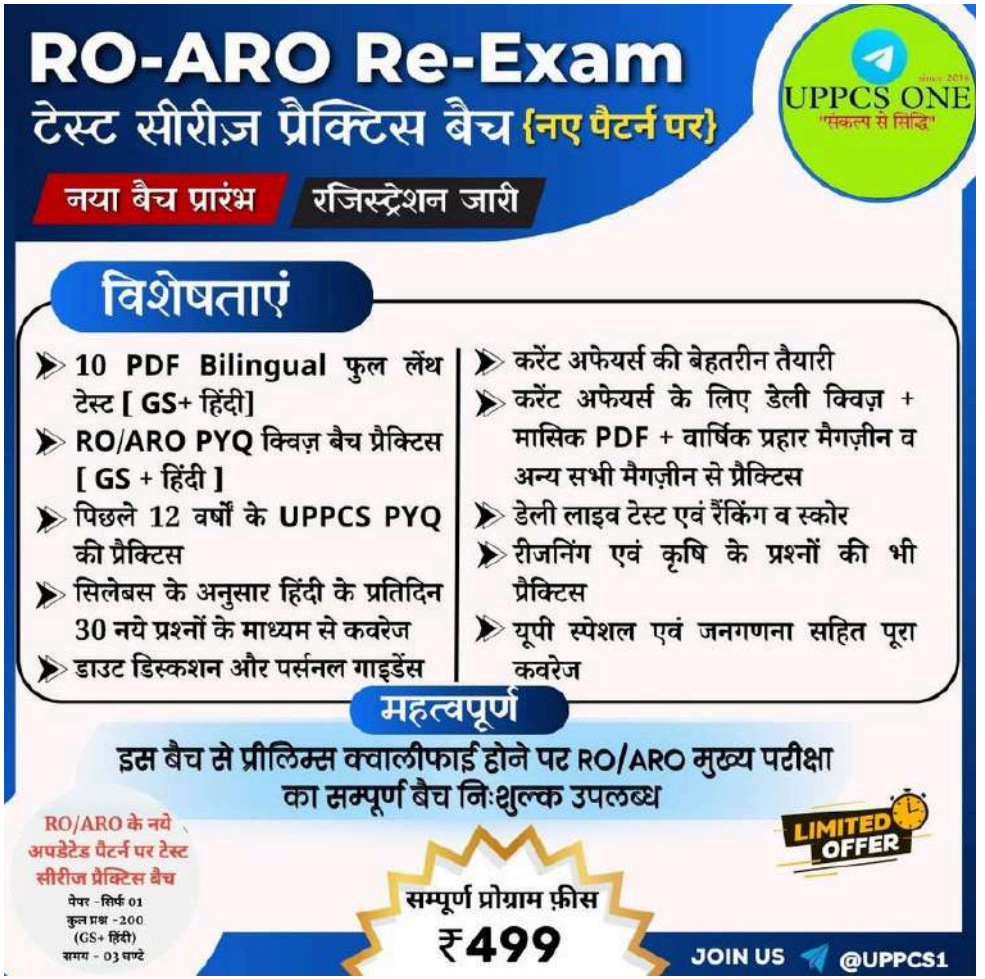

डिटेल्स के लिए Whatsapp करें

9415950206

✅ तूफान

- ला नीना के कारण तूफान का मौसम अधिक गंभीर हो सकता है, जिसमें अटलांटिक महासागर में औसत से अधिक तथा पूर्वी प्रशांत महासागर में औसत से कम गतिविधि हो सकती है।

✅ कृषि

- ला नीना उत्तर और दक्षिण अमेरिका में कृषि उपज को कम कर सकता है, विशेष रूप से गेहूं और सोयाबीन के लिए।

✅ समुद्री जीवन में वृद्धि

- ला नीना के कारण सैल्मन और स्क्विड जैसी ठंडे पानी की प्रजातियां कैलिफोर्निया तट पर आ जाती हैं।

296 उत्तल लेंस (convax) के महत्वपूर्ण तथ्य

- यह लेंस प्रकाश की सीधी किरण को अभिसरित करता है।
- ()यह लेंस बीच में मोटा होता है और किनारों पर पतला होता है।
- हाइपरमेट्रोपिया या दूरदृष्टि दोष को दूर करने के लिए उत्तल लेंस का इस्तेमाल किया जाता है.
- अनुप्रयोगः वाहनों में पीछे देखने वाले दर्पण, मानव आँखों में लेंस, प्रोजेक्टर, कैमरा, फ़ोकस सूर्यप्रकाश, साधारण दूरबीन, प्रोजेक्टर माइक्रोस्कोप, आवर्धक दर्शी आदि।
- उत्तल लेंस वस्तु की स्थिति के आधार पर वास्तविक या आभासी प्रतिबिंब बना सकते हैं।
- उत्तल लेंस अभिसारी(converging) होता है

297 अवतल लेंस (concave)के महत्वपूर्ण तथ्य

- अवतल लेंस एक प्रकार का लेंस होता है, जिसका कम से कम एक किनारा अंदर की ओर वक्रित होता है।
- अवतल लेंस दर्शक के लिए एक छोटा प्रतिबिंब बनाता है।
-)(अवतल लेंस, किनारों की तुलना में बीच में पतला होता है.
- मायोपिया या निकट दृष्टि दोष को दूर करने के लिए चश्मे में अवतल लेंस का उपयोग किया जाता है।
- अनुप्रयोगः दांत चिकित्सक मिरर, दृष्टि सुधारना, कैमरा, फ्लैशलाइट, लेजर उपकरण, दूरदर्शी, पीपहोल, आदि।
- अवतल लेंस छोटा, सीधा और आभासी प्रतिबिंब बनाता है।
- अवतल लेंस अपसारी(diverging lens) होता है

298 रासायनिक यौगिक /उपनाम/सूत्र

- नाइट्रस ऑक्साइडः लाफिंग गैसः N2O
- क्लोरीपिक्रिनः आंसू गैसः C10H5ClN2
- कल्शियम हाइडाइडः हाइडोलिथः CaH2
- डाइक्लोरोडिफ्लोरो मीथनः फ्रीऑनः CF2Cl2
- कैल्शियम सल्फेट डाइहाइड्रेटः जिप्समः CaSO4. 2H2O
- कैल्शियम हाइड्रॉक्साइडः बुझा हुआ चूनाः Ca(OH)2
- फिनोलः कार्बोलिक अम्लः C6H60
- कार्बोक्सिल क्लोराइडः फॉस्जीनः COCl2
- मीथेनः मार्श गैसः CH4
- सोडियम क्लोराइडः टेबल साल्टः NaCl

299 विभिन्न रोग और उनके कारक

- **बैक्टीरिया**: गले में खराश, तपेदिक, हैजा, टाइफाइड, मूत्र मार्ग में संक्रमण, ई. कोली और काली खांसी ,कुष्ठ रोग ,निमोनिया, डिप्थीरिया

- **वायरसः** खसरा, चिकन पॉक्स, पोलियो, सामान्य जुकाम, AIDS, कण्ठमाला, रेबीज, कॉविड-19, इनफ्लुएंजा

- **कवकः** दाद, एथलीट फुट, फंगल नाखून संक्रमण, वजाइनल कैंडिडिआसिस और छाले, एस्पेरगिलोसिस

- **परजीवी प्रोटोजोआ**: मलेरिया, गियार्डियासिस, टोक्सोप्लाज़मोसिस, हुकवर्म और पिनवर्म, स्लीपिंग सिकनेस अमीबायसिस लिशमानियसिस

- **इ लूएंजा**- माइकोवायरस (RNA वायरस) के कारण होता है।
- **सामा य जुकाम**- कई प्रकार के वायरस, प्रायः राइनो-वायरस (RNA वायरस) के कारण होती है।
- **चेचक**- वैरियोला वायरस (DNA वायरस) के कारण होती है।
- **चिकनपॉ स**- वैरीसेला-ज़ोस्टर के कारण होती है।
- एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिसिएंसी सिंड्रोम,(AIDS)- जो ह्यूमन इम्यूनो डेफिसिएंसी वायरस (HIV) के कारण होता है।
- **जमन खसरा**- रूबेला वायरस के कारण होता है।
- खसरा- पैरामाइक्सोवायरस (RNA वायरस) के कारण होता है।

300 मृदा अपरदन की प्रक्रिया

- आस्फाल अपरदन (Splash Erosion) – वर्षा की बूंदों के द्वारा अपरदन।
- परत अपरदन (Sheet Erosion) – जब मि ी जल के साथ बहने लगे।
- रिल अपरदन (Rill Erosion) – जब मि ी में छोटी एवं कम गहरी नालियां बन जाती हैं।
- अवनालिका अपरदन (Gully Erosion) - जब रिल अपरदन की नालियां बड़ी एवं विस्तृत हो जाती हैं।
- जैसे–चंबल घाटी में बने "खोह ख ो।
- धारा चैनल अपरदन (Stream Channel Erosion) - जब जल एक मोटी व बड़ी धारा के रूप में प्रवाहित होने लगे।

301 क्षेत्रफल के आधार पर विश्व के महाद्वीपों का क्रम

1. एशिया
2. अफ्रीका
3. उत्तर अमेरिका
4. दक्षिण अमेरिका
5. अंटार्कटिका
6. यूरोप
7. ऑस्ट्रेलिया

302 जनसंख्या के आधार पर विश्व के महाद्वीपों का क्रम

1. एशिया
2. अफ्रीका
3. यूरोप
4. उत्तर अमेरिका
5. दक्षिण अमेरिका
6. ऑस्ट्रेलिया
7. अंटार्कटिका

303 उपराष्ट्रपति से संबंधित अनुच्छेद

- अनुच्छेद 63 - भारत का एक उपराष्ट्रपति होगा
- अनुच्छेद 64 - उपराष्ट्रपति का राज्यसभा का पदेन सभापति होना
- अनुच्छेद 65 - राष्ट्रपति के पद में आकस्मिक रिक्ति के दौरान या उसकी अनुपस्थिति में उपराष्ट्रपति का राष्ट्रपति के रूप में कार्य करना या उसके कृत्यों का निर्वहन
- अनुच्छेद 66 - उपराष्ट्रपति का निर्वाचन
- अनुच्छेद 67 - उपराष्ट्रपति की पदावधि
- अनुच्छेद 68- उपराष्ट्रपति पद में रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचन करने का समय और आकस्मिक रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचित व्यक्ति की पदावधि
- अनुच्छेद 69-उपराष्ट्रपति द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान
- अनुच्छेद 70- अन्य आकस्मिकताओं में राष्ट्रपति के कृत्यों का निर्वहन
- अनुच्छेद 71- राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति के निर्वाचन से संबंधित या संसक्त विषय

304 उपराष्ट्रपति पद की रिक्तता

- 5 वर्षीय पदावधि की समाप्ति पर।
- राष्ट्रपति को त्यागपत्र देकर
- बर्खास्तगी द्वारा
- उसकी मृत्यु पर
- यदि वह पद ग्रहण करने के अयोग्य अथवा उसका निर्वाचन अवैध घोषित हो।

305 उपराष्ट्रपति से संबंधित तथ्य

- यह राज्यसभा का सदस्य नहीं होता, अतः इसे मतदान अधिकार नहीं। किन्तु सभापति के रूप में निर्णायक मत दे सकता है।
- राष्ट्रपति के त्यागपत्र, निष्कासन, मृत्यु आदि स्थिति में कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य।
- कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करने के दौरान उपराष्ट्रपति राज्यसभा का सभापति नहीं होता।
- इस अवधि में उसके कार्यों का निर्वाह उपसभापति द्वारा किया जाता है।
- शपथः राष्ट्रपति या इस कृत्य के लिए नियुक्त व्यक्ति
- पदावधिः पद ग्रहण करने की तिथि से 5 वर्ष (अनुच्छेद 67), कितनी ही बार पुनर्निवाचन हो सकता है।

306 उपराष्ट्रपति जो बाद में राष्ट्रपति बने

- सर्वपल्ली राधाकृष्णन
- वीवी गिरी
- शंकरदयाल शर्मा
- जाकिर हुसैन
- आर० वेंकटरमन
- के०आर० नारायणन

307 भूगोलवेत्ता परिकल्पना और सिद्धांत

- अल्फ्रेड वेगनर :- महाद्वीपीय प्रवाह सिद्धांत
- पार्कर और मॉर्गन :- प्लेट टेक्टोनिक्स का सिद्धांत
- प्रैट और एरी :- भू-संतुलन की संकल्पना
- आर्थर होम्स :- संवहन धारा का सिद्धांत

308 देश के अनुसार समय क्षेत्रों की सूची

- फ्रांस - 12
- रूस - 11
- संयुक्त राज्य अमेरिका - 9
- अंटार्कटिका - 10
- ऑस्ट्रेलिया - 8
- डेनमार्क - 5

309 भारतीय मानक समय (IST) से जुड़े कुछ खास फैक्ट

- भारतीय मानक समय की गणना उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से गुजरने वाले 82°30' पूर्व मध्याह्न रेखा से की जाती है.
- यह ग्रीनविच मीन टाइम (GMT) से 5 घंटे 30 मिनट आगे है,सम्पूर्ण भारत में केवल एक मानक समय है.
- देशांतरों का एक बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है अर्थात वे ग्रीनविच मीन टाइम (GMT) के संबंध में स्थानीय समय निधारित करत ह.
- हर 15 डिग्री देशांतर के अंतर पर 1 घंटे का अंतर आता है.
- पहले भारत में मुंबई और कोलकाता के अपने स्थानीय समय होते थे किन्तु देश की आज़ादी के बाद इन्हें खत्म कर के केवल एक मानक समय निर्धारित कर दिया गया.
- विश्व के देशों में आपसी समझ के तहत मानक याम्योत्तर को 7°30' देशांतर के गुणाक पर चुना जाता है.

310 प्रमुख महाकल्प विवरण

- पेलियोजोइक
  - समुद्री जीवन और कुछ सरीसृपों का भूमि पर जन्म हुआ।
- प्रिकैम्ब्रियन
  - महासागरों के बनने के बाद पहले जीवन का निर्माण हुआ। अरावली पर्वत और धारवाड़ क्रम की चट्टानों का निर्माण हुआ.
- सेनोजोइक
  - वर्तमान महाकल्प, स्तनधारियों का युगसेनोज़ोइक महाकल्प के दौरान उत्तर अमेरिका के राकी, दक्षिण अमेरिका के एंडीज पर्वत बना.
- मेसोज़ोइक
  - मध्यम जीवन' और यह डायनासोर का समय है। इस युग में ट्राइसिक, जुरासिक और क्रेटेशियस काल शामिल हैं,

311 पृथ्वी के परिक्रमण की चार मुख्य अवस्थाएं

- **शीतकालीन संक्रांति - 21-22 दिसंबर**
  - ग्रीष्म ऋतु भूमध्य रेखा के दक्षिण में, शीत ऋतु भूमध्य रेखा के उत्तर में। सूर्य दक्षिणी गोलार्ध पर सीधे और उत्तरी गोलार्ध पर अप्रत्यक्ष रूप से चमकता है ,सूर्य मकर रेखा के दक्षिणी अक्षांश पर लंबवत होता है ,
  - दक्षिणी गोलार्ध में दिन सबसे बड़ा और रात सबसे छोटी होती है
  - सूर्य की किरणें मकर रेखा पर सीधी पड़ती है
- **वसंत विषुव - 20-21 माच**
  - भूमध्य रेखा के दक्षिण में पतझड़, भूमध्य रेखा के उत्तर में वसंत। सूर्य दक्षिणी और उत्तरी गोलार्ध में समान रूप से चमकता है
- **ग्रीष्मकालीन संक्रांति - 20-21 जून**
  - भूमध्य रेखा के दक्षिण में सर्दी, भूमध्य रेखा के उत्तर में गर्मी। सूर्य उत्तरी गोलार्ध पर सीधे और दक्षिणी गोलार्ध पर अप्रत्यक्ष रूप से चमकता है
  - उत्तरी ध्रुव पर लगातार 6 महीने का दिन, सूर्य कर्क रेखा उत्तरी अक्षांश पर लंबवत होता है
  - उत्तरी गोलार्ध में सबसे बड़ा दिन तथा रात सबसे छोटी होती है
- **शरद ऋतु विषुव - 22-23 सित बर**
  - भूमध्य रेखा के दक्षिण में वसंत, भूमध्य रेखा के उत्तर में पतझड़। सूर्य दक्षिणी और उत्तरी गोलार्ध में समान रूप से चमकता है
  - विश्व में दिन और रात बराबर होते हैं

312 लोकसभा में विभिन्न राज्यों की सदस्य संख्या

- हरियाणा - 10
- पंजाब - 13
- तेलंगाना - 17
- आंध्र प्रदेश - 25
- गुजरात - 26
- मध्यप्रदेश - 29
- बिहार - 40
- महाराष्ट्र - 48
- छत्तीसगढ़ - 11
- झारखंड -14
- ओडिशा - 21
- राजस्थान - 25
- कर्नाटक - 28
- तमिलनाडु - 39
- पश्चिम बंगाल - 42
- उत्तर प्रदेश - 80

313 प्रमुख चिकित्सीय उपकरण

- स्टेथोस्कोप (Stethoscope) -
  - हृदय स्पंदन की दर मापने में प्रयुक्त होता है।
- पेसमेकर (Pacemaker) -
  - हृदय गति अधिक या कम हो जाने पर इसे सामान्य अवस्था में लाने हेतु प्रयुक्त होता है।
- स्फिग्मोमैनोमीटर (Sphygmomanometer) - रक्तचाप मापने हेतु प्रयुक्त
- कंप्यूटेड टोमोग्राफी या सीटी स्कैन (CT Scan) -
  - हड्डियों, मांसपेशियों, जोड़ों (घुटने, कंधे, आदि), हृदय, पेट और आंतों जैसे आंतरिक अंगों, फैट टिशू और ब्लड वेसल्स को देखने के लिए किया जाता है
- इलैक्ट्रोकार्डियोग्राफी (ECG)-
  - हृदय संबंधी असामान्यताओं का पता लगाने के लिए प्रयुक्त होता है।
- इलैक्ट्रोइंसेफैलोग्राम (EEG) -
  - मस्तिष्क की विकृतियों का पता लगाने के लिए प्रयुक्त होता है।
- ऑटो एनालाइजर (Auto analyser) -
  - ग्लूकोज, यूरिया, कोलेस्ट्रोल आदि की जांच के लिए प्रयुक्त होता है।
- मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (MRI) -
  - संपूर्ण शरीर या अंगों में असामान्यता या विकृति का पूर्णतः सही पता लगाने के लिए प्रयुक्त होता है।

314 जीव विज्ञान में कोशिका से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

- प्रोटीन की फैक्ट्री
  - राइबोसोम कोशिका के भीतर प्रोटीन संश्लेषण के लिए जिम्मेदार होते हैं।
- कोशिका का रसोईघर -
  - हरित लवक (chloroplast) वह अंगक है जो प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया में पौधों को भोजन बनाने में मदद करता है।

Join Free https://t.me/PDF_

- कोशिका का पावर हाउस
  - माइटोकॉन्ड्रिया ऊर्जा उत्पादन (ATP) के लिए उत्तरदायी होता है और इसे "कोशिका का पावरहाउस" कहा जाता है।
- कोशिका की आत्मघाती थैली
  - लाइसोसोम में ऐसे एंजाइम होते हैं जो कोशिका के अनुपयोगी या हानिकारक घटकों को नष्ट कर देते हैं, इसलिए इसे "आत्मघाती थैली" कहा जाता है।
- केंद्रक की खोज
  - रॉबर्ट ब्राउन ने 1831 में कोशिका के भीतर केंद्रक (nucleus) की खोज की थी।
- DNA की खोज
  - फ्रेडरिक मिशर ने 1869 में DNA (डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड) की खोज की थी
- DNA का डबल हेलिक्स मॉडल
  - जेम्स वॉटसन और फ्रांसिस क्रिक ने 1953 में DNA के डबल हेलिक्स संरचना का मॉडल प्रस्तुत किया था

315 प्रोकैरियोटिक कोशिकाओं की विशेषताएँ

- प्रोकैरियोटिक कोशिकाओं में true नाभिक नहीं होता है। इनका डीएनए न्यूक्लियॉइड क्षेत्र में पाया जाता है, जो झिल्ली से घिरा नहीं होता।
- ये कोशिकाएँ छोटी होती हैं, (1-10 माइक्रोमीटर)
- DNA गोलाकार होता है और क्रोमोसोम की तरह व्यवस्थित नहीं होता।
- इनमें झिल्ली-बद्ध कोशिकांग, जैसे माइटोकॉन्ड्रिया, गॉ ी निकाय, और एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम नहीं होते।
- राइबोसोम छोटे (70S) होते हैं, जो प्रोटीन संश्लेषण में मदद करते हैं।
- इनकी कोशिका झिल्ली सेमी-पारगम्य होती है, जो कोशिका के भीतर और बाहर के पदार्थों का विनियमन करती है।
- अधिकतर प्रोकैरियोटिक कोशिकाओं में कोशिका भित्ति होती है,बैक्टीरिया में यह पेप्टिडोग्लाइकन से बनी होती है।
- गति के अंग इनमें Flagella, (Cilia) होते हैं
- ये बाइनरी फिशन द्वारा विभाजित होती हैं,
- उदाहरण: प्रमुख बैक्टीरिया और आर्किया

316 यूकैरियोटिक कोशिकाओं की विशेषताएँ

- इसमें True Nucleus होता है, जो Nuclear Membrane से घिरा होता है। इसमें DNA क्रोमोसोम के रूप में संगठित होता है
- ये कोशिकाएँ आकार में बड़ी होती हैं, (10 -100 माइक्रोमीटर)
- झिल्ली-बद्ध कोशिकांग - जैसे माइटोकॉन्ड्रिया, गॉल्जी निकाय, एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम, लाइसोसोम आदि पाए जाते हैं
- बड़े (80S) राइबोसोम होत ह, जो प्रोटीन सश्लषण में सहायक होते है
- विभाजन माइटोसिस और मियॉसिस द्वारा होता है
- पौधों और कवकों की यूकैरियोटिक कोशिकाओं में कोशिका भित्ति होती है;पौधों में यह सेलुलोज से बनी होती है, जबकि कवकों में यह काइटिन से बनी होती है। जानवरों की कोशिकाओं में कोशिका भित्ति नहीं होती
- रफ और स्मूद एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम (ER) पाए जाते हैं, जो प्रोटीन और लिपिड संश्लेषण में सहायक होते हैं
- उदाहरणों -पौधों, जानवरों, कवकों और प्रोटिस्ट की कोशिकाएँ शामिल हैं

317 कोशिका से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य

- कोशिका सिद्धांत :
  - श्लाइडन और श्वान ने 1838-39 में कोशिका सिद्धांत का प्रतिपादन किया, जिसमें कहा गया कि सभी जीव कोशिकाओं से बने होते हैं, और यह जीवन की मूल इकाई है।
- कोशिका झिल्ली (Cell Membrane) :
  - यह कोशिका की बाहरी परत होती है जो अर्ध-परगम्य होती है। यह कोशिका में प्रवेश करने वाले और बाहर जाने वाले पदार्थों को नियंत्रित करती है।
- कोशिकाद्रव्य (Cytoplasm) :
  - यह कोशिका का जैली जैसा पदार्थ होता है, जिसमें विभिन्न कोशिकीय अंग (ऑगनेल्स) पाए जाते हैं।

- गॉ ी निकाय (Golgi Bodies): traffic police of the cell
  - यह कोशिका में पदार्थों का संश्लेषण, भंडारण और परिवहन करने का कार्य करता है।
- एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम (ER):
  - यह कोशिका में प्रोटीन और लिपिड्स का संश्लेषण करता है।
  - इसे दो प्रकारों में विभाजित किया गया है: खुरदुरा (रफ) एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम और चिकना (स्मूद) एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम।

318 महत्वपूर्ण COP समिट और उनका स्थान

- COP-26 - ग्लासगो (स्विट्जरलैंड)
- COP-27 - मिस्र
- COP-28 - यूएई
- COP -29 - अज़रबैजान
- COP -30 - ब्राज़ील
- COP-33 - भारत (2028)

319 भारत के 18 जैव मंडल रिजर्व क्षेत्र

- 1986-नीलगिरि बायोस्फीयर रिज़र्व-तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक
- 1988-नंदा देवी बायोस्फीयर रिज़र्व-उत्तराखंड
- 1988-नोकरेक बायोस्फीयर रिज़र्व-मेघालय
- 1989-मन्नार की खाड़ी बायोस्फियर रिज़र्व-तमिलनाडु
- 1989-सुंदरबन बायोस्फीयर रिज़र्व-पश्चिम बंगाल
- 1989-मानस बायोस्फीयर रिज़र्व-असम
- 1989-ग्रेट निकोबार बायोस्फीयर रिज़र्व-अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
- 1994-सिमिलिपल बायोस्फीयर रिज़र्व-ओडिशा
- 1997-डिब्रू-सैखोवा बायोस्फीयर रिज़र्व-असम
- 1998-दिहांग-दिबांग बायोस्फीयर रिज़र्व-अरुणाचल प्रदेश
- 1999-पचमढ़ी बायोस्फियर रिज़र्व-मध्य प्रदेश
- 2000-कंचनजंगा बायोस्फीयर रिज़र्व -सिक्किम
- 2001-अगस्त्यमलाई बायोस्फियर रिज़र्व-केरल, तमिलनाडु
- 2005-अचानकमार-अमरकंटक बायोस्फियर रिज़र्व - मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़
- 2008 - कच्छ का रण बायोस्फियर रिज़र्व (सबसे बड़ा क्षेत्र)गुजरात
- 2009 - कोल्ड डेज़र्ट बायोस्फीयर रिज़र्व-हिमाचल प्रदेश
- 2010 - शेषचलम हिल्स बायोस्फीयर रिज़र्व-आंध्र प्रदेश
- 2011- पन्ना बायोस्फीयर रिज़र्व-मध्य प्रदेश

320 भारत के महत्वपूर्ण नेशनल पार्क

- बाँधवगढ़ नेशनल पार्क - शहडोल (मध्य प्रदेश)
- शिवपुरी नेशनल पार्क - शिवपुरी (मध्य प्रदेश)
- भगवान महावीर उद्यान - गोवा
- इन्दिरा गाँधी अभ्यारण्य - तमिलनाडु
- वेदान्तगल पक्षी विहार - तमिलनाडु
- रोहिला राष्ट्रीय उद्यान - हिमाचल प्रदेश
- किश्तवार राष्ट्रीय उद्यान - जम्मू-कश्मीर
- काबट राष्ट्रीय उद्यान - उत्तराखंड
- कान्हा राष्ट्रीय उद्यान - मध्य प्रदेश
- मानस नेशनल पार्क - असम
- कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान - सिक्किम
- गिर राष्ट्रीय उद्यान - गुजरात
- मृगवानी नेशनल पार्क - तेलंगाना
- हेमिस राष्ट्रीय उद्यान - लद्दाख
- नंदा देवी - उत्तराखंड
- नामेरी राष्ट्रीय उद्यान - असम
- केइबुल लामजाओ NP - मणिपुर
- सिमलीपाल राष्ट्रीय उद्यान - ओडिशा
- कूनो राष्ट्रीय उद्यान - मध्य प्रदेश
- पेंच राष्ट्रीय उद्यान - मध्य प्रदेश

321 जनगणना 2011 : उत्तर प्रदेश में साक्षरता दर

- उत्तर प्रदेश में कुल साक्षरता – 67.72%
- उत्तर प्रदेश में पुरुष साक्षरता – 77.30%
- उत्तर प्रदेश की महिला साक्षरता – 57.20%
- 2001-11 के दौरान औसत साक्षरता में वृद्धि – 11.36%
- पुरुष और महिला साक्षरता के बीच अंतर – 20.10%
- सर्वाधिक साक्षरता वाले जिले - (1) गौतमबुद्ध नगर (2) कानपुर नगर (3) औरैया
- न्यूनतम साक्षरता वाले जिले (पुरुष साक्षरता का समान क्रम)- (1) श्रावस्ती (2) बहराईच (3) बलरामपुर

322 जनगणना 2011: उत्तरप्रदेश में जनसंख्या घनत्व

- उत्तर प्रदेश का जनसंख्या घनत्व – 829 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.
- 2001-11 के दौरान जनसंख्या घनत्व में वृद्धि – 139 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.
- सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाले जिले (अवरोही क्रम में) – (1) गाजियाबाद (2) वाराणसी (3) लखनऊ
- सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाले जिले (आरोही क्रम में) - (1) ललितपुर (2) सोनभद्र (3) हमीरपुर

323 उत्तरप्रदेश की भौगोलिक स्थितियाँ

- उत्तर प्रदेश का क्षेत्रफल – 2,40,928 वर्ग किलोमीटर (भारत के क्षेत्रफल का लगभग 7.33%)
- अक्षांश – 23°52' उत्तरी अक्षांश से 30°28' उत्तरी अक्षांश
- देशांतर – 77°3' पूर्वी देशांतर से 84°39' पूर्वी देशांतर
- पूर्व से पश्चिम तक राज्य की लंबाई – 650 किमी.
- उत्तर से दक्षिण तक राज्य की लंबाई – 240 किमी.
- राज्य की सीमाएँ लगती है – 9 (8 राज्य और 1 केंद्र शासित प्रदेश)
- सोनभद्र से लगे राज्यों की संख्या - 4 (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार)

324 उत्तरप्रदेश में ऊर्जा संसाधन:

- उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद का गठन – 1959
- राज्य में कुल विद्युत उत्पादन का क्रम – ताप विद्युत > जल विद्युत > परमाणु विद्युत > सौर विद्युत
- उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग की स्थापना – 1998
- प्रदेश में एनटीपीसी की गैस आधारित ताप विद्युत परियोजनाएं – 3 (औरैया, आंवला, दादरी)
- प्रदश की सबस परानी तापीय परियोजना – हरदुआगंज थमल पावर स्टशन (1942)
- प्रदेश में एकमात्र परमाणु विद्युत केन्द्र की स्थापना – नरौरा (बुलन्दशहर) (1991-92)
- उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण – 1983

325 जनगणना 2011 : उत्तरप्रदेश

- उत्तर प्रदेश की कुल जनसंख्या – 19,98,12,341 (देश की कुल जनसंख्या का 16.51%)
- राज्य की कुल जनसंख्या में पुरुषों का प्रतिशत – 52.29%
- राज्य की कुल जनसंख्या में महिलाओं का प्रतिशत – 47.71%
- राज्य की कुल जनसंख्या में ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत – 77.73%
- राज्य की कुल जनसंख्या में शहरी जनसंख्या का प्रतिशत – 22.27%
- सर्वाधिक जनसंख्या वाला जिला – (1) प्रयागराज (2) मुरादाबाद (3) गाजियाबाद
- सबसे कम जनसंख्या वाला जिला - (1) महोबा (2)चित्रकूट (3)हमीरपुर

326 मानव मस्तिष्क की विशेषताएँ:

- मानव मस्तिष्क को अलग-अलग कार्यों के साथ तीन भागों या कम्पार्टमेंट में विभाजित किया गया है: अ -मस्तिष्क, मध्यमस्तिष्क और पश्चमस्तिष्क
- रीढ़ की ह ी के साथ मानव मस्तिष्क केंद्रीय तंत्रिका तंत्र बनाता है।
- **अ -मस्तिष्क** - मुख्य चिंतन करने वाला हिस्सा है और स्वैच्छिक क्रियाओं को नियंत्रित करता है।
- यह संवेदी सूचनाओं को संसाधित करता है जो शरीर के विभि अंगों जैसे कान, आंख, नाक जीभ, त्वचा आदि से एकत्र की जाती हैं।
- **म यम स्तष्क** - मस्तिष्क स्टेम का एक छोटा-सा केंद्रीय भाग है, जो संकेतों को संचारित करने के लिए एक पुल के रूप में कार्य करता है।
- ब्रेन स्टेम अ - मस्तिष्क को रीढ़ की ह ी से जोड़ता है और इसमें सेरिबैलम, पोंस और मे ला ऑबोंगटा शामिल हैं।
- **प म स्तष्क** - हृदय गति, श्वास, रक्तचाप, नींद, चलना आदि को नियंत्रित करता है।
- सेरिबैलम चलने, सवारी करने आदि के दौरान संतुलन, शरीर का संतुलन और मुद्रा बनाए रखने में मदद करता है।

327 माप की मानक इकाइयाँ

- लंबाई : मीटर (m)
- द्रव्यमान : किलो ाम (kg)
- समय : सेकंड (s)
- विद्युत धारा : एम्पीयर (A)
- तापमान : केल्विन (K)
- पदार्थ की मात्रा : मोल (mol)
- प्रकाश तीव्रता : कैंडेला (cd)
- लेंस की क्षमता : डायप्टर
- ऊष्मा : जूल
- दाब : पास्कल
- प्रेरकत्व (H) : हेनरी
- प्रतिरोधकता या विशिष्ट प्रतिरोध : ओम-मीटर
- रेडियोधर्मिता : बेकरल

328 अपवर्तन, परावर्तन के अनुप्रयोग

- अपवर्तन के उदाहरण :
  - साफ आसमान में तारों का टिमटिमाना
  - पानी के तालाब
  - स्विमिंग पुल का वास्तविकता से कम गहरा प्रतीत होना
  - इंद्रधनुष निर्माण
  - मूवी प्रोजेक्टर
  - प्रिज्म
- परावर्तन के उदाहरण :
  - दर्पण में अपना प्रतिबिम्ब
  - बहुरूपदर्शक
  - फ्लैशलाइट

329 ध्वनि तरंगों की प्रमुख विशेषताएँ

- **तरंगदैर्घ्य:** ध्वनि तरंग द्वारा स्वयं को दोहराने से पहले तय की गई दूरी।
- **आयाम:** माध्यम में कणों के अधिकतम विस्थापन को दर्शाता है; उच्च आयाम का अर्थ तीव्र ध्वनि है
- **आवृत्ति:** प्रति सेकंड उत्पन्न होने वाली तरंगों की संख्या; उच्च आवृत्ति का अर्थ उच्च-स्वर वाली ध्वनि है।
- **समयावधि:** एक तरंग चक्र को पूरा करने के लिए आवश्यक समय।
- **वेग:** ध्वनि तरंग जिस गति से यात्रा करती है।

330 आधुनिक इतिहास पुस्तक एवं उनके लेखक

- मोतीलाल नेहरू:- इंडिपेंडेंट
- दादाभाई नौरोजी :- रास्त गोफ्तार, पॉवर्टी एंड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया
- वेलेंटाइन चिरोल :- इंडिया अनरेस्ट
- सचिंद्रनाथ सानयाल :- बंदी जीवन
- भगवती चरण बौहरा :-द फिलोसोफी का बम
- राम मनोहर लोहिया :- गिल्टी मेन ऑफ इंडियाज पार्टीशन

331 लेखक एवं उनकी पुस्तक

- लेडी कैथरीन मेयो :-मदर इंडिया
- लैरी कॉलिंस एंड डोमिनिक लेपियरे:-फ्रीडम एट मिडनाइट
- राममनोहर लोहिया :-गिल्टी मेन ऑफ इंडियाज पार्टीशन
- जवाहरलाल नेहरू :-डिस्कवरी ऑफ इंडिया
- (भारत की खोज), विश्व इतिहास की झलक
- लाला लाजपत राय :-दि स्टोरी ऑफ माय डिपोर्टेशन, अनहैप्पी इंडिया
- बाल गंगाधर तिलक:-गीता रहस्य ,केसरी ,मराठा:-
- सुरेन्द्रनाथ बनर्जी :-ए नेशन इन मेकिंग ,बंगाली :-
- मौलाना अबुल कलाम आजाद :-इंडिया विन्स फ्रीडम ,अल हिलाल
- राजेंद्र प्रसाद :-इंडिया डिवाइडेड
- महात्मा गांधी :-दि स्टोरी ऑफ माई एक्सपेरिमेंट विद टूथ, यंग इंडिया,हरिजन, नवजीवन ,हिंद स्वराज
- रबींद्रनाथ टैगोर:-गीतांजलि, होम एंड द वर्ल्ड
- मदन मोहन मालवीय :- अभ्युदय, हिन्दुस्तान, लिडर
- भगत सिंह :- व्हाई आई एम एन अथिस्ट ,एन इंट्रोडक्शन टू द ड्रीमलैंड
- गोपाल कृष्ण गोखले :- नेशन
- केशव चंद्र सेन :- इंडियन मिरर
- सर सैयद अहमद खान :- तहजीब उल अखलाक
- दीनबंधु मित्रा :- नील दर्पण
- मोतीलाल नेहरू :- इंडिपेंडेंट
- अरविंद घोष :- कर्मयोगी, युगांतर, सावित्री, लाइफ डिवाइन, एस्से ऑन गीता, बंदे मातरम्
- बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय:-आनंद मठ, देवी चौधरानी
- भारतेंदु हरिश्चंद्र :- भारत दुर्दशा
- आर.सी. दत्त :- भारत का आर्थिक इतिहास
- बी. आर. अम्बेडकर :- मूक नायक,
- बहिष्कृत भारत (भारत बहिष्कृत), जाति का विनाश, पाकिस्तान या भारत का विभाजन, शूद्र कौन थे, अछूत, बुद्ध या कार्ल मैक्स, बुद्ध और उनका धम्म।
- विभूति भूषण बनर्जी :- पाथेर पांचाली
- लॉर्ड कर्जन :- पूरब की समस्याएं

332 1857 की क्रांति से संबंधित पुस्तकें

- वी.डी. सावरकर :- दि इंडियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस, 1857
- आर.सी. मजूमदार :- दि सिपॉय म्यूटिनी एंड द रिवोल्ट ऑफ 1857
- एस.बी. चौधरी :- सिविल रिबेलियन इन दि इंडियन म्यूटिनीज (1857-1859)
- अशोक मेहता :- 1857, दि ग्रेट रिबेलियन

333 नीति निर्देशक तत्त्व पर विभिन्न विद्वानों के विचार

- के०टी० शाह
  - राज्य का नीति निदशक तत्व एक ऐसा चेक है जो बैंक की सुविधानुसार अदा की जाएगी'
- टी०टी० कृष्णामचारी
  - 'भावनाओं का स्थाई कूड़ाघर'
- के०सी० व्हेयर
  - लक्ष्य एवं आकांक्षाओं का घोषणपत्र
- सर आइवर जेनिंग्स
  - इन तत्वों का कोई नियमित प्रतिमान दर्शन नहीं है','ये तत्व समाजवाद के बिना फेबियन समाजवाद हैं
- ग्रेनविल ऑस्टिन
  - निदेशक तत्व और अधिकार संविधान की मूल आत्मा हैं
- डॉ० अंबेडकर
  - निदेशक तत्व विधायिका और कार्यपालिका के लिए अनुदेश हैं।'
- बी०एन० राव
  - निदेशक तत्व राज्य प्राधिकारियों के लिए नैतिक आवश्यकता और शैक्षिक मूल्य हैं
- के. संथानम
  - इन तत्त्वों से केंद्र और राज्य के मध्य संवैधानिक टकराव होगा।

334 भारत में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दल

- भारतीय राष्ट्रीय कॉ-ेस (1885 ई
- भारतीय जनता पार्टी (1980)
- बहुजन समाज पार्टी (1984 ई.)
- भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) 1964
- नेशनल पीपुल्स पार्टी (2013 ई)
- आम आदमी पार्टी (2012 ई)
- वर्तमान में भारत में कुल 6 राष्ट्रीय राजनीतिक दल हैं

335 लोकसभा में विभिन्न राज्य/UT की सदस्य संख्या

- लद्दाख-1
- सिक्किम-1
- चंडीगढ़-1
- लक्षद्वीप-1
- पुडुचेरी-1
- नागालैंड-1,
- मिज़ोरम-1
- अंडमान निकोबार द्वीप समूह -1
- त्रिपुरा-2
- मणिपुर -2
- गोवा-2
- अरुणाचल प्रदेश-2
- मेघालय-2
- दादर और नगर हवेली दमन और दीव-2,
- हिमाचल प्रदेश-4
- जम्मू कश्मीर -5
- उत्तराखंड-5
- दिल्ली-7

336 उत्तर प्रदेश के न्यूनतम वन क्षेत्र वाले 5 जिले

- संत रविदास नगर (भदोही) - 3.12
- मऊ -11.00
- मैनपुरी -13.64
- संत कबीर नगर -14.00
- देवरिया -15.21

जिला क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)

337 उत्तर प्रदेश के अधिकतम वन क्षेत्र वाले जिले

- सोनभद्र -2540.29
- लखीमपुर खीरी- 1273.06
- मिर्जापुर -803.73
- पीलीभीत- 687.11

जिला क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)

338 केंद्र-राज्य वित्तीय सम्बन्ध (भाग - XII)

- अनुच्छेद 265 - विधि के प्राधिकार के बिना करों का आरोपण नही
- अनुच्छेद 266 - भारत और राज्यों की संचित निधियाँ और लोकलेखा
- अनुच्छेद 267 - आकस्मिकता निधि
- अनुच्छेद 268 - केन्द्र द्वारा लगाए गए, परंतु राज्यों द्वारा एकत्रित एवं विनियोजित कर ।
- अनुच्छेद 270 - संघ द्वारा लगाए गए और संग्रहीत किन्तु संघ राज्य के बीच वितरित किए जाने वाले कर
- अनुच्छेद 274 - राज्यों के हितों से सम्बंधित कराधान वाले विधेयकों के संदर्भ में राष्ट्रपति की पूर्वानुमति आवश्यक
- अनुच्छेद 275 - कुछ राज्यों को संघ से अनुदान
- अनुच्छेद 280 - राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक पाँचवें वर्ष की समाप्ति पर वित्त आयोग का गठन
- अनुच्छेद 281 - वित्त आयोग की सिफारिशों को संसद के समक्ष रखा जाना

339 उत्तर प्रदेश सामान्य ज्ञान

राज्य की राजधानी –
- आगरा (1836 से)
- प्रयागराज (1858 से)
- लखनऊ (आंशिक) (1921 से)
- लखनऊ (पूर्णतः) (1935 से)

राज्य का विभाजन – 9 नवम्बर, 2000 [उत्तर प्रदेश के 13 जिलों को अलग करके उत्तरांचल (वर्तमान में उत्तराखंड) का गठन किया गया।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) में उत्तर प्रदेश के जिले - 8 (मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलन्दशहर, हापुड, बागपत, मुजफ्फरनगर, शामली)

340 उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जाति /जनजाति

- उत्तर प्रदेश की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जातियों का प्रतिशत – 20.69%
- देश में अनुसूचित जातियों की सर्वाधिक संख्या वाला राज्य – उत्तर प्रदेश (16.6%)
- सर्वाधिक अनुसूचित जाति जनसंख्या वाला जिला – सीतापुर
- सबसे कम अनुसूचित जाति जनसंख्या वाला जिला – बागपत
- उत्तर प्रदेश की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजातियों का प्रतिशत – 0.6%
- सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति जनसंख्या वाला जिला – सोनभद्र
- सबसे कम अनुसूचित जनजाति जनसंख्या वाला जिला – बागपत
- प्रदेश में अनुसूचित जनजाति विहीन जिले – अयोध्या और जालौन

341 उत्तर प्रदेश राज्य-व्यवस्था तथ्य

- राज्य में पहली बार राष्ट्रपति शासन – 25 फरवरी 1968 से 26 फरवरी 1969 तक
- राज्य विधानमंडल – द्विसदनीय विधानमंडल
- लोकसभा सीटों की संख्या – 80
- राज्यसभा सीटों की संख्या – 31
- सर्वाधिक बार विधानसभा अध्यक्ष – श्री आत्माराम गोविंद खेर एवं केशरी नाथ त्रिपाठी (3-3 बार)
- विधान सभा के कुल सदस्य – 403
- विधान परिषद के कुल सदस्य – 100
- पहली राज्य विधान सभा गठित हुई – जुलाई 1937
- सर्वाधिक विधानसभा सीटों वाला जिला – प्रयागराज (12 सीटें)
- सबसे कम विधानसभा सीटों वाला जिला – श्रावस्ती, महोबा, चित्रकूट (2-2 सीटें)

342 गुप्त काल के महत्त्वपूर्ण कार्यालय

- महादंडनायक - न्याय का प्रमुख
- अश्वपति - घोड़ों का प्रभारी अधिकारी
- महाप्रतिहार - रक्षकों का प्रमुख
- नगर श्रेष्ठि - नगर प्रशासन की देखरेख करने वाले अधिकारी
- ग्रामाध्यक्ष/ग्रामिका - ग्राम प्रधान
- नरपति - प्रधान पैदल सैनिक
- दूताकास - उपहार और अनुदान से संबद्ध
- रणभंडाग्रिका - सन्य आपति का प्रभारी अधिकारी
- संधि-विग्रहिका - शांति एवं युद्ध मंत्री
- अक्षपातलाधिकृत - अभिलेख एवं लेखा अधीक्षक
- पिलुपति - सेना में हाथियों का प्रभारी अधिकारी

343 उत्तर प्रदेश में गुप्त मंदिर / शिलालेख

- दशावतार मंदिर, देवगढ़
  - दशावतार मंदिर उत्तर प्रदेश के ललितपुर शहर के देवगढ़ गाँव में स्थित है। मंदिर की खोज कैप्टन चार्ल्स स्टूहान ने की थी और इसका नाम अलेक्जेंडर कनिंघम ने रखा था।
- भीतरगाँव मंदिर
  - भीतरगाँव मंदिर उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में स्थित है। यह सबसे पुराना बचा हुआ हिंदू मंदिर है, और इसे छठी शताब्दी में गुप्त काल में बनाया गया था।
- धमेख स्तूप
  - वाराणसी से 13 किमी दूर सारनाथ में स्थित है। यह हिरण पार्क या ऋषिपत्तन को चिह्नित करता है जहाँ बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था।
- भितरी शिलालेख स्तंभ
  - स्कंदगुप्त का भितरी स्तंभ शिलालेख, ग्राम भिटारी, सैदपुर, गाज़ीपुर, उत्तर प्रदेश में खोजा गया था, और यह गुप्त साम्राज्य के शासक स्कंदगुप्त (लगभग 455- लगभग 467 ईस्वी) के शासनकाल का है।

344 महत्त्वपूर्ण संगम साहित्य

- सिलप्पादिकारम
  - इलांगो आदिगल द्वारा लिखित। यह कोवलन, कनाग्गी और माधवी के प्रेम प्रसंग के बारे में है। बाद में,दक्षिण भारत में एक कनाग्गी पंथ विकसित हुआ।
- मणिमेखलाई
  - सीतालाई सत्तनार द्वारा लिखित, अगली पीढ़ी में सिलप्पदिकारम की कहानी जारी है जिसमें मणिमेखलाई माधवी और कोवलन की बेटी है।
- तोलकाप्पियम
  - तोलकाप्पियार द्वारा लिखित द्वितीय संगम का उत्पाद था और यह मूल रूप से तमिल व्याकरण और काव्यशास्त्र पर एक काम है।
- तिरुक्कुरल
  - दर्शनशास्त्र से संबंधित है और तिरुवल्लुवर द्वारा लिखा गया था।
- जीवक चिंतामणि
  - मदुरै स्थित जैन तपस्वी तिरुत्तक्कतेवर (10वीं शताब्दी) द्वारा लिखित ।
- कुंडलकेशी
  - यह कुंडलकेशी नाम की व्यापारी जाति की एक हिंदू या जैन लड़की के बारे में एक दुखद प्रेम कहानी प्रतीत होती है, जिसे मौत की सजा पाने वाले बौ अपराधी कलान से प्यार हो जाता है।

345 ग्रंथ और उनके रचियता

- पुण्डरीक विट्ठल
  - वह 'राग माला' से जुड़े ,भारतीय संगीतकार थे।
  - उन्होंने संगीत से संबंधित 'सद्रग-चंद्रोदय' नामक पुस्तक की रचना की।
  - राजा मानसिंह के निर्देशानुसार उन्होंने 'रागमंजरी' नामक ग्रंथ की रचना की।
- श्री कंठ
  - वह "रस कौमुदी" से जुड़े हुए हैं, पुंड्रिक विट्ठल के छात्र थे।वे सतरुसल्या के दरबारी कवि थे।
  - रसकौमुदी मुखर और वाद्य संगीत और नृत्य से संबंधित है।
- सोमनाथ
  - वह राग विबोध से जुड़े हुए,एक तेलगु ब्राह्मण थे और राजमुंदरी के रहने वाले थे।
  - उन्होंने अपने रागों को जन्य-जनक या थाटा-राग प्रणाली के संदर्भ में वर्णित किया।
- वेंकटरमन
  - वह चतुर्दंडीप्रकाशिक से जुड़े हुए हैं, कर्नाटक संगीत के एक भारतीय कवि, संगीतकार थे।
  - चतुर्दंडीप्रकाशिक ने भारत की कर्नाटक संगीत परंपरा में रागों को वर्गीकृत और व्यवस्थित करने के लिए एक सैद्धांतिक मेलकार्ता प्रणाली की शुरुआत की।

346 बौद्ध धर्म से संबंधित त्रिपिटक

- त्रिपिटक /तीन टोकरी एक पारंपरिक शब्द है जिसका इस्तेमाल विभिन्न बौद्ध धर्मग्रंथों के लिए किया जाता है।
- तीन पिटक सुत्त पिटक, विनय पिटक और अभिधम्म पिटक हैं।
  - **विनय पिटक:**- भिक्षुओं और भिक्षुणीयों के मठवासी जीवन पर लागू आचरण और अनुशासन के नियम शामिल हैं।
  - **सुत्त पिटक :**- बुद्ध की मुख्य शिक्षा या धम्म शामिल हैं। इसे पाँच निकायों या संग्रहों में विभाजित किया गया है:
    - दीघा निकाय:
    - मज्झिमा निकाय
    - संयुक्त निकाय
    - अंगुत्तरा निकाय
    - खुदाका निकाय:
  - **अभिधम्मा पिटक** :-भिक्षुओं की शिक्षा और विद्वतापूर्ण गतिविधि का एक दार्शनिक विश्लेषण और व्यवस्थितकरण है।
- अन्य महत्वपूर्ण बौद्ध ग्रंथों में दिव्यदान, दीपवंश, महावंश, मिलिन्द पंह आदि शामिल हैं।
- मिलिंदपन्हो, पालि भाषा में लिखा गया एक बौद्ध ग्रंथ है. यह ग्रंथ, बौद्ध भिक्षु नागसेन और भारत-यूनानी शासक मिलिंद के बीच हुए वार्तालाप का वर्णन करता है. मिलिंदपन्हो का शाब्दिक अर्थ है, 'मिलिंद के प्रश्न
- नागसेन, कश्मीर के रहने वाले सर्वस्तिवादी बौद्ध भिक्षु थे.

347 विद्युत चुंबकीय तरंगे:

- **तरंगदैध्य(wavelength) के घटते क्रम में**

रेडियो वेव(Radio wave)
↓
माइक्रोवेव(Microwave)
↓
अवरक्त तरंग(Infrared wave)
↓
दृश्य तरंग(Visible wave)
↓
पराबैंगनी तरंग(Ultraviolet wave)
↓
एक्स-रे किरण (X–rays)
↓
गामा किरण(Gamma-rays)

- **ऊजा/आवृति के घटते क्रम में**

गामा किरण(Gamma-rays)
↓
एक्स-रे वेव(X–rays)
↓
पराबैंगनी तरंग(Ultraviolet wave)
↓
दृश्य तरंग(Visible wave)
↓
अवरक्त तरंग(Infrared wave)
↓
माइक्रोवेव(Microwave)
↓
रेडियो तरंग (Radio wave)

348 विद्युत चुम्बकीय तरंगें-खोजकर्ता

- गामा किरणें - बैकुरल
- एक्स-किरणें - रॉन्जन
- पराबैंगनी किरणें - रिटर
- दृश्य विकिरण - न्यूटन
- अवरक्त विकिरण - हर्शेल
- लघु रेडियो तरंगें - हेनरिक हर्ट्ज
- दीर्घ रेडियो तरंगें - मारकोनी

349 मेटल से होने वाले रोग

- ब्लू बेबी सिंड्रोम - नाइट्रेट
- मिनामाता - पारा (mercury)
- इटाई-इटाई - कैडमियम(cd)
- ब्लैकफुट - आर्सेनिक
- Knee -knock सिंड्रोम - फ्लोराइड

350 जीवाणु से होने वाले रोग

- टिटेनस - क्लॉस्टीडियम टिटनी
- हैजा - विब्रियो कॉलेरी
- टायफाइड - सॉल्मोनेला टॉइफी
- क्षय रोग(TB) - माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस
- डिप्थीरिया - कोरीनीबैक्टीरियम डिप्थीरी
- प्लेग - पाश्चुरेला पेस्टिस या यर्सीनिया पेस्टिस
- काली खांसी - बोर्डटेला परटूसिस
- निमोनिया - स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनी
- कोढ़ - माइकोबैक्टीरियम लेप्री
- गोनोरिया - नाइसेरिया गोनोरियाई
- सिफलिस - ट्रैपोनेमा पैलिडम

351 प्रमुख तत्वों की कमी से होने वाले पादप रोग

- जिंक (Zn) - धान में खैरा रोग
- जिंक (Zn) - मक्का में सफेद कली रोग
- जिंक (Zn) - नींबू का लिटिल लीफ रोग
- बोरॉन (B) - फूलगोभी में ब्राउनिंग रोग
- बोरॉन (B) - चुकंदर का हॉर्ट रॉट
- तांबा/कॉपर (Cu) - नींबू में डाईबैक रोग
- मॉलिब्डेनम (Mo) - पत्तागोभी में व्हिपटेल रोग

352 महत्वपूर्ण मिश्र धातु

- पीतल – जिंक(Zn)+कॉपर(Cu)
- कांसा – तांबा(Cu)+टिन(Sn)
- टांका(सोल्डर) – टिन+सीसा
- स्टील – लोहा(Fe)+कार्बन(C)
- जर्मन सिल्वर – Zn+Cu+Ni(निकल)
- स्टेनलेस स्टील – लोहा(Fe)+क्रोमियम(Cr)+Ni
- अमलगम – पारा(Hg)+अन्य धातु(लोहे को छोड़कर)

353 आवृत्ति के आधार पर ध्वनि तरंगें

- **सुपरसोनिक** : कोई वस्तु ध्वनि की गति, जो 1 मैक है, से भी अधिक तेज़ गति से चलती है।
- **हाइपरसोनिक** : एक वस्तु 5.0-10.0 की गति से यात्रा करती है
- **अल्टासोनिक(परा व्य)** : एक तरंग की आवृत्ति 20,000 हर्ट्ज से अधिक होती है, जो मानव श्रवण क्षमता से परे है।
- **इन्फ्रासोनिक :** एक तरंग की आवृत्ति 20 हर्ट्ज से कम होती है, जो मानव श्रवण क्षमता से कम होती है।
- सबसोनिक : तरंग ध्वनि की गति से धीमी गति से चलती है।

354 पौधों में होने वाले प्रमुख रोग

पौधों में होने वाले प्रमुख जीवाणु जनित रोग

- आलू का शैथिल रोग (Potato Wilt) - स्यूडोमोनास सोलेनेसेरम
- ाउन गॉल रोग - एग्रोबैक्टीरियम ट्यूमिफेशियंस
- बंदगोभी का काला गलन (Black rot of Cabbage) - जैन्थोमोनास कैम्पेस्ट्रिस
- नींबू कैंकर या (Citrus Canker) - जैन्थोमोनास सिट्री

पौधों के प्रमुख कवक जनित रोग

- Black rust of wheat - पक्सीनिया ग्रेमिनिस ट्रीटीसाई
- Loose Smut of Wheat - अस्टीलैगो नूडा ट्रीटीसाई
- Early blight of Potato - अल्टरनेरिया सोलेनी
- Late blight of Potato - फाइटोफ्थोरा इन्फेस्टेंस
- आलू का वार्ट रोग - सिनकाइट्रियम एण्डोबायोटिकम
- मूंगफली का टिक्का रोग - सर्कोस्पोरा पर्सोनेटा
- गन्ने का लाल गलन रोग - कोलाटोटाइकम फ ` टम

355 प्रमुख पर्यावरणीय कन्वेंशन

- रामसर कन्वेंशन :
  - वेटलैंड्स पर कन्वेंशन
  - इसे 1971 में ईरान के 'रामसर' शहर में अपनाया गया 1975 में लागू।
- बॉन कन्वेंशन :
  - यह जंगली जानवरों की प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर एक सम्मेलन है।
  - इसे 1979 में अपनाया गया। 1983 में लागू।
- वियना कन्वेंशन :
  - ओजोन परत के संरक्षण से संबधित।
  - 1985 में अपनाया गया।1988 में लागू ।
- मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल :
  - ओजोन परत का क्षरण करने वाले पदार्थों पर एक अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण प्रोटोकॉल।
  - 1987 में अपनाया गया। 1989 में लागू।
- बेसल कन्वेंशन :
  - खतरनाक अपशिष्टों की सीमापार गतिविधियों के नियंत्रण और उनके निपटान से सम्बन्धित।
  - 1989 में अपनाया गया।1992 में लागू ।
- जैव विविधता पर कन्वेंशन (CBD) :
  - जैव विविधता के संरक्षण से सम्बन्धित।
  - 1992 में अपनाया गया।1993 में लागू ।
- क्योटो प्रोटोकोल :
  - ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने से सम्बन्धित।
  - 1997 में अपनाया गया। 2005 में लागू।
- रॉटरडैम कन्वेंशन:
  - अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में कुछ खतरनाक रसायनों और कीटनाशकों के लिए पूर्व सूचित सहमति प्रक्रिया से संबधित।
  - 1998 में अपनाया गया। 2004 में लागू ।
- कार्टाजेना प्रोटोकॉल :
  - यह जैव विविधता पर कन्वेंशन के लिए जैव सुरक्षा पर एक अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण प्रोटोकॉल है।
  - 2000 में अपनाया गया, 2003 में लागू।

- स्टॉकहोम कन्वेंशन :
  - Persistent Organic Pollutants (POPs) से सम्बन्धित है।
  - इसे 2001 में जिनेवा में अपनाया गया 2004 में लागू।
- नागोया प्रोटोकॉल :
  - यह आनुवंशिक संसाधनों तक पहुंच और उनके उपयोग (ABS) से उत्पन्न होने वाले लाभों के उचित और न्यायसंगत बंटवारे से सम्बन्धित है।
  - 2010 में अपनाया गया।, 2014 में लागू।
- मिनामाता कन्वेंशन :
  - पारा के प्रतिकूल प्रभावों से मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा करना है।
  - 2013 में अपनाया गया था, 2017 में लागू।
- किगाली समझौता :
  - ओजोन क्षरण से सम्बन्धित(मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल में संशोधन)।
  - 2016 में अपनाया गया। 2019 में लागू।

356 प्रमुख फसलों के शीर्ष तीन उत्पादक राज्य (वर्ष 2023-24)

- चावल - तेलंगाना ,उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल
- गेहूं - उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब
- मक्का - कर्नाटक ,बिहार, मध्य प्रदेश
- मोटे अनाज - राजस्थान ,कर्नाटक, मध्य प्रदेश
- अरहर (तूर) - कर्नाटक ,महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश
- दालें - मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र ,राजस्थान
- खाद्यान्न - उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब
- मूंगफली - गुजरात ,राजस्थान, मध्य प्रदेश
- रेपसीड और सरसों - राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश
- सोयाबीन - मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान
- सूर्यमुखी – कर्नाटक ,हरियाणा ,ओडिशा
- तिलहन – राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात
- गन्ना – उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक
- कपास - गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना
- जूट और मेस्ता - पश्चिम बंगाल, बिहार ,असम

357 भारत के प्रमुख नाभिकीय ऊर्जा केंद्र

- तारापुर परमाणु ऊर्जा केंद्र - महाराष्ट्र
- रावतभाटा परमाणु ऊर्जा केंद्र - राजस्थान
- कलपक्कम परमाणु ऊर्जा केंद्र - तमिलनाडु
- नरौरा परमाणु ऊर्जा केंद्र - उत्तर प्रदेश
- कैगा परमाणु ऊर्जा केंद्र - कर्नाटक
- काकरापार परमाणु शक्ति केंद्र - गुजरात

358 भारत में जल विद्युत केंद्र

- कल्पोंग जल विद्यत परियोजना - अडमान और निकोबार द्वीप समूह
- टिहरी- उत्तराखंड , भागीरथी नदी
- श्रीशैलम राज्य - आंध्र प्रदेश , कृष्णा नदी
- भाखड़ा नांगल बांध - हिमाचल प्रदेश ,सतलुज नदी
- नागार्जुन सागर बांध - आंध्र प्रदेश और तेलंगाना, कृष्णा नदी
- इडुक्की राज्य - केरल , पेरियार नदी
- सरदार सरोवर बांध - गुजरात ,नर्मदा नदी
- शिवानासमुद्र राज्य - कर्नाटक ,कावेरी नदी

359 लाल सागर सीमावर्ती देश

- मिस्र
- सऊदी अरब
- यमन
- सूडान
- इरिट्रिया
- ज़िबूती

360 अरब प्रायद्वीप में आने वाले देश

- कुवैत
- ओमान
- कतर
- सऊदी अरब
- जॉर्डन
- संयुक्त अरब अमीरात
- यमन
- इराक और जॉर्डन का कुछ दक्षिणी हिस्सा

361 भारत में कोयले के प्रकार

- एन्थ्रेसाइट कोयला
  - सबसे उत्तम कोयला है
  - कार्बन की मात्रा 90 से 95 प्रतिशत
  - जलते समय यह धुँआ नहीं देता
  - ताप सबसे अधिक देता है
  - यह जम्मू-कश्मीर राज्य से प्राप्त होता है।
- बिटुमिनस कोयला
  - यह द्वितीय श्रेणी का कोयला
  - कार्बन की मात्रा 55% से 80%,होती है
  - गोंडवाना काल का कोयला इसी प्रकार का है
  - यह क्षेत्र देश के कुल 113 कोयला क्षेत्रों में से 80 कोयला क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करता है
- लिग्नाइट कोयला
  - यह घटिया किस्म का भूरा कोयला
  - कार्बन की मात्रा 40 प्रतिशत से 55 % तक
  - इसमें गंधक की प्रचुर मात्रा (2 से 7%) होने के कारण यह कुछ उद्योगों के लिए प्रयुक्त नहीं होता है।
- पीट (Peet)
  - कार्बन की मात्रा 40 प्रतिशत से कम
  - जलाने पर अधिक राख एवं धुआँ निकालता है
  - यह सबसे निम्न कोटि का कोयला होता है, जिसमें आर्द्रता अधिक होती है

362 उत्तर प्रदेश के प्रमुख लोक नृत्य

- पूर्वांचल विशेष
  - नटवरी नृत्य - पूर्वांचल के यादव समाज द्वारा
  - धोबिया नृत्य - पूर्वांचल (विवाह या संतानोत्पत्ति के समय धोबी समुदाय द्वारा
  - कठघोड़वा नृत्य - पूर्वांचल (मांगलिक अवसरों पर)
  - नकटौरा नृत्य - पूर्वांचल (लड़कों के विवाह पर)
  - बिदेसिया नृत्य - पूर्वांचल (पति जब विदेश जाता है उस समय)
  - जोगिनी नृत्य - अवध क्षेत्र (रामनवमी के त्यौहार पर
- ब्रजमंडल क्षेत्र
  - झूला नृत्य- ब्रज क्षेत्र (मंदिरों में श्रावन मास में किया जाता है)
  - चरकुला नृत्य - ब्रज क्षेत्र (होली पर्व पर महिलाओं द्वारा 108 दीपकों को सिर पर रखकर किया जाता है)
- बुंदेलखंड क्षेत्र
  - घड़ा नृत्य - बुंदेलखंड क्षेत्र (मांगलिक अवसरों पर)
  - राई नृत्य - बुंदेलखंड क्षेत्र (मांगलिक अवसरों पर, श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर)
  - पाई डंडा नृत्य - बुंदेलखंड क्षेत्र (अहीर समाज का पारंपरिक नृत्य)
  - बरेदी नृत्य - बुंदेलखंड क्षेत्र में (दीपावली पर्व पर ब्रज की लट्ठमार होली की तरह)
  - करमा नृत्य - सोनभद्र एवं मिर्जापुर में (खरवार आदिवासियों द्वारा होली के पर्व पर
  - शैरा नृत्य - सोनभद्र एवं मिर्जापुर (आदिम समाज के लोगों द्वारा)
  - चौलर नृत्य - सोनभद्र-मिर्जापुर (अच्छी वर्षा एवं अच्छी फसल के लिए)

363 पंचायती राज से संबंधित प्रमुख समितियों का विवरण

- बलवंत राय मेहता समिति की त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था अथवा प्रजातांत्रिक विकेन्द्रीकरण की सिफारिश पर सर्वप्रथम 2 अक्टूबर, 1959 को राजस्थान के नागौर जिले में पं. जवाहर लाल नेहरू ने पंचायती राज प्रणाली का शुभारम्भ किया था।
- अशोक मेहता समिति ने द्विस्तरीय (जिला परिषद व मण्डल पंचायत) पंचायत व्यवस्था का सुझाव दिया था।
- एल. एम. सिंघवी व पी. के. धुंगन समिति ने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्रदान करने की सिफारिश किया था।
- पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक स्तर प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिंह राव के कार्यकाल में 73वें संविधान संशोधन अधिनियम 1992 द्वारा प्रदान किया गया है। जो 24 अप्रैल, 1993 से प्रभावी हुआ।

364 लोकसेवा आयोग से सम्बधित अनुच्छेद

- अनुच्छेद 315 - संघ एवं राज्यों के लिए लोक सेवा आयोग
- अनुच्छेद 316 - सदस्यों की नियुक्ति एवं कार्यकाल
- अनुच्छेद 317 - लोक सेवा आयोग के सदस्य की बर्खास्तगी एवं निलम्बन
- अनुच्छेद 318 - आयोग के सदस्यों एवं कर्मचारियों की सेवा शत सम्बन्धी नियम बनाने की शक्ति
- अनुच्छेद 319 - आयोग के सदस्यों द्वारा सदस्यता समाप्ति के पश्चात पद पर बने रहने पर रोक
- अनुच्छेद 320 - लोक सेवा आयोग के कार्य
- अनुच्छेद 321- लोक सेवा आयोग के कार्यों को विस्तारित करने की शक्ति संसद को
- अनुच्छेद 322 - संघ लोक सेवा आयोग के व्यय भारत की संचित निधि पर, जबकि राज्य लोक सेवा आयोगों के व्यय सम्बंधित राज्य की संचित निधि पर भारित होते हैं।
- अनुच्छेद 323 - लोक सेवा आयोगों के प्रतिवेदन

365 प्रमुख संविधान संशोधन

- **प्रथम संविधान संशोधन, 1951** - 9वीं अनुसूची जोड़ी गयी जिसमें उल्लिखित विषयों को न्यायिक पुनर्विलोकन से बाहर रखा गया।
- **10वां संशोधन अधिनियम 1961** - दादर और नागर हवेली को भारत संघ में जोड़ा गया।
- **11वां संशोधन अधिनियम 1961** - राष्ट्रपति/ उपराष्ट्रपति के निर्वाचन को उपयुक्त निर्वाचक मण्डल में रिक्तता के आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती
- **12वां संशोधन अधिनियम 1962** - गोवा, दमन और दीव भारत संघ में शामिल
- **31वां संशोधन अधिनियम 1973** -लोकसभा सीटों की संख्या 525 से बढ़ाकर 545 की गई।
- **36वां संशोधन अधिनियम 1975** - सिक्किम को पूर्ण राज्य का दर्जा मिला

366 इतिहास के कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

- 1717 मे फर्रूखसियर मे मुर्शीद कुली खान को बंगाल का सूबेदार बनाया।
- मुशिद कुली खां ने राजधानी ढाका से मुर्शिदाबाद जबकि मीर कासिम मे राजधानी मुर्शिदाबाद से मुंगेर स्थानांतरित की।
- 1740 मे गिरिया के युद्ध मे सरफराज को मारकर अली वर्दी बंगाल का नवाब बना।
- 1756 मे सिराजुद्दोला बंगाल का नवाब बना।
- जॉर्ज ऑरवल क द्वारा 20 जन 1756 क दिन काल कोठरी की त्रासदी या ब्लैक होल घटना का उल्लेख किया गया।
- 23 जून 1757 को सिराजुद्दौला और रॉबर्ट क्लाइव के बीच प्लासी का युद्ध हुआ।
- अंग्रेजो ने पहले मीर जाफर और 1760 मे मीर कासिम को बंगाल का कठपुतली नवाब बनाया।
- 22 अक्टूबर 1764 : बंगाल की अत्यधिक लूट से परेशान होकर मीर कासिम मे मुगल बादशाह शाह आलम द्वितीय और अवध के नवाब शुजाउद्दौला के साथ मिलकर अंग्रेजी जनरल हेक्टर मुनरो की सेना के साथ बक्सर का युद्ध लड़ा
- 12 अगस्त 1765 इलाहाबाद की प्रथम संधि - रॉबर्ट क्लाइव व मुगल बादशाह शाह आलम द्वितीय
- 16 अगस्त 1765 इलाहाबाद की द्वितीय संधि - रॉबर्ट क्लाइव और अवध के नवाब शुजाउद्दौला
- 1765 से 1772 बंगाल मे द्वैध शासन चला

367 महाराजा दिलीप सिंह (1843- 1849)

- अल्प वयस्क शासक :- संरक्षिका (महारानी जिन्द कौर)
- चिलयावाला का युद्ध (1849) :- लॉर्ड डलहौजी
- प्रथम और द्वितीय आंग्ल सिख युद्ध
- 1849 :- पंजाब पर शासन करने हेतु डलहौजी ने तीन लोगों की परिषद बनाई -अध्यक्ष सर हेनरी लॉरस
- दिलीप सिंह को 50000 पाउंड की वार्षिक पेंशन दी गई
- उन्होंने ईसाई धर्म अपनाया
- कोहिनूर हीरा अंग्रेजों को दिया
- फ्रांस में उनकी मृत्यु हुई कथा इंग्लैंड में अंतिम संस्कार

368 सिखों के दस गुरु और उनके कार्य

- गुरु नानक देव (1469-1539)
- गुरु अंगद (लहना)(1504-1552)- गुरुमुखी लिपि का आविष्कार
- गुरु अमर दास (1479-1574)
- गुरु राम दास (1534-1581) -अकबर ने 500 बीघा जमीन दी जिस पर अमृतसर शहर बसाया गया गुरु के पद को पत्रक बनाया
- गुरु अर्जुन देव (1563-1606) -तरनतारन नगर की स्थापना की, गुरु ग्रंथ साहिब का संकलन किया जहांगीर ने हत्या करवाई
- गुरु हरगोबिंद (1594-1644) सिखों को लड़ाकू जाति में परिवर्तित किया अकाल तख्त का निर्माण
- गुरु हर राय (1630-1661)
- गुरु हरकिशन (1656-1664)
- गुरु तेग बहादुर (1621-1675) औरंगजेब द्वारा हत्या की गई
- गुरु गोबिंद सिंह (1666-1708)- खालसा पंथ की स्थापना

369 गोलमेज सम्मेलन

- प्रथम गोलमेज सम्मेलन - 12 नवंबर 1930
  - साइमन कमीशन की सिफारिशों पर विचार करने के लिए आयोजन,कांग्रेस के भाग न लेने के कारण वार्ता असफल
- द्वितीय गोलमेज सम्मेलन - 7 सितंबर 1931 से प्रारंभ
  - वायसराय लॉर्ड वेलिंगटन के समय आयोजित सम्मेलन में कांग्रेस की तरफ से गांधी की भागीदारी, दलितों के लिए प्रथक निर्वाचक मंडल की मांग के कारण वार्ता असफल
- तृतीय गोलमेज सम्मेलन - 17 नवंबर 1932 से प्रारंभ
  - कांग्रेस द्वारा सम्मेलन का बहिष्कार, सम्मेलन के पश्चात भारत शासन विधेयक प्रस्तुत, भारत शासन अधिनियम 1935 में पारित

370 आधुनिक इतिहास से संबंधित प्रमुख महिलाएं

- मैडम कामा
  - पारसी क्रांतिकारी
  - पेरिस इंडियन सोसाइटी की स्थापना
  - राष्ट्रीय ध्वज का पहला संस्करण फहराया
- एनी बेसेंट
  - महिला भारतीय संघ की पहली अध्यक्ष
  - इंडियन होम रूल लीग की संस्थापक
  - थियोसोफिकल सोसाइटी में योगदान दिया।
- कैप्टन लक्ष्मी सहगल
  - झांसी की रानी रेजिमेंट में अधिकारी
  - अखिल भारतीय जनवादी महिला संघ की संस्थापक सदस्य
- कमलादेवी चट्टोपाध्याय
  - गांधी के विचारों से प्रेरित
  - भारतीय सहकारी संघ के संस्थापक
  - अखिल भारतीय महिला सम्मेलन से जुड़ी
- कस्तूरबा गांधी
  - महात्मा गांधी की पत्नी
  - दक्षिण अफ्रीका में भारतीय अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी
  - बोरसाद सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लिया
- अरुणा आसफ अली
  - भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराया
  - आजादी के बाद दिल्ली के पहली मेयर
- कल्पना दत्ता
  - 1930 में चटगांव शस्त्रागार छापे में भाग लिया
- सरोजिनी नायडू
  - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली भारतीय महिला अध्यक्ष(कानपुर 1925)
  - गांधी के साथ दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया
- उषा मेहता
  - चटगांव शस्त्रागार छापे में भाग लिया
  - स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भूमिगत रेडियो कार्यक्रम शुरू किया
- शान्ति घोष
  - स्वतंत्रता संग्राम की क्रान्तिकारी वीरांगना
  - अपनी सहपाठिनी सुनीति चौधरी के साथ मिलकर उन्होने त्रिपुरा के कलेक्टर जी वी स्टिवेन को गोली मारी थी।
  - शान्ति और सुनीति को संसार की सबसे कम उम्र की क्रान्तिकारी माना जाता है।

371 संगठन / आंदोलन एवं वर्ष – संस्थापक

- मित्र मेला (पूना), 1899 – सावरकर बंधु
- अनुशीलन समिति (कलकत्ता एवं ढाका); 1902 – बरींद्र कुमार घोष; जतिन्द्रनाथ बनर्जी, प्रमोथा मित्तर एवं पुलिन दास
- अभिनव भारत सभा (पूना); 1904 – विनायक दामोदर सावरकर
- हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (कानपुर); 1924 – सचिन्द्रनाथ सान्याल एवं जोगेश चंद्र चटर्जी, भगत सिंह एवं उधम सिंह द्वारा समर्थित
- गदर दल (सैन फ्रैंसिस्को में); 1913 – लाला हरदयाल एवं सोहन सिंह भखाना
- हिन्दू धर्म संघ – चापेकर बंधु
- आर्य बांधव समाज – बाल गंगाधर तिलक
- भारत माता समिति; 1904 – जे.एम. चटर्जी, नीलकंठ ब्रह्मचारी और वांची अय्यर
- भीकाजी आंदोलन; 1902 – मैडम भीकाजी कामा
- आत्म-उन्नति समिति – विपिन बिहारी गांगुली
- हिन्द एसोसिएशन आफ अमेरिका; 1913 – सोहन सिंह भखाना
- हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (दिल्ली); 1928 – चंद्रशेखर आजाद
- बंगाल स्वयंसेवी – हेमचंद्र घोष और लीला नाग
- इंडियन रिपब्लिकन आर्मी– सूर्य सेन
- अनुशीलन समिति (मदनापुर); 1902 – ज्ञानेंद्र नाथ बोस
- भारतमाता सोसायटी (पंजाब); 1907 – अम्बा प्रसाद व अजीत सिंह
- स्वदेश बांधव समिति (बारिसाल); 1905 – अश्विनी कुमार दत्त

372 गांधी जी के आश्रम स्थान ,वर्ष

- टॉलस्टाय फार्म-जोहान्सबर्ग -1910
- फीनिक्स फार्म-डरबन -1904
- साबरमती आश्रम - साबरमती नदी (अहमदाबाद)-1915
- सत्याग्रह आश्रम - कोचरब (अहमदाबाद)-1915
- अनाशक्ति आश्रम - कौसानी (उत्तराखण्ड)-1929
- सेवाग्राम आश्रम - वर्धा (महाराष्ट्र)-1936

373 महात्मा गांधी को मिली हुई उपाधियाँ

- कैसर-ए-हिन्द - प्रथम विश्व युद्ध के समय
- भर्ती करने वाला साजट - प्रथम विश्व युद्ध के समय
- कुली बैरिस्टर - दक्षिण अफ्रीका के अंग्रेज मजिस्ट्रेट
- आधुनिक युग के अज्ञात शत्रु - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
- मलंग बाबा - कबायलियों द्वारा
- बापू - सी. एफ एण्डूज व जवाहरलाल
- अर्द्धनग्न/देशद्रोही फकीर - विंस्टन चर्चिल
- भिखारियों का राजा - पं. मदन मोहन मालवीय
- राष्ट्रपिता- सभाष चन्द्र बोस
- वन मैन ब्राउंड्री फोर्स - लॉर्ड माउंटबेटन
- महात्मा - रवीन्द्रनाथ टैगोर

374 महत्वपूर्ण पुस्तकें व उनके लेखक

- अकबरनामा - अबुल फजल
- अष्टाध्यायी - पाणिनि
- कामसूत्र - वात्स्यायन
- इंडिका - मेगास्थनीज
- राजतरंगिणी - कल्हण
- माय ट्रुथ - इंदिरा गांधी
- शाहनामा - फिरदोसी
- बाबरनामा - बाबर
- हुमायूंनामा - गुलबदन बेगम
- विनय पत्रिका - तुलसीदास
- गीत गोविंद - जयदेव
- बुद्धचरितम - अश्वघोष
- मालगुडी डेज - आर के नारायण
- काव्यमीमांसा - राजशेखर
- हर्ष चरित्र - बाणभट्ट
- मेघदूत - कालिदास
- मुद्राराक्षस - विशाखदत्त
- हितोपदेश - नारायण पंडित

375 सम्राट के द्वारा लिखी पुस्तके एवं उनकी भाषा

- रत्नावली - हर्षवर्धन - संस्कृत
- प्रियदर्शिका - हर्षवर्धन - संस्कृत
- नागनंद - हर्षवर्धन - संस्कृत
- अमुक्तमलयादा - श्री कृष्ण देवराय- तेलुगु
- तुज़्क-ऐ-जहाँगीर - जहांगीर - फ़ारसी
- बाबरनामा या तुज़्क-ऐ-बाबरी - बाबर - चगताई

376 शासक और उनकी पत्नी

- हमीदा बानू बेगम - हुमायूं
- शाह तुर्कन - इल्तुतमिश
- मरियम-उज़-ज़मानी (हिराबाई/जोधा बाई) - अकबर
- नूरजहां (मेहरुन्निसा) - जहांगीर
- मुमताज (अरजुमंद बानो बेगम) - शाहजहां
- मलिका-ए-जहाँ - अलाउद्दीन खिलजी

377 प्रमुख युद्ध

- 1556 – पानीपत का दूसरा युद्ध – मुग़ल सम्राट अकबर ने हिंदू राजा हेमू को हराया।
- 1567 – थानेसर का युद्ध – अकबर ने सन्यासियों के दो समूहों को हराया।
- 1575 – तुकारोई का युद्ध – अकबर ने बिहार और बंगाल की सल्तनत को हराया।
- 1576 – हल्दीघाटी का युद्ध – अकबर ने वीर महाराणा प्रताप को हराया।
- 1671 – सराईघाट का युद्ध – अहोम सम्राट लाचित बोड़फुकन ने मुगल सेना का प्रतिनिधित्व कर रहे राम सिंह को हराया।
- 1739 – करनाल का युद्ध – ईरानी नादिर शाह ने मुग़ल सम्राट मुहम्मद शाह को हराया और मुग़ल साम्राज्य से बहुमूल्य कोहिनूर हीरा और मोर सिंघासन लूट लिया।

378 प्रमुख मत एवं उनके प्रवर्तक

- अद्वैतवाद - शंकराचार्य
- विशिष्टाद्वैतवाद - रामानुजाचार्य
- द्वैताद्वैतवाद - निम्बार्काचार्य
- शुद्धाद्वैतवाद - वल्लभाचार्य
- द्वैतवाद - माधवाचार्य
- भेदाभेदवाद - भास्कराचार्य
- शैव विशिष्टाद्वैत - श्रीकंठ
- अचिंत्य भेदाभेदवाद - बलदेव
- वीर शैव विशिष्टाद्वैत - श्री पति
- अविभागद्वैत - विज्ञान भिक्षु

379 हुमायूँ द्वारा लड़े गये युद्ध

- दौहरिया या दौराहा का युद्ध (गोमती के तट पर) 1532 मे - महमूद लोदी और शेरशाह की संयुक्त सेना को हराया
- चौसा का युद्ध (26 जून 1539) - बक्सर बिहार में, हुमायूँ की जान इसी युद्ध मे निजाम नामक भिश्ती ने बचाई, शेरशाह ने जीत के बाद शेरशाह की उपाधि ली
- कन्नौज/ बिलग्राम का युद्ध (मई 1540) - हुमायूँ की निर्णायक हार, दिल्ली पर शेरशाह का कब्जा
- मच्छीवाड़ा का युद्ध (15 मई 1555) - सिकंदर सूर को हराया
- सरहिंद का युद्ध (22 जून 1555) - सिकंदर सूर को पुन: हराया
- जुलाई 1555 मे हुमायूँ का पुनः दिल्ली पर कब्जा।

380 औरंगजेब कालीन इमारतें

- रबिया-उद्-दुर्रानी का मकबरा - यह मकबरा औरंगाबाद में औरंगजेब ने बनवाया था।
- बादशाही मस्जिद (बीबी का मकबरा) - यह मस्जिद लाहौर में स्थित है।
- मोती मस्जिद (लाल किले के भीतर) - यह दिल्ली में स्थित है।

381 मुगलकालीन स्थापत्य कला

- हुमायूँ का मकबरा - दिल्ली में - निर्माण हाजी बेगम ने (अकबर की सौतेली माँ)
- आगरा का किला - निर्माण अकबर ने
- जहाँगीर महल - आगरा में - निर्माण अकबर द्वारा
- अकबरी महल - आगरा - निर्माण अकबर ने
- जहाँगीरी महल - फतेहपुर सीकरी - निर्माण अकबर द्वारा
- दीवाने-आम - फतेहपुर सीकरी - निर्माण अकबर ने
- दीवाने-खास - फतेहपुर सीकरी - निर्माण अकबर ने
- पंचमहल (हवामहल) - फतेहपुर सीकरी - अकबर ने
- तुर्की सुल्तान का महल - फतेहपुर सीकरी - अकबर ने
- मरियम महल - फतेहपुर सीकरी - अकबर द्वारा
- बुलंद दरवाजा - फतेहपुर सीकरी - अकबर द्वारा
- शेख सलीम चिश्ती का मकबरा - फतेहपुर सीकरी - अकबर द्वारा
- इस्लामशाह का मकबरा (शेख सलीम चिश्ती का पौत्र) - फतेहपुर सीकरी - अकबर द्वारा
- लाहौर का किला - लाहौर - अकबर द्वारा
- इलाहाबाद में 40 स्तंभों वाला किला (अकबर कालीन अंतिम इमारत) - इलाहाबाद - अकबर द्वारा
- अकबर का मकबरा - सिकंदरा - जहाँगीर द्वारा
- ऐतमादुद्दौला का मकबरा - आगरा - नूरजहाँ द्वारा
- जहाँगीर का मकबरा शहादरा - लाहौर - नूरजहाँ द्वारा
- काबुली बाग में स्थित मस्जिद - पानीपत - बाबर ने
- जामी मस्जिद - संभल (रुहेलखंड) - बाबर ने
- आगरे की मस्जिद - आगरा (लोदी किले के भीतर) - बाबर ने
- फतेहाबाद की मस्जिद - पंजाब (हिसार) - हुमायूँ द्वारा
- दीनपनाह नगर (धर्म का शरण स्थल) - दिल्ली - हुमायूँ द्वारा
- किला-ए-कुहना (पुराने किले के भीतर) - दिल्ली - शेरशाह द्वारा
- शेरसूर नगर - कन्नौज - शेरशाह ने
- रोहतासगढ का किला - उत्तरी पश्चिमी सीमा प्रांत - शेरशाह द्वारा
- शेरशाह का मकबरा - सासाराम (बिहार) - शेरशाह द्वारा

382 दिल्ली सल्तनत कालीन इमारत /शासक

- कुतुबुद्दीन ऐबक
  - अढ़ाई दिन का झोपड़ा, क़ुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद
- इल्तुतमिश
  - इल्तुतमिश का मक़बरा , जामा मस्जिद , अतारकिन का दरवाज़ा, सुल्तानगढ़ी
- बलबन - लाल महल
- अलाउद्दीन ख़िलजी
  - जमात खाना मस्जिद , अलाई दरवाज़ा , हज़ार सितून (स्तम्भ)
- ग़यासुद्दीन तुग़लक़ - तुग़लक़ाबाद
- मुहम्मद बिन तुग़लक़
  - जहाँपनाह नगर, शेख़ निज़ामुद्दीन औलिया का मक़बरा , फ़िरोज़शाह तुग़लक़ का मक़बरा
- जूनाशाह ख़ानेजहाँ
  - फ़िरोज़शाह का मक़बरा, खिर्की मस्जिद, काली मस्जिद
- मियाँ कुआ - मोठ की मस्जिद

383 केवल नागरिकों को प्राप्त मूल अधिकार(विदेशी को नहीं)

- **अनुच्छेद-15** - धर्म मूलवंश, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर विभेद का प्रतिषेध
- **अनुच्छेद - 16** - लोक नियोजन के विषय में अवसर की समता।
- **अनुच्छेद-19** - वाक्-स्वातंत्रय, सम्मेलन, संगम, संचरण, निवास और वृत्ति की स्वतंत्रता
- **अनुच्छेद-29** - अल्पसंख्यकों के संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार
- **अनुच्छेद-30** - शिक्षा संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन का अल्पसंख्यकों को अधिकार

384 भारत के प्रमुख अनुसंधान संस्थान केन्द्र

- हिमालय वन अनुसंधान संस्थान - हिमाचल प्रदेश
- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान - जोरहाट
- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान - जबलपुर
- केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान - मैसूर
- केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (CDRI) - लखनऊ
- भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान - मेरठ
- राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो - मऊ

384 पूर्वोत्तर राज्य की पहाड़ियां

- अ णाचल प्रदेश - मिरि, अबोर, मिश्मी, डाफ्ला, पटकाई बुम
- असम - मिकिर पहाड़ियाँ, उत्तरी रेंगमा, बारैल पहाड़ियाँ
- नगालैंड - नगा पहाड़ियाँ
- मेघालय - गारो, खासी, जयंतिया पहाड़ियाँ
- मणिपुर - बारैल पहाड़ियाँ
- मिजोरम - मिजो, लुशाई पहाड़ियाँ

385 ब्रिटिश काल में स्थापित प्रमुख शैक्षणिक संस्थान

- कलकत्ता में पहला मदरसा :–1781 में ,वारेन हेस्टिंग्स द्वारा।
- एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल :–1784 में ,विलियम जोंस द्वारा । प्राच्य अध्ययन को प्रोत्साहन देने हेतु।
- बनारस संस्कृत महाविद्यालय :–1791 में ,जोनाथन डंकन द्वारा।
- फोर्ट विलियम कॉलेज :–1801 में, लॉर्ड वेलेजली द्वारा ,कंपनी के सिविल सेवकों को भारतीय भाषाओं और रीति- रिवाजों का प्रशिक्षण देने हेतु।
- मियो कॉलेज :–1875 में, अजमेर में , लॉर्ड मियो द्वारा
- मुस्लिम ऐंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज :– 1875 में, अलीगढ़ में, सर सैय्यद अहमद खां द्वारा

386 संसद से संबंधित अनुच्छेद : विषयवस्तु

- अनुच्छेद 79- संसद का गठन
- अनुच्छेद 80-राज्यसभा का संघटन
- अनुच्छेद 81-लोकसभा का संघटन
- अनुच्छेद 82- प्रत्येक जनगणना के पश्चात समायोजन
- अनुच्छेद 83-संसद के सदनों की अवधि
- अनुच्छेद 84- संसद सदस्यता हेतु योग्यता
- अनुच्छेद 85-संसद के सत्र, सत्रावसान एवं विघटन
- अनच्छद 86-राष्ट्रपति का सदनो को सबोधित करने तथा संदेश देने का अधिकार
- अनुच्छेद 87-राष्ट्रपति का विशेष संबोधन
- अनुच्छेद 88-सदनों के प्रति मंत्रियों एवं अटॉर्नी जनरल के अधिकार
- अनुच्छेद 89- राज्यसभा के सभापति एवं उपसभापति
- अनुच्छेद 90-राज्यसभा के उपसभापति की रिक्ति, त्यागपत्र एवं विमुक्ति
- अनुच्छेद 92- सभापति अथवा उपसभापति का सदन की अध्यक्षता से विरत रहना
- अनुच्छेद 93-लोकसभा के अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष
- अनुच्छेद 94- लोकसभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष पद की रिक्ति, त्यागपत्र तथा विमुक्ति
- अनुच्छेद 95-लोकसभा अध्यक्ष के कर्तव्यों का निर्वहन अथवा कार्य करने की शक्ति

387 कुछ संघ राज्य क्षेत्रों के लिए विनियम बनाने की राष्ट्रपति की शक्ति

- अनुच्छेद 240 के अंतर्गत कुछ संघ राज्य क्षेत्रों के लिए विनियम बनाने की राष्ट्रपति की शक्ति:–
  - 240(1) (A)–अंडमान और निकोबार द्वीप
  - 240(1) (B)–लक्षद्वीप
  - 240(1) (C)–दादर और नगर हवेली
  - 240(1) (D)– दमन और दीव
  - 240(1) (E)– पुडुचेरी

388 भारत की जनगणना 2011 से संबंधित तथ्य

- सर्वाधिक साक्षरता वाले राज्य
  - केरल ➤ मिजोरम ➤ गोवा ➤ त्रिपुरा ➤ हिमाचल
- सर्वाधिक शहरी जनसंख्या वाले राज्य (प्रतिशत में)
  - गोवा ➤ मिजोरम ➤ तमिलनाडु ➤ केरल ➤ महाराष्ट्र
- केन्द्रशासित प्रदेश में सर्वाधिक लिंगानुपात (ग्रामीण)- पुडुचेरी
- केन्द्रशासित प्रदेश में सर्वाधिक शहरी लिंगानुपात - पुडुचेरी
- न्यूनतम शहरी लिंगानुपात वाला राज्य -जम्मू एवं कश्मीर (840)
- न्यूनतम ग्रामीण लिंगानुपात वाला राज्य- हरियाणा (880)
- केन्द्रशासित प्रदेश में न्यूनतम शहरी लिंगानुपात वाला राज्य - दमन व दीव (551)
- केन्द्रशासित प्रदेश में न्यूनतम ग्रामीण लिंगानुपात वाला राज्य - चण्डीगढ़ (690)
- सर्वाधिक अनुसूचित जाति जनसंख्या वाला राज्य- उत्तर प्रदेश
- सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति जनसंख्या वाला राज्य- मध्यप्रदेश
- सर्वाधिक अनुसूचित जाति वाला राज्य (सामान्य में प्रतिशतता) – पंजाब (31.9%)
- सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति वाला (सामान्य जनसंख्या में प्रतिशतता) राज्य – मिजोरम (94.41%)
- सर्वाधिक अनुसूचित केन्द्रशासित प्रदेश में -लक्षद्वीप (94.8%)
- 2011 में जनघनत्व - 382 (+57)
- क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य – राजस्थान
- क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा केन्द्रशासित प्रदेश – अंडमान एवं निकोबार
- क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा राज्य – गोवा
- क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा केन्द्रशासित प्रदेश – लक्षद्वीप
- जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य – उत्तर प्रदेश
- जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा केन्द्रशासित प्रदेश – दिल्ली
- जनसंख्या की दृष्टि से सबसे छोटा राज्य – सिक्किम
- जनसंख्या की दृष्टि से सबसे छोटा केन्द्रशासित प्रदेश – लक्षद्वीप
  - नोटः- जनसंख्या एवं क्षेत्रफल दोनों दृष्टि से सबसे छोटा केन्द्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप है
- सर्वाधिक साक्षरता वाला केन्द्रशासित प्रदेश- लक्षद्वीप (91. 80%)
- न्यूनतम साक्षरता वाला कन्द्रशासित प्रदश दादरा व नगर हवेली (76.20%)
- सर्वाधिक जनघनत्व वाला राज्य – बिहार (1106)
- सर्वाधिक जनघनत्व वाला कन्द्रशासित प्रदेश दिल्ली (11320)
- न्यूनतम जनघनत्व वाला राज्य - अरुणांचल प्रदेश (17)
- जनसंख्या की दृष्टि से शीर्ष 5 राज्य क्रमश : उत्तरप्रदेश > महाराष्ट्र > बिहार > प. बंगाल> आंध्रप्रदेश
- जनसंख्या की दृष्टि से शीर्ष केन्द्रशासित प्रदेश क्रमशः दिल्ली > पुडुचेरी > चण्डीगढ़ > अण्डमान निकोबार > दादर नगर हवेली
- जनसंख्या की दृष्टि से न्यूनतम जनसंख्या वाले राज्य – सिक्किम < मिजोरम < अरुणांचल नागालैण्ड मणिपुर
- जनसंख्या की दृष्टि से न्यूनतम जनसंख्या वाले केन्द्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप दमनदीव दादरा नगर हवेली अण्डमान निकोबार < चण्डीगढ़
- जनसंख्या में शीर्ष दशकीय वृद्धि दर वाले राज्य क्रमशः मेघालय (27.95) > अरुणांचल प्रदेश (26.03) > बिहार (25.42) > जम्मू और कश्मीर (23.64)
- जनसंख्या में सर्वाधिक दशकीय वृद्धि दर वाले केन्द्रशासित प्रदेश क्रमशः दादर नगर हवेली (55.88) > दमन और दीव (53.76) > पुडुचेरी (28.08) > दिल्ली (21.21) > चण्डीगढ (19.19)

- जनसंख्या में न्यूनतम दशकीय वृद्धि दर वाले राज्य मशः नागालैण्ड (-0.58) > केरल (4.91) आं प्रदेश (10.98) > सि किम (12.89) गोवा (8.23) >
- जनसंख्या में न्यूनतम दशकीय वृद्धि दर वाले केन्द्रशासित प्रदेश –
- लक्षद्वीप (6.30) < अण्डमान निकोबर (6.86) < चण्डीगढ़(17.2) < दिल्ली (21.21) < पुडुचेरी (28.08)

➤ जनगणना 2011: लिंगानुपात :

- 2001 - 933/1000
- 2011 - 943/1000 (+10)

- सर्वाधिक लिंगानुपात वाले शीर्ष राज्य क्रमशः- केरल (1084) > तमिलनाडु (996) > आंध्रप्रदेश (993) > छत्तीसगढ़ (991) > मेघालय (989)
- न्यूनतम लिंगानुपात वाले राज्य क्रमशः हरियाणा (879) < जम्मू और कश्मीर (889) < सि किम (890) < पंजाब (895) < उत्तर प्रदेश (912)
- सर्वाधिक लिंगानुपात वाले शीर्ष केन्द्रशासित प्रदेश मशः- पुडुचेरी (1037) > लक्षद्वीप (947) > अण्डमान निकोबार (876) > दिल्ली (868)
- न्यूनतम लिंगानुपात वाले केन्द्रशासित प्रदेश मशः - दमन एवं दीव (618) < दादरा नगर हवेली (774) < चण्डीगढ़ (818) < दिल्ली (868)
- शिशु लिंगानुपात :-2001- 927, 2011- 919
- सर्वाधिक लिंगानुपात वाला राज्य – केरल (1084)
- सर्वाधिक लिंगानुपात वाला केन्द्रशासित प्रदेश- पुडुचेरी (1037)
- न्यूनतम (सबसे कम लिंगानुपात वाला राज्य) हरियाणा (879)
- न्यूनतम (सबसे कम) लिंगानुपात वाला केन्द्रशासित प्रदेश - दमन एवं दीव (618)

389 गंगा की सहायक नदियां

- गंगा में बाएं से मिलने वाली प्रमुख नदियाँ
  - रामगंगा
  - गोमती नदी
  - घाघरा नदी
  - गंडक नदी
  - बूढ़ी गंडक
  - कोसी नदी
  - महानंदा नदी
  - ब्रह्मपुत्र नदी

- गंगा में दाएं से मिलने वाली प्रमुख नदियाँ
  - यमुना नदी
  - टोंस नदी
  - सोन नदी

- गंगा की सहायक नदियों का पश्चिम से पूर्व की ओर क्रम
  यमुना → टोंस → गोमती → घाघरा→ सोन→ गंडक → बूढ़ीगंगा → कोसी → महानंदा →हुगली → ब्रह्मपुत्र

390 जलवायु परिवर्तन से संबंधित सम्मेलन

- पर्यावरण एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जिसे रियो सम्मिट या पृथ्वी सम्मेलन भी कहा जाता है, ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में 1992 में आयोजित किया गया था

- 21 मार्च, 1994 से UNFCCC लागू हुआ और 197 देशों द्वारा इसकी पुष्टि की गई।

- इसके हितधारक जलवायु परिवर्तन से निपटने में प्रगति का आकलन करने के लिए 1995 के बाद से प्रत्येक वर्ष कॉप सम्मेलन में मिलते हैं -

- वर्ष 1995: COP1 (बर्लिन, जर्मनी)- पहला
- वर्ष 1997: COP 3 (क्योटो प्रोटोकॉल)
- वर्ष 2002: COP 8 (नई दिल्ली, भारत) दिल्ली घोषणा
- वर्ष 2007: COP 13 (बाली, इंडोनेशिया)
- वर्ष 2010: COP 16 (कैनकन)
- वर्ष 2011: COP17 (डरबन)
- वर्ष 2015: COP 21 (पेरिस)
- वर्ष 2016: COP 22 (माराकेश)
- वर्ष 2017: COP 23, बॉन (जर्मनी)
- वर्ष 2018: COP24, काटोवाइस (पोलैंड)
- वर्ष 2019: COP25, मैड्रिड (स्पेन)

391 भौतिक परिवर्तन और रासायनिक परिवर्तन में अंतर

भौतिक परिवर्तन

- भौतिक परिवर्तन में कोई नया पदार्थ नहीं बनता है,एक अस्थायी परिवर्तन है,आसानी से उत्क्रमणीय होता है।
- प्रायः अत्यंत अल्प मात्रा में ऊष्मा (या प्रकाश) ऊर्जा अवशोषित होती है या निकलती है।
- भौतिक परिवर्तन में पदार्थ नहीं परिवर्तित होता है।
- उदाहरण - पानी का जमना, पानी का उबलना, मोम का पिघलना आदि है।

रासायनिक परिवतन

- रासायनिक परिवर्तन में नया पदार्थ बनता है।, एक स्थायी परिवर्तन है,प्रायः अनुत्क्रमणीय होता है।
- इसमे अत्यधिक मात्रा में ऊष्मा (प्रकाश) ऊर्जा अवशोषित होती है
- उदाहरण - भोजन का पाचन, कागज का जलना, धातु का जंग लगना, चाँदी का खराब होना आदि
- ईंधन का जलना, जैसे कि LPG या पेटोल,दूध का फटना.

392 पर्वत का उत्तर से दक्षिण सही क्रम

कराकोरम पर्वत श्रेणी
↓
लद्दाख पर्वत श्रेणी
↓
जास्कर पर्वत श्रेणी
↓
पीर पंजाल पर्वत श्रेणी

393 पहाड़ियों का पश्चिम से पूर्व सही क्रम

गारो पहाड़िया ➤ खासी पहाड़िया ➤ जयतिया पहाड़ियां ➤ मिकिर पहाड़ियां

394 भारत की प्रमुख नदियां और उनके उद्गम स्थल

- सिन्धु नदी का उद्गम स्थल :- मानसरोवर झील
- गंगा नदी का उद्गम स्थल :-- गंगोत्री ग्लेशियर
- यमुना नदी :-- यमुनोत्री ग्लेशियर
- गोदावरी नदी :-- त्रंबकेश्वर (महाराष्ट्र)
- कृष्णा नदी :-- महाबलेश्वर (महाराष्ट्र)
- कोसी नदी :-- सप्तकोशिकी (नेपाल)
- नर्मदा नदी :-- अमरकंटक की पहाडियाँ
- कावेरी नदी :-- ब्रह्मगिरि पहाडियाँ (कर्नाटक)
- चंबल नदी :-- मध्य प्रदेश के महू (जानपाव पहाड़ी)
- झेलम नदी :-- वेरिनाग स्प्रिंग (पीर पंजाल रेंज)
- रावी नदी :-- रोहतांग दर्रा

FOR UPPCS MAINS 2024 EXAM

UPPCS ONE "संकल्प से सिद्धि"

UPPCS ONE
"संकल्प से सिद्धि"

Mains Answer Writing Program
जल्द ही शुरू

डिटेल्स के लिए Whatsapp करें

9415950206